जबलपुर शुक्रवार 26 जून 2026 > शक संवत 1948, ज्येष्ठ कृष्ण पक्ष द्वादशी

वर्ष 32 अंक 02 मूल्य 3.00 > पेज 12 > आर.एन.आई. पंजीयन नम्बर 64561/96

www.swatantramat.com

अब हर रोज दर्पण

» 3

स्वतंत्र मत

स्वतंत्र मत में विज्ञापन देने के लिए 9589920250 पर कॉल करें * स्वतंत्र मत का अंक प्राप्त करने के लिए 9301359695 पर कॉल करें।

मौसम

अधिकतम तापमान 38.1°C

न्यूनतम तापमान 26.1°C

सूर्योदय - 5.27 | सूर्यास्त - 7.00

अजय सुखदेवे बने भाजपा अनुसूचित जाति मोर्चा » 2

भूकंप से थर्राया वेनेजुएला: 164 मरे, 900 से » 7

कटनी में पासपोर्ट सेवा केंद्र की मांग पर हाईकोर्ट सख्त » 9

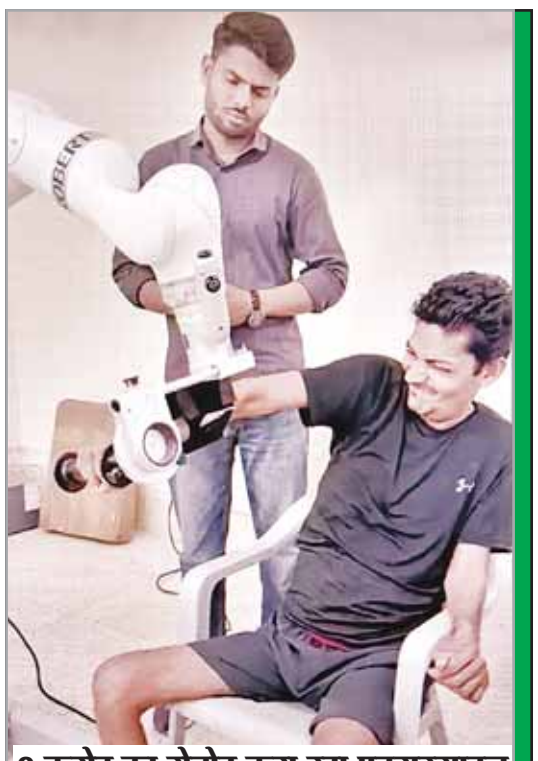

2 करोड़ का रोबोट करा रहा एक्सरसाइज

जयपुर। बीमारी की वजह से खुद एक्सरसाइज न कर पाने वाले मरीजों को रोबोट एक्सरसाइज करा रहा है। इसके लिए सवाई मान सिंह हॉस्पिटल के रीजनल रिहैबिलिटेशन सेंटर में करीब 2 करोड़ रुपए की लागत से रोबोटिक फिजियोथेरेपी की शुरुआत हो चुकी है। यह फिजियोथेरेपी पैरालाइसिस, स्पाइनल इंजरी, ब्रेन इंजरी जैसी गंभीर समस्याओं से जूझ रहे मरीजों के लिए मददगार साबित हो रही है।

शैक्षणिक पाठ्यक्रम में नशे के दुष्परिणामों पर जानकारी देना जरूरी: डॉ. यादव

दिव्यांगजनों को उपलब्ध कराये गये 6 करोड़ 52 लाख रुपए के कृत्रिम अंग और सहायक यंत्र

भोपाल (स्वतंत्र मत)

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि दिव्यांगजन के आवागमन के लिए सभी शासकीय भवनों को बाधारहित बनाना आवश्यक है। बच्चों में दिव्यांगता के बारे में संवेदनशीलता विकसित करने के लिए स्कूली पाठ्यक्रम में आवश्यक सामग्री शामिल की जाए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने नशामुक्ति के लिए चलायें जा रहे अभियान के लिए सभी संबंधित विभागों को समन्वित रूप से कार्य करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि नशे के दुष्परिणामों से किशोरों और युवाओं को समय रहते परिचित कराना जरूरी है। नशे के विरूद्ध वातावरण बनाने के उद्देश्य से स्कूली और महाविद्यालयीन स्तरों के पाठ्यक्रमों में नशे के विरूद्ध जागरूकता पर केंद्रित सामग्री शामिल की जाए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि दिव्यांगजन को निजी क्षेत्र में रोजगार उपलब्ध कराने और उनकी क्षमता अनुसार कौशल उन्नयन की गतिविधियां भी संचालित की जाएं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने उक्त निर्देश सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग की समीक्षा बैठक में दिए। मंत्रालय में गुरूवार को हुई बैठक में विभाग के मंत्री नारायण सिंह कुशवाहा, मुख्य सचिव अनुराग जैन विशेष रूप से उपस्थित थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि जन्म दिवस, विवाह वर्षगांठ जैसे शुभ अवसरों और परिजन की स्मृति में जरूरतमंदों को भोजन कराने की परंपरा भारतीय संस्कृति में रही है। उन्होंने ऐसी व्यक्तिगत, पारिवारिक और सामाजिक पहल को, प्रदेश के प्रमुख धार्मिक स्थलों पर निराश्रितों को भोजन कराने के लिए निश्चित व्यवस्था के रूप में विकसित करने का सुझाव दिया। बैठक में जानकारी दी गई कि मुख्यमंत्री सेवा पखवाड़ा अभियान वर्ष 2025 अंतर्गत प्रदेश में 6 करोड़ 52 लाख रुपए के कृत्रिम अंग एवं सहायक यंत्र दिव्यागंजन को उपलब्ध कराये गये। बैठक में मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने विभाग में संचालित विभिन्न योजनाओं की प्रगति की बिंदुवार समीक्षा की। बैठक में अपर मुख्य सचिव नीरज मंडलोई, संजय शुक्ला, मनीष रस्तोगी, प्रमुख सचिव श्रीमती सोनाली वायंगणकर सहित विभागीय अधिकारी उपस्थित थे।

दिव्यांगजन के लिए 168 स्मार्ट क्लास

प्रदेश में दिव्यांगजन के लिए संचालित विशेष विद्यालयों में दिव्यांगजन के लिए 168 स्मार्ट क्लास तैयार की गई हैं। नशामुक्ति भारत अभियान के अंतर्गत 12 हजार वालेंटियर्स बनाये गये हैं, जो नशे के दुष्परिणामों से जन सामान्य को अवगत करा रहे हैं। दिव्यांगजन को आत्मनिर्भर बनाने और उन्हें रोजगार उपलबध कराने के लिए भारत सरकार से प्राप्त पुरस्कार संस्थानों से एमओयू किया गया है। इन संस्थाओं द्वारा 12 दिव्यांगजनों को रोजगार उपलब्ध कराया गया। वृद्धजनों की देखभाल के लिए 54 प्रतिभागियों को केयर-गिवर का प्रशिक्षण दिलवाया गया।

निर्माण कार्य शुरू करने से पहले श्रम विभाग को देनी होगी सूचना

भोपाल (स्वतंत्र मत)

श्रम विभाग द्वारा निर्माण स्थलों पर श्रमिकों की सुरक्षा, स्वस्थ कार्य परिवेश सुनिश्चित करने और उन्हें सरकार की कल्याणकारी योजनाओं का समुचित लाभ पहुंचाने के लिए महत्वपूर्ण निर्देश जारी किए गए हैं। भवन एवं अन्य संनिर्माण कर्मकार कल्याण मंडल के अंतर्गत अब सभी निर्माण स्थलों पर पुख्ता सुरक्षा व्यवस्था और सुरक्षा अधिकारियों की उपस्थिति अनिवार्य कर दी गई है। इसके लिए श्रम सेवा पोर्टल मोबाइल ऐप के माध्यम से निर्माण स्थल का विवरण, कर्मचारियों की संख्या और लोकेशन सहित अन्य आवश्यक जानकारियां एकत्र की जा रही हैं, जिससे नियोजक श्रमिकों को दी जा रही सुविधाओं का विवरण दे सकें। भवन एवं अन्य संनिर्माण कर्मकार कल्याण अधिनियम 1996 के प्रावधानों के अनुसार, किसी भी भवन या निर्माण कार्य को प्रारंभ करने से कम से कम 30 दिन पहले संबंधित क्षेत्र के अधिकारिता रखने वाले निरीक्षक को इसकी सूचना देना वैधानिक रूप से अनिवार्य है। नियोजकों को निर्माण स्थल और वहां अपनाए जाने वाले सुरक्षा उपायों की पूरी जानकारी साझा करनी होगी। यह सूचना एमपीबीओसीडब्ल्यू के ऑनलाइन पोर्टल या जिला श्रम कार्यालय के माध्यम से दी जा सकती है। निर्माण कार्य की पूर्व सूचना न देना नियमों का उल्लंघन माना जाएगा और संबंधित नियोक्ता पर दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी।

पोर्टल पर करना होगा पंजीयन

हो सकती है 3 माह की जेल

अधिनियम के प्रावधानों के अनुसार, यदि कोई नियोजक धारा 46 के अधीन निर्माण कार्य शुरू करने की पूर्व सूचना देने में विफल रहता है, तो उसके खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई का प्रावधान है। ऐसे मामलों में दोषी पाए जाने पर नियोक्ता को तीन महीने तक के कारावास, दो हजार रुपये तक के जुर्माने या फिर दोनों सजाओं से दंडित किया जा सकता है। मामले की संवेदनशीलता को देखते हुए राज्य के सभी निर्माण विभागों को भी निर्देश जारी किए गए हैं कि वे कोई भी निर्माण कार्य शुरू करने से पहले श्रम विभाग को इसकी सूचना अनिवार्य रूप से उपलब्ध कराएं।

'श्रम प्रहरी' की भूमिका निभाएं

श्रम विभाग द्वारा कहा गया है कि मध्यप्रदेश में निर्माण कार्यों में पारदर्शिता और श्रमिकों के हितों की रक्षा के लिए आम नागरिकों को भी इस मुहिम से जोड़ा गया है। विभाग द्वारा कहा गया है कि प्रदेश का कोई भी जागरूक नागरिक 'श्रम प्रहरी' की भूमिका निभाते हुए ऐसे किसी भी निर्माण स्थल की जानकारी दे सकता है, जिसकी सूचना श्रम विभाग को न दी गई हो। इसके लिए श्रम विभाग द्वारा एक विशेष कंट्रोल रूम नंबर 1800-233-8888 जारी किया गया है, इस नंबर पर प्रदेश का कोई भी नागरिक अपनी सूचना दर्ज करा सकता है।

धर्मेंद्र प्रधान युवाओं से माफी मांगें और इस्तीफा दें : राहुल

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने एक बार फिर केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान पर तीखा हमला करते हुए उन पर छात्रों का अपमान करने का आरोप लगाया और मांग की कि वे देश के युवाओं से माफी मांगें और अपने पद से इस्तीफा दें। सोशल मीडिया पर साझा एक पोस्ट में राहुल गांधी ने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार अहंकारी हो गई है और अब उन छात्रों को निशाना बना रही है, जो अपने अधिकारों और निष्पक्ष परिक्षाओं और रोजगार की मांग उठा रहे हैं। राहुल गांधी ने सोशल मीडिया पोस्ट में लिखा, सत्ता के अहंकार में डूबी मोदी सरकार अब इस मुकाम पर पहुंच गई है कि अपने अधिकारों, निष्पक्ष परिक्षाओं और सुरक्षित भविष्य की मांग करने वाले छात्रों को ही शिक्षा मंत्री आतंकवादी कह रहे हैं। जरा सोचिए- जिसकी नाकामी से इतने पेपर लीक हुए, जिसके राज में 20 बच्चों ने जान दे दी, जिसने करोड़ों युवाओं का भविष्य अंधकार में धकेल दिया। वो आज पीड़ित बच्चों और उनकी आवाज उठाने वालों को दहशतगर्द बता रहे हैं। राहुल गांधी ने आगे लिखा कि ये कोई नई बात नहीं है। अन्नदाता किसानों को आंदोलनजीवी और परजीवी कहा गया। सवाल पूछने वालों को देश विरोधी और अब युवाओं को दहशतगर्द। जो सरकार से सवाल पूछे, उसे देशद्रोही बता दो, यही इनकी पूरी राजनीति है। धर्मेंद्र प्रधान को देश के करोड़ों युवाओं से तुरंत माफी मांगनी चाहिए और अपनी नाकामियों के लिए इस्तीफा देना चाहिए। राहुल गांधी ने कहा, आप मुझ पर जितने हमले कर लें, लेकिन जो शिक्षा व्यवस्था आज वसूली तंत्र बन गई है, उसे मैं ऐसी नहीं रहने दूंगा। हर बच्चे को सस्ती, अच्छी शिक्षा और निष्पक्ष परीक्षा मिले, इस आवाज को उठाना मैं कभी भी बंद नहीं करूंगा।

1 लाख रिश्वत लेते दो अधिकारी गिरफ्तार

नीमच। उज्जैन लोकायुक्त की टीम ने गुरुवार दोपहर नीमच कलेक्टर कार्यालय परिसर स्थित आदिम जाति कल्याण विभाग के कार्यालय में कार्रवाई की। टीम ने विभाग के जिला संयोजक राकेश राठौर और छात्रावास अधीक्षक हरीश चौहान को 1 लाख रुपए की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार किया। दोनों अधिकारियों पर मनासा विकासखंड के कुकड़ेश्वर स्थित शासकीय कन्या छात्रावास की सस्पेंड अधीक्षिका कर्दुला इक्का से रिश्वत मांगने का आरोप है। यह राशि विभागीय जांच में राहत देने और उनकी बहाली के पक्ष में रिपोर्ट तैयार करने के एवज में मांगी गई थी।

कोलकाता गोदाम हादसे में मृतक संख्या 11 हुई

कोलकाता। कोलकाता के गोदाम हादसे में मरने वालों का आंकड़ा 11 हो गया है। गुरुवार को 6 और लोगों के शव मिले। इसके अलावा, अब तक 20 लोगों को बचाया गया है। हादसे के करीब 26 घंटे बाद भी सेना, एनडीआरएफ, एसडीआरएफ, कोलकाता पुलिस, दमकल विभाग, सेना और अन्य एजेंसियां संयुक्त रूप से मलबा हटाने और फंसे लोगों की तलाश में जुटी हैं। सेना ने इसके लिए ग्राउंड-पेनेट्रेटिंग रडार सिस्टम भी लगाया है।

केंद्र ने कॉमर्शियल एलपीजी कोटा बढ़ाया

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने राज्यों को एक बार फिर एलपीजी सप्लाई बढ़ाने का निर्देश दिया है। सरकार ने 25 जून को कॉमर्शियल एलपीजी सिलेंडर सप्लाई पर लगी सभी सेक्टर-वाइज पाबंदियां हटा दी हैं। गैस संकट को देखते हुए सरकार ने कॉमर्शियल एलपीजी सिलेंडर सप्लाई में कटौती की थी। पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने बताया कि इसे संकट से पहले की खपत के स्तर का 50 प्रतिशत कर दिया गया है।

1 जुलाई से महंगा पड़ेगा पासपोर्ट बनवाना

नॉर्मल कैटेगरी पासपोर्ट 2,500 और तत्काल 5,000 में बनेगा

नई दिल्ली

1 जुलाई से पासपोर्ट बनवाना या री-इश्यू कराना महंगा होगा। केंद्र सरकार ने पासपोर्ट की फीस बढ़ाने का फैसला किया है। नए नियम 1 जुलाई 2026 से लागू होंगे। 36 पेज वाले सामान्य पासपोर्ट की फीस 1,500 रुपए से बढ़कर 2,500 रुपए हो जाएगी। वहीं, तत्काल पासपोर्ट के लिए अब 5,000 रुपए देने होंगे, जो पहले 3,500 रुपए थी। 60 पेज वाले पासपोर्ट की फीस भी बढ़ाई गई है। इसकी सामान्य फीस 2,000 रुपए से बढ़कर 3,500 रुपए और तत्काल फीस 4,000 रुपए से बढ़कर 6,000 रुपए हो

जाएगी। मंत्रालय ने पासपोर्ट रूल्स, 1980 में संशोधन के बाद नई दरों को लेकर गजट नोटिफिकेशन जारी किया है। ये बढ़ोतरी 14 साल बाद की गई है। इससे पहले 2012 में फीस में बदलाव हुआ था। पासपोर्ट के अलावा खोए या क्षतिग्रस्त पासपोर्ट के बदले नया पासपोर्ट, पुलिस क्लियरेंस सर्टिफिकेट और सरेंडर सर्टिफिकेट जैसी सेवाओं के शुल्क भी बढ़ाए गए हैं। अगर आपका 36 पन्नों का पासपोर्ट खो जाता है, तो नॉर्मल प्रोसेसिंग के तहत उसे दोबारा बनवाने के लिए 5,000 रुपए देने होंगे, जबकि तत्काल में यह खर्च 7,500 तक पहुंच जाएगा। इसी तरह, 60 पन्नों वाले रिप्लेसमेंट पासपोर्ट के लिए नॉर्मल कैटेगरी में 6,000 रुपए और तत्काल के लिए 8,500 रुपए की फीस तय की गई है।

अयोध्या राम मंदिर चढ़ावा चोरी में ट्रस्ट ने कराई एफआईआर

महासचिव चंपत राय सहित बड़े चेहरों के नाम नहीं

अयोध्या। राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामले में श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट ने गुरुवार को एफआईआर दर्ज कराई है। इसमें 8 आरोपी बनाए गए हैं। ट्रस्ट के सदस्य कृष्ण मोहन ने एसआईटी की शुरुआती रिपोर्ट के आधार पर मुकदमा दर्ज कराया। एफआईआर में ट्रस्ट महासचिव चंपत राय के ड्राइवर रामशंकर यादव (टिन्नू), लवकुश मिश्रा, अनुकल्प मिश्रा, अविनाश शुक्ला, मनीष यादव, रमाशंकर मिश्रा, सुभाष चंद्र श्रीवास्तव और करुणेश पांडेय के नाम हैं। एफआईआर में चंपत राय का नाम नहीं है।

इस बीच खबर आई कि चंपत राय ने इस्तीफा दे दिया है, लेकिन मंदिर निर्माण प्रभारी गोपाल राव ने इसे खारिज कर दिया।

राहुल गांधी के खिलाफ कार्तिकेय मानहानि केस बंद

जबलपुर (स्वतंत्र मत)।

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी को कार्तिकेय मानहानि मामले में मध्यप्रदेश हाईकोर्ट से बड़ी राहत मिली है। हाईकोर्ट ने राहुल गांधी के खिलाफ चल रहे मानहानि केस को समाप्त करने के निर्देश भोपाल की एमपी-एमएलए कोर्ट को दिए हैं। मामले की सुनवाई जस्टिस प्रमोद कुमार अग्रवाल की एकलपीठ ने की। सुनवाई के दौरान राहुल गांधी ने हलफनामा पेश कर कहा था कि उन्होंने कन्फ्यूजन में कार्तिकेय सिंह चौहान का नाम लिया था। इस पर खेद भी व्यक्त किया था। इसके बाद हाईकोर्ट ने कार्तिकेय सिंह चौहान का पक्ष जानने के लिए उन्हें जवाब दाखिल करने का अवसर दिया। कार्तिकेय की ओर से कोर्ट में कहा गया कि- अगर राहुल गांधी ने भूलवश उनका नाम लिया था और उस पर खेद जता दिया है, तो उन्हें अब इस पर कोई आपत्ति नहीं है। दोनों पक्षों के तर्क सुनने के बाद हाईकोर्ट ने अपना फैसला सुनाते हुए राहुल गांधी को राहत दी है। मानहानि का मामला बंद करने के आदेश जारी कर दिए।

मध्यप्रदेश हाईकोर्ट ने दिए आदेश

कार्तिकेय ने की थी याचिका खारिज करने की मांग

कार्तिकेय सिंह चौहान के वकील संकल्प कोचर ने कोर्ट में कहा- राहुल गांधी ने अपने लिखित जवाब में स्वीकार किया है कि उन्होंने भूलवश पनामा पेपर्स में लिया था। इस पर खेद भी व्यक्त किया है। उनका बयान न तो तत्कालीन मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान और न ही कार्तिकेय सिंह चौहान के संदर्भ में था। वकील ने बताया कि कार्तिकेय सिंह चौहान ने भी अपने जवाब में कहा है कि उन्हें अब कोई आपत्ति नहीं है। मानहानि की कार्रवाई और राहुल गांधी की याचिका को समाप्त करते हुए मामले का निराकरण किया जाना चाहिए। इसके बाद मामले में हाईकोर्ट ने फैसला सुरक्षित रख लिया था।

अमेजन का भारत में बड़ा दांव

48 अरब डॉलर के निवेश का ऐलान

नई दिल्ली

दुनिया की दिग्गज ई-कॉमर्स और आईटी कंपनी अमेजन ने गुरुवार को भारत में 2026 से 2030 के बीच 48 अरब डॉलर की पूंजी निवेश करने की बात कही है। अमेजन के चीफ एग्जीक्यूटिव ऑफिसर एंडी जेसी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात के बाद इसका एलान किया। जेसी ने कहा, हमने 2010 से अब तक भारत में 40 अरब डॉलर का निवेश किया है। पिछले साल के अंत में हमने 2026 से 2030 के बीच भारत में 35 अरब डॉलर का निवेश करने का एलान किया और अब हम इस राशि को बढ़ाकर 48 अरब डॉलर कर रहे हैं। अमेजन का यह निवेश भारत की डिजिटल अर्थव्यवस्था में बढ़ती मांग को पूरा करेगा। अमेजन के इस एलान के बाद कुल मिलाकर, 2010 से 2030 तक भारत में अमेजन की कुल वित्तीय प्रतिबद्धता 88 अरब डॉलर से अधिक हो जाएगी। यह निवेश ई-कॉमर्स नेटवर्क, त्वरित वाणिज्य संचालन और प्रौद्योगिकी इंफ्रास्ट्रक्चर में संतुलित रहेगा। अमेजन के सीईओ ने प्रधानमंत्री के पिछले 12 वर्षों के दृष्टिकोण को जेसी ने उल्लेखनीय बताया। उन्होंने कहा कि भारत दुनिया के लगभग हर पहलू में महत्वपूर्ण देश बन गया है। प्रधानमंत्री के पास देश को हर आयाम पर बेहतर बनाने के कई विचार हैं। जेसी ने बताया कि उनके निवेश का एक बड़ा हिस्सा बाजार कारोबार में है। हालांकि, आज घोषित 13 अरब डॉलर का अतिरिक्त निवेश क्लाउड और कृत्रिम बुद्धिमत्ता पर केंद्रित है। भारत दुनिया भर में एक महत्वपूर्ण क्लाउड और कृत्रिम बुद्धिमत्ता केंद्र बन रहा है। यहां इतनी अधिक मांग है कि कंपनी क्लाउड और कृत्रिम बुद्धिमत्ता दोनों क्षेत्रों में निवेश जारी रखेगी। यह निवेश भारत के तकनीकी विकास को गति देगा।

रोजगार और निर्यात पर असर

यह निवेश दीर्घकालिक रोजगार और आर्थिक मापदंडों के बारे में भी बताता है। कंपनी का लक्ष्य 2024 में समर्थित 28 लाख प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष नौकरियों को 2030 तक लगभग 38 लाख तक बढ़ाना है। 2030 तक 80 अरब डॉलर के संचयी ई-कॉमर्स निर्यात को सक्षम करने का लक्ष्य भी है। इसके अतिरिक्त, 1.5 करोड़ छोटे कारोबारियों को कृत्रिम बुद्धिमत्ता के लाभ मिलेंगे। 40 लाख सरकारी स्कूली छात्रों को एआई की शिक्षा प्रदान की जाएगी।

जनता की समस्याओं के निराकरण पर बरती लापरवाही 8 अधिकारियों-कर्मचारियों पर लगा अर्थदण्ड

लोक सेवा प्रदाय गारंटी अधिनियम के तहत कलेक्टर ने लिया एक्शन

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

लोक सेवा प्रदाय गारंटी अधिनियम के अंतर्गत आवेदकों को समय सीमा के भीतर सेवाएं नहीं देने वाले जिले के आठ अधिकारियों कर्मचारियों पर कलेक्टर राघवेन्द्र सिंह ने 250 रूपये से लेकर 5 हजार रूपये तक का अर्थदंड अधिरोपित किया है। दंडित अधिकारियों कर्मचारियों में नायब तहसीलदार रांझी, नगर निगम के स्वास्थ्य अधिकारी एवं पंचायत सचिव शामिल है। इन पर अधिरोपित अर्थदंड की कुल राशि 9 हजार 500 रूपये है। कलेक्टर राघवेन्द्र सिंह ने दंडित अधिकारियों कर्मचारियों को अधिरोपित किये गये अर्थदंड की राशि पांच दिन के भीतर सायबर ट्रेजरी के माध्येम से शासन के खाते में जमा करने तथा रसीद की छायाप्रति लोक सेवा प्रबंधन विभाग को प्रस्तु त करने के निर्देश दिये हैं। निर्धारित समयावधि में राशि जमा न करने की स्थिति में दंडित राशि वेतन से आहरित करने की चेतावनी दी गई है।

इनपर लगा जुर्माना

लोक सेवा प्रदाय गारंटी अधिनियम के तहत समय सीमा के भीतर आवेदकों को सेवाएं प्रदाय नहीं किये जाने पर जिन अधिकारियो कर्मचारियों पर दंड अधिरोपित किया गया है उनमें नायब तहसीलदार रांझी आदर्श जैन पर दो प्रकरणों में कुल 500 रूपये, नगर निगम के स्वास्थ्य अधिकारी अभिनव मिश्रा पर 17 प्रकरणों में कुल 5 हजार रूपये, जनपद पंचायत मझौली की ग्राम पंचायत भीटा खुर्द के सचिव युगल किशोर पटेल पर एक प्रकरण में 250 रूपये एवं ग्राम पंचायत गौरा नेगई के सचिव ओमकार सिंह पर एक प्रकरण में 500 रूपयेए जनपद पंचायत कुंडम की ग्राम पंचायत डबराकलां के सचिव भोला सिंह तेकाम पर 4 प्रकरण में कुल 2 हजार रूपयेए ग्राम पंचायत डोली के सचिव करण सिंह पर एक प्रकरण में 750 रूपये एवं ग्राम पंचायत मडई कलां के सचिव राम प्रसाद तिलगाम पर एक प्रकरण में 250 रूपये तथा जनपद पंचायत जबलपुर की ग्राम पंचायत हरदुली के सचिव रामदीन पटेल पर एक प्रकरण में एक हजार का अर्थदंड अधिरोपित किया गया है। अर्थदंड की राशि का निर्धारण सेवायें प्रदान करने में विलम्ब के आधार पर तय की गई है।

गर्मी, उमस की चपेट में शहर तापमान में फिर हुई बढ़त

अगले कुछ दिनों में शहर में दस्तक दे सकता है मानसून

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

जिले में पिछले कई दिनों से मानसून का बेसब्री से इंतजार किया जा रहा है। मौसम विभाग के अनुसार, अगले कुछ ही दिनों में मानसून मध्य प्रदेश के जबलपुर में दस्तक दे सकता है। राहत की इस खबर के बीच, फिलहाल लोगों को भीषण गर्मी का सामना करना पड़ रहा है, जिससे जल्द ही राहत मिलने की उम्मीद जताई जा रही है। मानसून के आगमन से पहले, जबलपुर में गुरुवार का दिन सीजन के कष्टदायक दिनों में से एक रहा। सुबह से ही धूप और हवा की थमी रफ्तार के कारण पूरा शहर भीषण गर्मी और बेचैन करने वाली उमस की चपेट में रहा। उमस का आलम यह था कि लोग कूलर और पंखों के सामने भी पसीने से तर-बतर होते नजर आए।

ऐसा रहा गुरूवार का तापमान-कुछ दिन पहले हुई प्री-मानसून की फुहारों ने तापमान को गिराकर लोगों को भीषण गर्मी से थोड़ी राहत जरूर दी थी, लेकिन वह राहत ज्यादा दिन नहीं टिकी और अब पारा एक बार फिर तेजी से ऊपर चढ़ने लगा है। गुरुवार को अधिकतम तापमान 38.1 तो वहीं न्यूनतम तापमान 26.1 दर्ज किया गया। मौसम वैज्ञानिकों का कहना है कि मानसून के आगमन से ठीक पहले इस तरह की उमस और तापमान में बढ़ोतरी एक सामान्य प्रक्रिया है। जबलपुर ही नहीं, बल्कि देश के कई अन्य प्रदेश भी इस समय इसी तरह के मानसूनी इंतजार और उमस से जूझ रहे हैं। उम्मीद है कि कुछ ही दिनों में मानसूनी बादल जबलपुर को तरबतर कर मौसम को सुहाना बना देंगे।

परीक्षाओं में हिंदी संस्करण को मान्यता मिलने का निर्णय स्वागत योग्य

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। माध्यमिक शिक्षा मंडल मप्र द्वारा आयोजित डी.एल.एड. मुख्य परीक्षाओं में हिंदी एवं अंग्रेजी प्रश्नपत्रों के बीच किसी प्रकार की विसंगति या मतभेद होने की स्थिति में हिंदी संस्करण को अंतिम एवं मान्य मानने के निर्णय का शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास ने स्वागत किया है। नई दिल्ली के राष्ट्रीय सह संयोजक ओम शर्मा ने इस निर्णय को भारतीय भाषाओं, विशेषकर हिंदी के सम्मान और स्वाभिमान की दिशा में एक ऐतिहासिक एवं सकारात्मक कदम बताया। उन्होंने कहा कि लंबे समय से विभिन्न प्रतियोगी एवं शैक्षणिक परीक्षाओं में अंग्रेजी संस्करण को ही अंतिम मान्यता प्राप्त होने के कारण हिंदी माध्यम के विद्यार्थियों को अनेक कठिनाइयों का सामना करना पड़ता था। नवीन निर्णय से विद्यार्थियों के हितों की रक्षा होगी तथा मातृभाषा आधारित शिक्षा व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ता मिलेगी। उन्होंने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव एवं स्कूल शिक्षा मंत्री उदय प्रताप सिंह के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह निर्णय राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 की भावना के अनुरूप है, जिसमें मातृभाषा और भारतीय भाषाओं में शिक्षा को विशेष महत्व दिया गया है।

एक जुलाई से सभी स्कूलों को खोलने की मांग

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। मप्र में सभी शासकीय व अशासकीय स्कूलों को ग्रीष्म अवकाश के बाद 1 जुलाई को खोलने के संबंध में ग्राम समृद्धि के सम्पादक डॉ संदीप नारद ने मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री, स्कूल शिक्षा मंत्री व अन्य संबंधित अधिकारियों को पत्र लिखकर मांग की है। उनके अनुसार लगभग 25 वर्ष पहले तक सभी शासकीय और अशासकीय स्कूलों की वार्षिक परीक्षाएं मार्च-अप्रैल में सम्पन्न होकर तथा एक नियत तिथि 30 अप्रैल को रिजल्ट घोषित कर दिया जाता था। तत्पश्चात 1 मई से 30 जून तक ग्रीष्म अवकाश घोषित किया जाता था। अब कोई स्कूल 7 जून से तो कोई स्कूल 10 जून से खुल रहा है। यदि किसी घर में 3 बच्चे हैं और उनके स्कूल अलग अलग तिथि को खुल रहे हैं तो सारा परिवार अव्यवस्थित हो जाता है और ग्रीष्म अवकाश का सही सही उपयोग नही कर पाता है।

रानीताल आगा चौक में होगा ताजियों व सवारियों का इस्तकबाल

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। मोहर्रम की 10वीं तारीख के मौके पर 26 जून को रानीताल आगा चौक स्थित मस्जिद के बाजू में मप्र युवा रचनात्मक सद्भावना संगठन एवं जिला शांति समिति के तत्वावधान में ताजियों, अलमों एवं सवारियों के शानदार इस्तकबाल, सबील एवं लंगर का एहतमाम किया जाएगा। इस अवसर पर वरिष्ठ समाजसेवी मोहम्मद जावेद आशिक राइन, मोहम्मद शेख नसीर भाई, मोहम्मद इम्तियाज (गुड्डू) तथा सर्वधर्म कौमी एकता मंच के संचालक एवं मप्र युवा रचनात्मक सद्भावना संगठन के प्रदेश अध्यक्ष मनोज नामदेव अपने साथियों के साथ दूर-दराज़ से आने वाले अकीदतमंदों, मेहमानों एवं मोहर्रम की ताजियों और सवारियों का खैरमकदम करेंगे। कार्यक्रम में संरक्षक एवं विशिष्ट अतिथि के रूप में पूर्व कैबिनेट मंत्री एवं विधायक लखन घनघोरिया, दिनेश यादव, पार्षद संतोष दुबे आदि शरीक होंगे।

सरकारी सम्पत्ति को हानि पहुंचाने पर मामला दर्ज

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। रांझी थाने में देर रात 40 वर्षीय नंदू चौधरी निवासी पुरानी बस्ती ,झंडा चौक, रांझी ने रिपोर्ट दर्ज कराते हुए बताया की नेमचंद पान भंडार के बाजू में सरकारी बोरिंग मशीन लगी है। शुभम ठाकुर, लखन यादव एवं कटोरी बाई मिलकर शासकीय सम्पति नल बोरिंग के बिजली बोर्ड का तोड़फोड कर रहे थे तो उसने एवं मोहल्ले वालों ने तोड़फोड़ करने से मना किये जिस बात पर वह सभी भड़क गए और शुभम ठाकुर, लखन यादव उसके साथ गाली गलौज कर जान से मारने की धमकी देते हुये गाये । शासकीय सम्पत्ति को तोडफोड़ कर क्षतिग्रस्त करने से लगभग 5 से 7 हजार रूपये का नुकसान हुआ है। रिपोर्ट पर पुलिस ने बीएनएस धारा 296(बी), 351(2), 3(5) तथा 3 सार्वजनिक सम्पत्ति नुकसान निवारण अधिनियम के तहत कार्यवाही की।

मीसाबंदियों का सम्मान कर भाजपा ने मनाया आपातकाल दिवस

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

संविधान हत्या दिवस' के रूप में कलचरल स्ट्रीट सभागार में आयोजित संगोष्ठी को भाजपा के प्रदेश प्रभारी डॉ. महेंद्र सिंह ने संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने आपातकाल की विभीषिका को याद करते हुए लोकतंत्र सेनानियों एवं मीसाबंदियों को शाल, श्रीफल और स्मृति-चिह्न भेंटकर सम्मानित किया। कार्यक्रम स्थल पर उन्होंने आपातकाल के काले अध्याय को दर्शाती एक भव्य चित्र प्रदर्शनी का उद्घाटन भी किया, जिसमें पार्टी के वरिष्ठ पदाधिकारी व जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे। संगोष्ठी को संबोधित करते हुए डॉ. महेंद्र सिंह ने कहा कि 25 जून 1975 को नेहरू-गांधी परिवार ने अपनी सत्ता बचाने के लिए देश पर आपातकाल थोपा था, जो भारतीय लोकतंत्र पर सबसे बड़ा हमला था। इलाहाबाद उच्च न्यायालय द्वारा तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के चुनाव को अवैध घोषित किए जाने के बाद, लोकतांत्रिक संस्थाओं को कुचलते हुए यह तानाशाही पूर्ण कदम उठाया गया। इस अवसर पर राजसभा सांसद सुमित्रा वाल्मिकी, सांसद आशीष दुबे, जेडीए अध्यक्ष संदीप जैन, नगर अध्यक्ष रत्नेश सोनकर आदि उपस्थित रहे।

एमपी अंडर-23 कुश्ती टीम के लिए महामुकाबला

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। राष्ट्रीय अंडर-23 पुरुष एवं महिला कुश्ती प्रतियोगिता के लिए मप्र टीम का गठन आगामी 28 जून को किया जाएगा। यह चयन ट्रायल उज्जैन के रामघाट मार्ग स्थित प्रसिद्ध अच्युतानंद गुरु अखाड़ा में आयोजित होगा। इस ट्रायल के माध्यम से प्रदेश भर के सर्वश्रेष्ठ पहलवानों को राष्ट्रीय मंच पर राज्य का प्रतिनिधित्व करने का अवसर मिलेगा। चयन प्रक्रिया में भाग लेने के लिए पहलवानों की आयु सीमा 19 से 23 वर्ष के बीच निर्धारित की गई है।

ताजिया देखने गए युवक के साथ मारपीट

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। गोरखपुर थाने में 26 वर्षीय दीपक मरकाम निवासी नरसिंह मंदिर ,मदनमहल ने रिपोर्ट दर्ज कराते हुए बताया की वह देर रात ताजिये देखने के लिये निकला था तभी शारदा टाकीज गोरखपुर के पास दुर्गेश झारिया अपने साथी अन्नू चक्रवर्ती के साथ आकर उससे शराब पीने के लिये रूपये मांगने लगा, उसने पैसे देने मना करने किया तो दुर्गेश झारिया गाली गलौज करने लगा, गालियां देने से मना करने पर अन्नू चक्रवर्ती ने उसे पकड़ लिया तथा दुर्गेश झारिया ने मारपीट करते हुये घायल करदिया और धमकी देते हुये भाग गये।

जीवन जीने की कला सिखाता है जैन दर्शन

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

धर्म केवल मंदिरों में पूजा-अर्चना करने या उपवास रख लेने तक सीमित नहीं है, बल्कि अपने भीतर के विकारों को शांत कर हर जीव के प्रति करुणा का भाव जगाना ही सच्चा धर्म है। उक्त आशय प्रखर वक्ता और जैन दर्शन के मनीषी पूज्य मुनि श्री प्रमाण सागरजी महाराज ने व्यक्त किए। मुनि श्री ने अपने ओजस्वी प्रवचनों में इस बात पर विशेष बल दिया कि आज का मानव भौतिक चकाचौंध में अपनी आत्मिक शांति खोता जा रहा है। उन्होंने कहा कि जैन धर्म की चर्या और उसके सिद्धांत पूरी तरह वैज्ञानिक और व्यावहारिक हैं। मुनि श्री प्रमाण सागर ने दिगंबर संतों की चर्या का उदाहरण देते हुए समझाया कि जैन साधु अपने जीवन में अहिंसा का पालन कितनी सूक्ष्मता से करते हैं। उन्होंने संतों के हाथ में रहने वाली पिच्छी के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि यह केवल एक धार्मिक उपकरण नहीं, बल्कि संपूर्ण जगत के लिए करुणा का संदेश है। मुनि श्री प्रमाण सागरजी महाराज अपने प्रसिद्ध कार्यक्रम शंका समाधान के माध्यम से देश-विदेश के लाखों युवाओं और जिज्ञासुओं के जीवन की उलझनों को सुलझा रहे हैं। मुनि श्री का यह उद्बोधन आज के तनावग्रस्त समाज को शांति, अहिंसा और भाईचारे की राह दिखाने वाला एक सच्चा मार्गदर्शक है।

सहकारिता से किसानों को जोड़ने विशेष सदस्यता अभियान

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। जिला सहकारी केंद्रीय बैंक मर्यादित की शाखा शाहपुरा द्वारा किसान भाईयों को सहकारी बैंक एवं समितियों से जोड़ने के उद्देश्य से विशेष सदस्यता अभियान 30 जून तक संचालित किया जा रहा है। अभियान के माध्यम से किसानों को शासन की विभिन्न योजनाओं का लाभ दिलाने तथा उनकी आय में वृद्धि करने का प्रयास किया जा रहा है। शाखा प्रबंधक विनोद कुमार पटेल ने बताया कि सहकारी समिति के सदस्य बनने वाले किसानों को शासन की शून्य प्रतिशत ब्याज दर योजना के अंतर्गत तीन लाख रुपये तक का कृषि ऋण उपलब्ध कराया जा सकता है। इसके अतिरिक्त सदस्य किसान खेती के लिए आवश्यक नगद राशि एवं खाद जैसी सुविधाओं का लाभ भी प्राप्त कर सकेंगे। अधिक जानकारी के लिए किसान भाई शाहपुरा शाखा अथवा बसेड़ी, शाहपुरा, पिपरियाकला, घूंसौर, बेलखेड़ा, मनकेड़ी एवं सहजपुर सहकारी समितियों में संपर्क कर सकते हैं। जिला सहकारी केंद्रीय बैंक जबलपुर ने क्षेत्र के अधिक से अधिक किसानों से इस अभियान में शामिल होकर सहकारिता आंदोलन को मजबूत बनाने की अपील की है।

स्वास्थ्य घोटालों पर सपा का हल्लाबोल

मालवीय चौक पर फूटा भ्रष्टाचार का मटका, एफआईआर की मांग

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

स्वास्थ्य विभाग में व्याप्त कथित भ्रष्टाचार के खिलाफ समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ताओं ने जबलपुर के व्यस्ततम मालवीय चौक पर प्रदर्शन करते हुए विभाग के अधिकारी डॉ. आदर्श विश्नोई पर गंभीर वित्तीय अनियमितताओं के आरोप लहाए और प्रदर्शन स्थल पर भ्रष्टाचार का प्रतीकात्मक घड़ा फोड़कर अपना कड़ा विरोध दर्ज कराया। प्रदर्शनकारियों ने आरोप लगाया कि डॉ. आदर्श विश्नोई के कार्यकाल के दौरान वैक्सीन वितरण, विभागीय भर्तियों और सरकारी जमीन से जुड़े कई बड़े घोटाले हुए हैं। इसके अलावा, उक्त अधिकारी पर शासन को बिना सूचना दिए करीब 12 से 14 बार विदेश यात्राएं करने और बड़े पैमाने पर बेनामी संपत्ति अर्जित करने के भी गंभीर आरोप लगाए गए हैं। पदाधिकारियों ने बताया कि इस पूरे मामले को लेकर पूर्व में जबलपुर कमिश्नर, कलेक्टर और सीएमएचओ को पुख्ता दस्तावेजों व प्रतिवेदन के साथ लिखित शिकायत सौंपी जा चुकी है। इसके बावजूद आज दिनांक तक संबंधित अधिकारी से किसी प्रकार की कोई पूछताछ या जांच शुरू नहीं की गई है, जिससे प्रशासन की कार्यप्रणाली भी संदेह के घेरे में है। इस विरोध प्रदर्शन में दिनेश चंद्र यादव, कमलेश पटेल, आशीष मिश्रा, बेनी प्रसाद उड़िया और राम बालक पटेल शामिल हुए।

शराब दुकान पर लगा 10 हजार का स्पॉट फाइन

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

शहर को साफ-सुथरा और सुंदर बनाए रखने के उद्देश्य से नगर निगम की टीम ने संयुक्त कार्रवाई की। संभाग क्रमांक 14 विजय नगर एवं संभाग क्रमांक 06 क्षेत्रीय बस स्टैंड के अंतर्गत आने वाले प्रमुख क्षेत्रों बलदेवबाग, दमोहनाका और चांडाल भाटा में संचालित देशी व अंग्रेजी शराब दुकानों के आस-पास सघन निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान शराब दुकानों के पास भारी मात्रा में कचरा और गंदगी पाए जाने पर नगर निगम ने जनस्वास्थ्य से खिलवाड़ करने वालों के खिलाफ तत्काल कार्यवाही करते हुए 10 हजार रूपये का स्पॉट फाइन किया गया।

एसपी का कड़ा संदेश, त्यौहार में फैलाई अंशाति तो खैर नहीं

मोहर्रम से पहले संवेदनशील इलाकों से निकाला गया फ्लैग मार्च

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

मोहर्रम पर्व के मद्देनजर गुरुवार पुलिस एवं रैपिड एक्शन फोर्स (आरएएफ) द्वारा संयुक्त रूप से गुरूवार को फ्लैग मार्च निकाला गया। इस मार्च का उद्देश्य पर्व के दौरान शांति, सुरक्षा और सांप्रदायिक सौहार्द बनाए रखने का संदेश देना था। पुलिस प्रशासन ने अराजक तत्वों एवं अशांति फैलाने वालों के विरुद्ध सख्त कार्यवाही की चेतावनी भी दी। थाना ओमती, बेलबाग, कोतवाली, हनुमानताल, गोहलपुर, के संवेदनशील क्षेत्र में फ्लैग मार्च किया गया। फ्लैग मार्च में समस्त नगर पुलिस अधीक्षक गोहलपुर मधुर पटेरिया, नगर पुलिस अधीक्षक कोतवाली रीतेश कुमार शिव, नगर पुलिस अधीक्षक ओमती सोनू कुर्मी सहित थाना प्रभारी मौजूद रहे।

इन इलाकों से निकला फ्लैग मार्च- फ्लैग मार्च पुलिस कन्ट्रोलरूम से प्रारम्भ होकर घंटाघर, बडी ओमती चौक, छोटी ओमती, बेलबाग तिराहा, लकडगंज, फूटाताल, सराफा चौक, कोतवाली थाने के सामने से राजा रसगुल्ला, मिलौनीगंज, मछली मार्केट, बूढी खेरमाई, चारखम्बा, बहोराबाग, रद्दी चौक से गोहलपुर तिराहे पर समाप्त हुआ। पुलिस कप्तान सम्पत उपाध्याय ने कहा कि निकाले गये फ्लैग मार्च का उद्देश्य आम नागरिक अपने आपको सुरक्षित महसूस करें तथा मोहर्रम पर्व पर शांति एवं कानून व्यवस्था बनाये रखना है। उन्होंने नागरिकों से मोहर्रम पर्व को आपसी भाईचारे, शांति और सद्भाव के साथ मनाने की अपील की। साथ ही, किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तत्काल पुलिस को देने का आग्रह किया गया।

तालाब के पास से नगर निगम ने हटाया अवैध कब्जा

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

शहर के जलस्त्रोतों को संरक्षित करने और अवैध कब्जों से मुक्त कराने के अभियान के तहत नगर निगम द्वारा लगातार कार्यवाही की जा रही है। निगमायुक्त रामप्रकाश अहिरवार के निर्देशानुसार, चेरीताल वार्ड के अंतर्गत आने वाली राजीव नगर बस्ती में एक तालाब पर किए गए अवैध निर्माण को पूरी तरह से हटा दिया गया है। अतिक्रमण हटाने से अब इस क्षेत्र के सुंदरीकरण और विकास कार्यों को गति मिलेगी, जिससे स्थानीय निवासियों को एक स्वच्छ और सुंदर वातावरण मिल सकेगा। कार्रवाई के दौरान मौके पर सुरक्षा और व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस बल और स्वास्थ्य विभाग की टीम मौजूद रही।

गणितीय ज्ञान, सफलता की कुंजी

गणित मानव जीवन का एक अत्यंत महत्वपूर्ण और उपयोगी विषय है, जिसे केवल संख्याओं और सूत्रों का अध्ययन नहीं माना जा सकता, बल्कि यह सोचने, समझने और समस्याओं को हल करने की एक तार्किक कला भी है। हमारे दैनिक जीवन में गणित हर जगह उपयोग होता है, जैसे समय देखना, खरीदारी करना, हिसाब रखना, दूरी मापना और बैंकिंग कार्य करना। गणित के बिना आधुनिक जीवन की कल्पना करना कठिन है। इसी कारण इसे विज्ञान की भाषा कहा जाता है, क्योंकि विज्ञान और तकनीक की सभी शाखाएँ गणित पर आधारित हैं। यह हमें तर्कशक्ति, विश्लेषण क्षमता और सही निर्णय लेने की क्षमता प्रदान करता है।

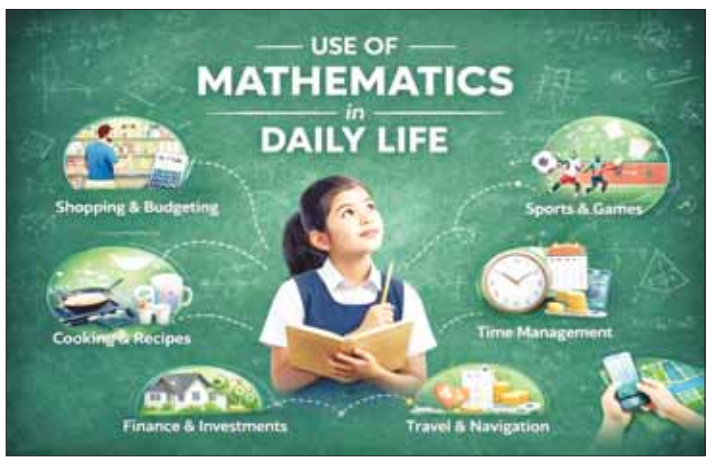

दैनिक जीवन में गणित का महत्व

गणित का उपयोग हमारे दैनिक जीवन में निरंतर होता है। जब हम बाजार से सामान खरीदते हैं, बिल बनाते हैं, छूट की गणना करते हैं या यात्रा का समय और दूरी तय करते हैं, तब गणित ही हमारी सहायता करता है। बैंकिंग, मोबाइल रिचार्ज, ऑनलाइन लेन-देन और माप-तौल जैसे कार्य भी गणित के बिना संभव नहीं हैं। यह हमारे जीवन को व्यवस्थित और सरल बनाता है।

प्राचीन भारत में गणित का योगदान

प्राचीन भारत में गणित का अत्यंत गौरवशाली इतिहास रहा है। महान गणितज्ञ आर्यभट्ट ने शून्य (0) और दशमलव प्रणाली की अवधारणा देकर पूरी दुनिया की गणना प्रणाली को बदल दिया। इसी तरह ब्रह्मगुप्त ने गणित के कई महत्वपूर्ण नियमों और सिद्धांतों का विकास किया। भास्कराचार्य जैसे विद्वानों ने भी गणित को नई ऊँचाइयों तक पहुँचाया। इन महान वैज्ञानिकों का योगदान आज भी विश्व भर में उपयोग किया जाता है।

आधुनिक युग में गणित का महत्व

आज के डिजिटल युग में गणित का महत्व और भी अधिक बढ़ गया है। कंप्यूटर, मोबाइल, इंटरनेट, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, डेटा साइंस, इंजीनियरिंग और अंतरिक्ष अनुसंधान जैसे सभी क्षेत्रों की नींव गणित पर आधारित है। बिना गणित के आधुनिक तकनीक और विज्ञान की कल्पना करना असंभव है। यह आधुनिक विकास की रीढ़ है।

विद्यार्थियों के लिए गणित का महत्व

गणित विद्यार्थियों के मानसिक विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। यह एकाग्रता, धैर्य, अनुशासन और तार्किक सोच को बढ़ाता है। नियमित अभ्यास से स्मरण शक्ति और समस्या समाधान क्षमता मजबूत होती है। जो विद्यार्थी इसे समझकर पढ़ते हैं, उनके लिए यह एक रोचक और सरल विषय बन जाता है।

मोहित अग्रवाल
शिक्षक
आदर्श चिल्ड्रन एकेडमी
गोविंदगंज जबलपुर

मेरे अनुभवः बचपन की नींव संवारते 15 साल

शिक्षण केवल आजीविका का साधन नहीं, बल्कि राष्ट्र निर्माण का सशक्त संकल्प है। बाबू मनमोहन दास हितकारिणी चिल्ड्रन्स एकेडमी, दीक्षितपुरा में पिछले 15 वर्षों से प्री-प्राइमरी शिक्षिका के रूप में कार्य करते हुए मैंने यह गहराई से अनुभव किया है कि छोटे बच्चों का निर्माण वास्तव में गीली मिट्टी से घड़ा गढ़ने जैसा होता है। इस यात्रा ने मुझे विविध सामाजिक और आर्थिक पृष्ठभूमि से आने वाले बच्चों के जीवन को समझने का अवसर दिया, जिसने न केवल उन्हें संवारा, बल्कि मुझे भी एक नया दृष्टिकोण प्रदान किया।

पहली पाठशाला और शिक्षक की भूमिका

प्री-प्राइमरी शिक्षा बच्चों के जीवन की पहली औपचारिक सीढ़ी होती है। यह वह समय होता है जब बच्चा घर की सुरक्षित दुनिया से बाहर निकलकर नए वातावरण में प्रवेश करता है। इस नाजुक अवस्था में एक शिक्षक की भूमिका केवल अक्षर ज्ञान तक सीमित नहीं होती, बल्कि बच्चे के संपूर्ण व्यक्तित्व निर्माण की नींव रखने की होती है। शिक्षण का उद्देश्य केवल मस्तिष्क को भरना नहीं, बल्कि हृदय को स्पर्श करना और हर बच्चे की विशिष्ट प्रतिभा को पहचानना है। बच्चों की स्वाभाविक जिज्ञासा को बनाए रखने के लिए कक्षा का माहौल आनंददायक होना आवश्यक है। इसलिए मैंने सदैव रटने की पद्धति के स्थान पर खेल-आधारित और गतिविधि आधारित शिक्षण को प्राथमिकता दी। कहानियाँ, गीत, और रंगों के माध्यम से सीखना बच्चों की रचनात्मकता को प्रोत्साहित करता है।

विविधता और व्यक्तिगत दृष्टिकोण

मेरी कक्षा विविधताओं से परिपूर्ण रही है। हर बच्चा अपनी गति, क्षमता और समझ के साथ आता है। समावेशी शिक्षा के सिद्धांत को अपनाते हुए मेरा निरंतर प्रयास रहा है कि प्रत्येक बच्चे की विशेषताओं को पहचानकर उसके अनुसार शिक्षण किया जाए। कुछ बच्चे तेजी से सीखते हैं, तो कुछ को अधिक समय और स्नेह की आवश्यकता होती है। एक सच्चे शिक्षक की पहचान यही है कि वह किसी भी बच्चे को उपेक्षित महसूस न होने दे।

चुनौतियाँ और समाधान

शुरुआती दिनों में छोटे बच्चों को संभालना एक बड़ी चुनौती थी विशेषकर उन बच्चों को जो पहली बार स्कूल आते हैं और रोते हैं। समय के साथ मैंने सीखा कि बच्चों को अनुशासन में लाने के लिए कठोरता नहीं, बल्कि प्रेम, धैर्य और अपनत्व सबसे प्रभावी माध्यम हैं। आज के समय में अभिभावकों की अपेक्षाएँ भी पहले की तुलना में अधिक बढ़ गई हैं। इसे संतुलित करने के लिए नियमित पैरेंट-टीचर मीटिंग्स और खुले संवाद को अपनाया गया, जिससे घर और स्कूल मिलकर बच्चे के विकास में सहयोग कर सकें।

जीवन की वास्तविक कमाई

इन 15 वर्षों ने केवल बच्चों को नहीं, बल्कि मेरे स्वयं के व्यक्तित्व को भी समृद्ध किया है। बच्चों की मासूम मुस्कान और उनका स्नेह हर दिन नई ऊर्जा देता है।

जब मेरे पढ़ाए हुए विद्यार्थी आगे बढ़कर उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हैं और समाज में सम्मान पाते हैं, तो वह मेरे लिए गर्व का क्षण होता है। अभिभावकों और पूर्व छात्रों से मिलने वाला स्नेह ही इस यात्रा की सबसे बड़ी कमाई है। आज भले ही शिक्षा डिजिटल माध्यमों से विकसित हो रही हो, लेकिन एक छोटे बच्चे के भावनात्मक और मानसिक विकास के लिए शिक्षक का स्नेहपूर्ण मार्गदर्शन हमेशा आवश्यक रहेगा। बचपन की मजबूत नींव ही एक उज्ज्वल भविष्य का निर्माण करती है।

शिवानी दीक्षित
शिक्षक
बाबू मनमोहनदास हितकारिणी चिल्ड्रन्स एकेडमी
दीक्षितपुरा, जबलपुर

नियमित अभ्यास से होंगे गणित में दक्ष

गणित एक ऐसा विषय है जिसे केवल पढ़कर नहीं समझा जा सकता, बल्कि इसे लगातार अभ्यास करके ही सीखा जा सकता है। कई विद्यार्थी गणित को कठिन समझते हैं, लेकिन वास्तव में यह उतना कठिन नहीं है जितना लगता है। सही तरीके और नियमित अभ्यास से गणित सबसे सरल और रोचक विषय बन सकता है। इसलिए कहा जाता है कि नियमित अभ्यास ही गणित की कुंजी है।

गणित में अभ्यास का महत्व

गणित में सूत्रों, नियमों और विधियों को याद करने के साथ-साथ उन्हें बार-बार हल करना बहुत जरूरी होता है। जब विद्यार्थी नियमित रूप से प्रश्न हल करता है, तो उसकी सोचने और समझने की क्षमता बढ़ती है। अभ्यास से कठिन प्रश्न भी सरल लगने लगते हैं और आत्मविश्वास बढ़ता है। बिना अभ्यास के गणित अधूरा है, क्योंकि इसे केवल पढ़ने से नहीं बल्कि करने से समझा जाता है।

अभ्यास से बढ़ती समझ और गति- लगातार अभ्यास करने से गणना करने की गति तेज होती है और गलतियाँ कम होती हैं। जब विद्यार्थी एक ही प्रकार के प्रश्न कई बार हल करता है, तो उसका दिमाग उस प्रक्रिया को अच्छी तरह समझ लेता है। इससे परीक्षा में समय की बचत होती है और अच्छे अंक प्राप्त करने में मदद मिलती है। अभ्यास से मानसिक क्षमता और तार्किक सोच भी विकसित होती है।

दैनिक अभ्यास की आदत

गणित में सफलता पाने के लिए रोज थोड़ा-थोड़ा अभ्यास करना बहुत जरूरी है। यदि विद्यार्थी रोज कुछ प्रश्न हल करता है, तो धीरे-धीरे उसकी पकड़ मजबूत हो जाती है। कठिन प्रश्नों से डरने के बजाय उनका अभ्यास करना चाहिए, क्योंकि अभ्यास ही डर को दूर करता है। नियमित अभ्यास से गणित एक आसान और पसंदीदा विषय बन सकता है।

अभ्यास और आत्मविश्वास

जब विद्यार्थी अधिक अभ्यास करता है, तो उसका आत्मविश्वास भी बढ़ता है। वह किसी भी प्रश्न को हल करने से डरता नहीं है और अपने उत्तर पर भरोसा करता है। यह आत्मविश्वास परीक्षा में सफलता दिलाने में बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। अभ्यास से विद्यार्थी अपनी कमजोरियों को भी पहचान सकता है और उन्हें सुधार सकता है। गणित में सफलता का सबसे बड़ा रहस्य अभ्यास ही है। यह न केवल ज्ञान बढ़ाता है, बल्कि सोचने, समझने और हल करने की क्षमता को भी मजबूत करता है। इसलिए हर विद्यार्थी को चाहिए कि वह नियमित अभ्यास करे, क्योंकि वास्तव में अभ्यास ही गणित की कुंजी है।

सिर्फ दो भाजक, लेकिन अनगिनत रहस्य, आखिर अभाज्य संख्याएँ इतनी खास क्यों हैं?

2, 3, 5, 7, 11, 13 ये साधारण दिखने वाली संख्याएँ गणित की सबसे अनोखी और रहस्यमयी संख्याओं में गिनी जाती हैं। इन्हें अभाज्य संख्याएँ यानि प्राइम्स नंबर्स कहा जाता है। इनकी विशेषता यह है कि इन्हें केवल 1 और स्वयं उसी संख्या से ही पूरी तरह विभाजित किया जा सकता है। यही सरल-सा नियम इन्हें इतना महत्वपूर्ण बना देता है कि आधुनिक कंप्यूटर, इंटरनेट सुरक्षा, बैंकिंग और वैज्ञानिक अनुसंधान तक इन पर निर्भर हैं। आइए जानते हैं कि अभाज्य संख्याएँ गणित की दुनिया में इतनी खास क्यों मानी जाती हैं।

क्या होती है अभाज्य संख्या ?

ऐसी प्राकृतिक संख्या, जो 1 से बड़ी हो और जिसे केवल 1 तथा स्वयं उसी संख्या से ही विभाजित किया जा सके, अभाज्य संख्या कहलाती है। उदाहरण के लिए 2, 3, 5, 7, 11 और 13 अभाज्य संख्याएँ हैं। जबकि 4, 6, 8, 9 और 10 अभाज्य नहीं हैं क्योंकि इनके दो से अधिक भाजक होते हैं।

2 है सबसे अनोखी अभाज्य संख्या

आपको पता है कि 2 एकमात्र ऐसी अभाज्य संख्या है जो सम (ईवन) है। इसके बाद आने वाली सभी अभाज्य संख्याएँ विषम (ऑड) होती हैं। यही कारण है कि 2 का गणित में विशेष स्थान है।

गणित की बिल्डिंग ब्लॉक

हर 1 से बड़ी पूर्ण संख्या को अभाज्य संख्याओं के गुणनफल के रूप में लिखा जा सकता है। जैसे किसी इमारत की नींव ईंटें होती हैं, वैसे ही संख्याओं की दुनिया की आधारशिला अभाज्य संख्याएँ हैं। इसी कारण इन्हें गणित का बिल्डिंग ब्लॉक कहा जाता है।

इंटरनेट सुरक्षा में सबसे बड़ी भूमिका

जब आप ऑनलाइन बैंकिंग करते हैं, डिजिटल भुगतान करते हैं या किसी वेबसाइट पर सुरक्षित लॉगिन करते हैं, तब आपके डेटा की सुरक्षा के लिए ऐसे एन्क्रिप्शन का उपयोग किया जाता है जो बड़ी अभाज्य संख्याओं पर आधारित होता है। यही कारण है कि अभाज्य संख्याएँ साइबर सुरक्षा की रीढ़ मानी जाती हैं।

क्या अभाज्य संख्याएँ कभी खत्म होंगी?

नहीं। दो हजार वर्ष से भी पहले महान यूनानी गणितज्ञ यूक्लिड ने सिद्ध किया था कि अभाज्य संख्याएँ अनंत हैं। अर्थात, चाहे जितनी बड़ी संख्या तक पहुँच जाएँ, उसके आगे भी कोई न कोई नई अभाज्य संख्या अवश्य मिलेगी। सबसे बड़ी अभाज्य संख्या की खोज जारी है।

लाल-हरी बत्ती से मंजिल तक, हर सफर में साथ चलता है गणित

क्या आपने कभी सोचा है कि ट्रैफिक सिग्नल कब लाल से हरा होता है, मोबाइल में जीपीएस आपको सही रास्ता कैसे बताता है, या ऑनलाइन कैब कुछ ही मिनटों में आपके दरवाजे तक कैसे पहुँच जाती है? इन सभी सुविधाओं के पीछे एक अदृश्य शक्ति काम करती है और वह है गणित। गणित केवल कक्षा में पढ़ाया जाने वाला विषय नहीं, बल्कि हमारी रोजमर्रा की जिंदगी को व्यवस्थित, सुरक्षित और आसान बनाने वाला विज्ञान है। आइए जानते हैं कि ट्रैफिक सिग्नल से लेकर जीपीएस तक गणित किस प्रकार हर पल हमारी मदद करता है।

जीपीएस आपकी स्थिति कैसे पहचानता है?

मोबाइल का जीपीएस पृथ्वी की परिक्रमा कर रहे कई उपग्रहों से संकेत प्राप्त करता है। अलग-अलग उपग्रहों से सिग्नल आने में लगने वाले समय का गणितीय विश्लेषण करके आपकी सटीक स्थिति का पता लगाया जाता है। इसी आधार पर यह सबसे छोटा, तेज़ और सुविधाजनक मार्ग सुझाता है।

ट्रैफिक सिग्नल का समय गणित तय करता है

व्यस्त चौराहों पर ट्रैफिक सिग्नल का समय अनुमान से नहीं, बल्कि गणितीय गणनाओं के आधार पर तय किया जाता है। किसी सड़क पर वाहनों की संख्या, उनकी गति और विभिन्न दिशाओं से आने वाले ट्रैफिक का विश्लेषण करके यह निर्धारित किया जाता है कि किस दिशा में कितनी देर तक हरी बत्ती रहेगी। इससे जाम कम होता है और यातायात सुचारु रहता है।

ऑनलाइन मैप सबसे बेहतर रास्ता कैसे चुनता है?

मैप एप्लिकेशन केवल दूरी नहीं देखते, बल्कि सड़क की स्थिति, ट्रैफिक, यात्रा का समय और वैकल्पिक मार्गों का भी गणितीय विश्लेषण करते हैं। लाखों आँकड़ों की गणना के बाद वे ऐसा रास्ता सुझाते हैं जिससे समय और ईंधन दोनों की बचत हो।

कैब और डिलीवरी सेवाओं का आधार भी गणित

ऑनलाइन टैक्सी और फूड डिलीवरी सेवाएँ दूरी, समय, ट्रैफिक और चालक की उपलब्धता जैसे अनेक कारकों की गणना करके सबसे उपयुक्त वाहन का चयन करती हैं। इसी कारण कुछ ही मिनटों में सेवा उपलब्ध हो जाती है।

भविष्य के स्मार्ट शहरों की नींव

आने वाले समय में चालक रहित वाहन, स्मार्ट सड़कें और कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित यातायात व्यवस्था गणित पर और अधिक निर्भर होंगी। सुरक्षित, तेज़ और पर्यावरण-अनुकूल परिवहन प्रणाली का आधार भी गणित ही बनेगा।

स्मार्ट ट्रैफिक सिस्टम भी गणित पर आधारित

आज कई शहरों में स्मार्ट ट्रैफिक सिस्टम लगाए जा रहे हैं। कैमरे और सेंसर वाहनों की संख्या का आकलन करते हैं और गणितीय मॉडल के आधार पर सिग्नल का समय स्वत: बदल देते हैं। इससे अनावश्यक प्रतीक्षा कम होती है और यातायात अधिक व्यवस्थित बनता है।

क्या है गणित सीखने की सही विधि

गणित एक ऐसा विषय है जो जीवन के हर क्षेत्र में उपयोग होता है। कई विद्यार्थी इसे कठिन समझते हैं, लेकिन यदि सही विधि से पढ़ा जाए तो यह सबसे सरल और रोचक विषय बन सकता है। गणित सीखने के लिए केवल रटना नहीं, बल्कि समझना और अभ्यास करना आवश्यक होता है। इसलिए सही विधि अपनाकर गणित को आसानी से सीखा जा सकता है।

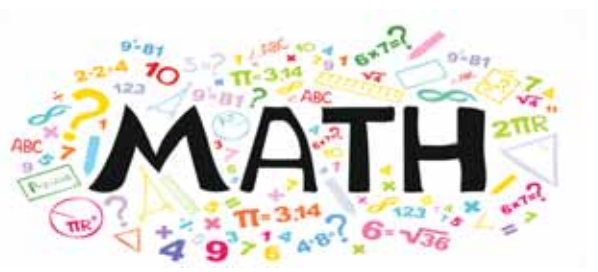

संकल्पना को समझना- गणित सीखने की पहली और सबसे महत्वपूर्ण विधि है अवधारणाओं को अच्छी तरह समझना। जब विद्यार्थी यह समझ लेता है कि कोई सूत्र या नियम क्यों और कैसे काम करता है, तो वह उसे लंबे समय तक याद रख सकता है। बिना समझे रटने से गणित कठिन लगता है और गलतियाँ बढ़ जाती हैं।

नियमित अभ्यास करना- गणित में सफलता का सबसे बड़ा आधार अभ्यास है। जितना अधिक अभ्यास किया जाएगा, उतनी ही अधिक पकड़ मजबूत होगी। सरल प्रश्नों से शुरू करके धीरे-धीरे कठिन प्रश्नों को हल करना चाहिए। नियमित अभ्यास से गति, सटीकता और आत्मविश्वास बढ़ता है।

स्टेप बाय स्टेप हो समाधान- गणित के प्रश्नों को हमेशा चरणबद्ध तरीके से हल करना चाहिए। हर स्टेप को ध्यान से लिखना और समझना जरूरी होता है। इससे न केवल उत्तर सही आता है, बल्कि गलती होने की संभावना भी कम हो जाती है। यह तरीका परीक्षा में समय बचाने में भी मदद करती है।

दैनिक जीवन से जोड़ना- गणित को दैनिक जीवन से जोड़कर पढ़ना बहुत उपयोगी होता है। जैसे खरीदारी, समय, दूरी और बैंकिंग के उदाहरणों से गणित को समझना आसान हो जाता है। इससे विषय अधिक रोचक और व्यावहारिक बन जाता है।

गणित से जुड़े रोचक तथ्य

- 1 न तो अभाज्य संख्या है और न ही संयुक्त संख्या।
- किसी भी संख्या का वर्ग कभी ऋणात्मक नहीं होता।
- 360 डिग्री का वृत्त इसलिए चुना गया क्योंकि यह संख्या 24 अलग-अलग संख्याओं से विभाजित हो जाती है।
- 7 को दुनिया की सबसे लोकप्रिय संख्याओं में से मानी जाती है।
- 1001 को 7, 11 और 13 तीनों से पूरी तरह विभाजित किया जा सकता है।
- किसी भी संख्या को 1 से गुणा करने पर उसका मान नहीं बदलता।
- किसी भी संख्या को स्वयं से (शून्य को छोड़कर) भाग देने पर उत्तर 1 आता है।
- 12345679 एक अनोखी संख्या है। इसे 9, 18, 27, 36... से गुणा करने पर उत्तर में एक ही अंक बार-बार आता है।
- किसी त्रिभुज के तीनों कोणों का योग हमेशा 180 डिग्री होता है।
- किसी चतुर्भुज के चारों कोणों का योग 360 डिग्री होता है।
- किसी वृत्त का सबसे बड़ा जीवा उसका व्यास होता है।
- किसी संख्या के अंत में शून्य जोड़ने से उसका मान 10 गुना हो जाता है।

बांधवगढ़ के चँसुरा में बाघ ने किया अधेड़ का शिकार...कुछ ही घंटों बाद बाघ का किया रेस्क्यू

उमरिया (स्वतंत्रमत)

बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व के पनपथा बफर क्षेत्र झलवार में दो इंसानी शिकार के बाद बाघ ने 05 किमी दूर चँसुरा में गुरुवार 25 जून की सुबह फिर एक अधेड़ पर हमला कर दिया। जानकारी अनुसार मृतक का नाम अन्नू पिता काशी रजक उम्र 58 वर्ष को मौत के घाट उतार दिया है। दरअसल बांधवगढ टाइगर रिजर्व के पनपथा वन परिक्षेत्र के चँसुरा गांव में महुआ से जुड़े फल गोही लेने मृतक अन्नू रजक गांव के दूसरे साथियों के साथ जंगल गए थे,इसी दौरान सुबह सवेरे झाड़ियों में छिपे टाइगर ने अटैक कर दिया,और घटना स्थल से कुछ दूर ले जाकर मौत के घाट उतार दिया। इस बीच इस घटना से परेशान ग्रामीणों ने वन अमले को जानकारी दी,जिसके बाद मौके पर हाथियों आदि के मदद से मृतक को तलाशा गया,और बाद में पीएम आदि की कार्यवाही के लिए अमरपुर अस्पताल ले जाया गया है। आपको बता दे अभी हाल में घटना स्थल से 05 किमी की दूरी पर झलवार में भी टाइगर ने हमला किया था। घटना में दो दिनों के अंदर फूल बाई पति छोटेलाल सिंह और मृतिका के भतीजे कल्याण पिता रामकृपाल सिंह की मौत हुई थी। टाइगर हमलों में इंसानी मौतों के बढ़ते ग्राफ से ग्रामीण चिंतित है,वही

ग्रामीणों में ऐसी हृदय विदारक घटनाओं से दहशत का माहौल भी है।बताया जाता है कि गुरुवार को हुए हमले में मृतक अपने घर से नजदीक ही गोही बीनने गया था, जहाँ टाइगर ने उन्हें निशाना बनाया है।

रेस्क्यू, बाघ को बहेरहा इनक्लोजर में किया शिफ्ट

सुबह चँसुरा निवासी अन्नू रजक की बाघ के हमले में मौत से इलाके में दहशत फैल गई, वहीं वन विभाग ने त्वरित कार्रवाई करते हुए कुछ ही घंटों के भीतर संदिग्ध बाघ को रेस्क्यू कर लिया।जानकारी के अनुसार,घटना के बाद वन विभाग की टीम ने पनपथा बफर परिक्षेत्र की पलझा उत्तर बीट में सघन सर्च ऑपरेशन चलाया। इसी दौरान कक्ष क्र.आरएफ 604 में लगभग 5 वर्ष आयु का नर बाघ चिन्हित किया गया।वन्य प्राणी स्वास्थ्य अधिकारी की टीम ने पूरी सावधानी के साथ उसे ट्रेंकुलाइज कर काबू में लिया।रेस्क्यू के बाद बाघ का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया और आवश्यक जांच के लिए रक्त के नमूने भी एकत्र किए गए।बाघ को पकड़ने की इस कार्रवाई में बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व के वरिष्ठ अधिकारियों की निगरानी में व्यापक अमला जुटा रहा।क्षेत्र संचालक,उप संचालक,सहायक संचालक(ताला), परिक्षेत्र अधिकारी, टाइगर प्रोटेक्शन फोर्स (टीपीएफ) तथा वन्य प्राणी स्वास्थ्य विशेषज्ञों की मौजूदगी में अभियान सफलतापूर्वक पूरा किया गया,रेस्क्यू किए गए बाघ को विशेष सुरक्षा व्यवस्था के बीच बहेरहा एनक्लोजर पहुंचाया गया है,जहां उसकी गतिविधियों पर चौबीसों घंटे नजर रखी जाएगी। अभियान में लक्ष्मण,सूर्या,गणेश और सुन्दरगज हाथियों तथा उनके महावतों ने भी अहम भूमिका निभाई।गौरतलब है कि गुरुवार सुबह हुए हमले में अन्नू रजक की मौत के बाद ग्रामीणों में भारी आक्रोश और भय का माहौल था। ऐसे में वन विभाग द्वारा संदिग्ध बाघ को तत्काल रेस्क्यू कर ईनक्लोजर में भेजे जाने को बड़ी कार्रवाई माना जा रहा है। अब विभागीय अधिकारी बाघ के व्यवहार और स्वास्थ्य की निगरानी करते हुए आगे की कार्रवाई तय करेंगे।

खनिजों के अवैध उत्खनन, परिवहन एवं भंडारण पर प्रशासन की सख्त कार्रवाई

उमरिया (स्वतंत्रमत)

कलेक्टर श्रीमती राखी सहाय के निर्देशन में जिले में खनिजों के अवैध उत्खनन, परिवहन एवं भंडारण पर प्रभावी नियंत्रण के लिए प्रशासन द्वारा लगातार सघन जांच एवं कार्रवाई की जा रही है। प्राप्त शिकायत के आधार पर प्रभारी अधिकारी डॉ. विद्याकांत तिवारी, सहायक खनि अधिकारी दिवाकर चतुर्वेदी, खनि निरीक्षक प्रभात कुमार पट्टा एवं प्रभारी खनि निरीक्षक एन.एस. आर्मो के नेतृत्व में खनिज अमले ने संबंधित क्षेत्र का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान ग्राम घुनघुटी स्थित रेलवे स्टेशन के पीछे टी.वी. टॉवर के समीप लगभग 21 ट्रैक्टर-ट्रॉली (करीब 63 घनमीटर) रेत का अवैध भंडारण पाया गया। भंडारित रेत के संबंध में स्टेशन मास्टर, रेलवे कर्मचारियों एवं स्थानीय ग्रामीणों से पूछताछ की गई, किन्तु किसी भी व्यक्ति अथवा संस्था ने रेत पर स्वामित्व का दावा नहीं किया। परीक्षण उपरांत उक्त रेत को लावारिस घोषित करते हुए नियमानुसार जप्त कर लिया गया। खनिज अमले ने एक जेसीबी एवं चार ट्रैक्टरों की सहायता से रेत को हटवाकर वन चौकी घुनघुटी परिसर में सुरक्षित रखवाया। जप्त सामग्री को वन चौकी प्रभारी घुनघुटी एवं बाबा महाकाल प्राइवेट लिमिटेड के प्रतिनिधि श्री अक्षित सिंह कौशिक के सुपुर्द कलेक्टर के आगामी आदेश तक सुरक्षित रखा गया है। मध्यप्रदेश खनिज अवैध (खनन, परिवहन तथा भंडारण का निवारण) नियम, 2022 के तहत प्रकरण दर्ज कर नियमानुसार कार्रवाई की जा रही है। प्रशासन द्वारा तहसील करकेली के ग्राम उजान सहित जिले के अन्य क्षेत्रों में भी लगातार सघन जांच अभियान संचालित किया जा रहा है, ताकि अवैध खनन गतिविधियों पर प्रभावी अंकुश लगाया जा सके।

आरक्षक से मारपीट एवं शासकीय कार्य में बाधा डालने वाले तीन आरोपी गिरफ्तार

कटनी (स्वतंत्रमत)

थाना कोतवाली पुलिस ने एफआरव्ही ड्यूटी में तैनात आरक्षक के साथ अभद्रता, मारपीट तथा शासकीय कार्य में बाधा डालने वाले तीन आरोपियों को गिरफ्तार करने में सफलता प्राप्त की है। आरोपियों के कब्जे से चाकू बरामद होने पर प्रकरण में आर्म्स एक्ट की धाराएं भी बढ़ाई गई हैं। 21 जून की रात्रि लगभग 2 बजे एफआरव्ही-05 में ड्यूटी पर तैनात आरक्षक रूपेश यादव को गांधी स्कूल के पीछे चाण्डक चौक क्षेत्र से एक इवेंट प्राप्त हुआ। मौके पर पहुंचे आरक्षक को कॉलर द्वारा बताया गया कि गप्पू उर्फ पारस बर्मन एवं उसके साथियों ने गाली-गलौज कर उत्पात मचाया और वहां से भाग गए हैं। इवेंट से लौटते समय आजाद चौक के पास एक स्कूटी पर सवार तीन संदिग्ध युवकों को रोककर पूछताछ की गई। पूछताछ के दौरान

युवकों ने अपने नाम पारस उर्फ गप्पू बर्मन, अभिलाष उर्फ अब्बू सेन एवं गणेश उर्फ गन्नू रजक बताए। घटना के संबंध में जानकारी लेने पर तीनों आरोपियों ने एकराय होकर आरक्षक के साथ अभद्रता की, शासकीय कार्य में बाधा डाली तथा मारपीट शुरू कर दी। इस दौरान एक आरोपी ने किसी नुकीली वस्तु से वार कर आरक्षक को घायल कर दिया, जिससे उनके पैर में चोट आई और रक्तस्राव होने लगा। एफआरव्ही के पायलट द्वारा बीच-बचाव करने पर आरोपी मौके से फरार हो गए। आरक्षक रूपेश यादव की रिपोर्ट पर थाना कोतवाली में अपराध क्रमांक 679/2026 पंजीबद्ध कर विवेचना प्रारंभ की गई। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक अभिनय विश्वकर्मा के निर्देश पर आरोपियों की तलाश के लिए विशेष टीम गठित की गई। मुखबिर सूचना एवं साइबर सेल की सहायता से पुलिस टीम ने आरोपियों को बोहता बायपास क्षेत्र से गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तारी के दौरान आरोपियों के कब्जे से चाकू बरामद हुए, जिसके आधार पर प्रकरण में धारा 25 आर्म्स एक्ट का भी इजाफा किया गया। पुलिस के अनुसार गिरफ्तार आरोपियों के विरुद्ध पूर्व में भी आपराधिक रिकॉर्ड दर्ज हैं। गिरफ्तार आरोपी:- पारस बर्मन उर्फ गप्पू बर्मन, निवासी बाबली टोला, मरही माता मंदिर के पास, आजाद चौक, अभिलाष उर्फ अब्बू सेन, निवासी कैलवारा फाटक, गणेश उर्फ गन्नू रजक, निवासी हीरापुर कौड़िया, थाना एनकेजे, थाना प्रभारी कोतवाली निरीक्षक राखी पाण्डेय ने बताया कि आरोपियों द्वारा ड्यूटी में तैनात पुलिस आरक्षक के साथ मारपीट कर कानून व्यवस्था को चुनौती देने का प्रयास किया गया था। सभी आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया गया है तथा उनके विरुद्ध अन्य वैधानिक कार्यवाही भी की जा रही है।

आरोग्य भारती के तत्वावधान में रक्तदान शिविर

उमरिया (स्वतंत्रमत)

बुधवार 24 जून को वीरांगना रानी दुर्गावती के बलिदान दिवस के अवसर पर आरोग्य भारती महाकौशल प्रांत, जिला इकाई उमरिया के तत्वाधान में तथा बाबा साहेब भीमराव आंबेडकर समिति, पाली के सहयोग से एमपीईबी पाली में स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। उक्त आयोजन आरोग्य भारती ईकाई उमरिया के मार्गदर्शक रावेंद्र सिंह एवं अध्यक्ष पुष्पेंद्र के निर्देशन में में आयोजित किया गया। शिविर में जिला चिकित्सालय उमरिया के रक्त केंद्र की टीम द्वारा रक्त संग्रह किया गया। रक्तदान के लिए लगभग 115 जनो का रजिस्ट्रेशन हुआ जिसमें 106 पुरुष एवं 5 महिलाओं समेत 111 जनों ने रक्तदान किया। युवाओं एवं महिलाओं ने उत्साहपूर्वक सहभागिता कर रक्तदान किया। इस अवसर पर सचिव डॉ. के.सी. सोनी ने कहा कि रक्तदान जीवनदान है तथा प्रत्येक स्वस्थ व्यक्ति को तीन माह में नियमित रूप से रक्तदान करना चाहिए। उन्होंने रक्तदाताओं एवं आयोजकों के प्रयासों की सराहना की। उक्त कार्यक्रम में आरोग्य भारती ईकाई उमरिया के सह सचिव वीरेंद्र शर्मा, सदस्य विनीत साहू, राजकुमार, शिव समेत अन्य जिला चिकित्सालय लैब के कर्मचारी उपस्थित रहे।

बीच रास्ते खत्म हुआ डीजल, रोड में हाइवा खड़ा कर फरार हुआ ड्राइवर, लगा रहा लंबा जाम.!

उमरिया (स्वतंत्रमत)

प्रशासन डीजल की उपलब्धता की खबर रोजाना ही छपवा रही हैं लेकिन धरातल पर ठीक इसके उलट ही परिणाम देखने को मिल रहा है। बुधवार 24 जून को उमरिया से ताला बांधवगढ़ सड़क मार्ग में महामन के पास एक ट्रक (हाइवा)का डीजल खत्म हो गया जिससे झिल्लाये ट्रक चालक ने बीच सड़क पर ही वाहन खड़ा कर हुआ गायब हो गया जिससे बांधवगढ़ के कोर जोन होने के कारण सिंगल रोड पर लंबा जाम लग गया और यात्री बसें और एम्बुलेंस भी जाम मे फंसी दिखी,वही बमुश्किल एम्बुलेंस को निकाला गया और मरीज अपने गंतव्य तक पहुचा लेकिन बड़े वाहन जिसमे ट्रक,बस जाम में फसे रहे और यात्री सहित अन्य वाहन चालक कई घंटो तक परेशान रहे।प्रशासन को जब खबर मिली तो अधिकारी एक्टिव हुए और बड़ी मुश्किल में ट्रक ड्राइवर को खोजा गया और डीजल की व्यवस्था की गई तब जाकर ट्रक बीच रोड से हटा और जाम खुला। वही मंगलवार को भी उमरिया नगर के सभी पेट्रोल पंपों में डीजल न मिलने से छोटे बड़े चारपहिया वाहन खड़े रहे लेकिन विभाग और प्रशासन दावा करता रहा कि सभी पंपों पर डीजल उपलब्ध है। अब धरातल पर जो दिख रहा उसे सही माने या फिर प्रशासन की..!

कांग्रेस के जिला समन्वय समिति की बैठक सम्पन्न

उमरिया (स्वतंत्रमत)

गुरुवार 25 जून को जिला मुख्यालय स्थित सर्किट हाउस में जिला कांग्रेस कमेटी के समन्वय समिति की बैठक आयोजित की गई। यह बैठक जिला संगठन प्रभारी सम्मती सैनी जी के नेतृत्व में सम्पन्न हुई, जिसमें समिति के सभी सदस्यों की गरिमामयी उपस्थिति रही। बैठक के दौरान संगठन की वर्तमान स्थिति, उसकी मजबूती तथा जमीनी स्तर पर कार्यकर्ताओं की सक्रियता बढ़ाने को लेकर विस्तार से चर्चा की गई। सम्मती सैनी जी ने अपने उद्बोधन में कहा कि संगठन को मजबूत बनाने के लिए प्रत्येक कार्यकर्ता की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने सभी पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं से आह्वान किया कि वे अपने-अपने क्षेत्र में सक्रिय रहकर जनता के बीच संगठन की विचारधारा को पहुंचाएं और उनकी समस्याओं के समाधान हेतु निरंतर प्रयास करें। इसके साथ ही बैठक में आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा तैयार की गई। विभिन्न सामाजिक, जनहितकारी एवं संगठनात्मक कार्यक्रमों को सफल बनाने के लिए जिम्मेदारियां भी तय की गईं। आगामी दिनों में आयोजित होने वाले आंदोलनों, सभाओं एवं जनसंपर्क अभियानों को प्रभावी बनाने हेतु रणनीति पर विशेष जोर दिया गया।बैठक में उपस्थित सदस्यों ने भी अपने-अपने सुझाव रखे और संगठन को मजबूत करने के लिए नई योजनाओं पर चर्चा की। सभी ने एकजुट होकर कार्य करने और संगठन को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने का संकल्प लिया।

उमरिया में मोहर्रम पर उमड़ा आस्था और भाईचारे का जनसैलाब

उमरिया (स्वतंत्रमत)

जिले में मोहर्रम का पर्व धार्मिक श्रद्धा, अनुशासन और आपसी सौहार्द के साथ मनाया जा रहा है। सोमवार रात्रि लगभग 10 बजे स्टेशन रोड स्थित मस्जिद से पवित्र बाबा हुजुर साहब की सवारी निकाली गई, जो गांधी चौक, कोर्ट चौराहा, रमपुरी मार्ग से होते हुए सभी मस्जीदों से होती हुई विनोबा मार्ग स्थित इमामबाड़ा पहुंची। सवारी के दौरान नगर में हजारों श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ पड़ी। सभी धर्मों और समुदायों के लोगों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया तथा गंगा-जमुनी तहजीब और हिंदू-मुस्लिम एकता की अद्भुत मिसाल प्रस्तुत की।सवारी मार्ग पर श्रद्धालुओं ने जगह-जगह स्वागत किया। सुरक्षा व्यवस्था के लिए प्रशासन एवं पुलिस बल तैनात रहा। पूरे आयोजन में शांति, सद्भाव और भाईचारे का वातावरण देखने को मिला। नगरवासियों ने एक-दूसरे को मोहर्रम की शुभकामनाएं देते हुए अमन और शांति की कामना की। मोहर्रम का इतिहास महत्व यह है कि मोहर्रम इस्लामी कैलेंडर का पहला महीना है और मुस्लिम समुदाय के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण माना जाता है। हिन्दू मुस्लीम एकत मंच के अशलम शेर व राजेन्द्र कोल ने बताया कि मोहर्रम की 10वीं तारीख, जिसे यौमे आशूरा कहा जाता है, विशेष रूप से याद की जाती है। इसी दिन 680 ईस्वी में

इराक के कर्बला मैदान में पैगंबर हजरत मोहम्मद साहब के नवासे हजरत इमाम हुसैन और उनके साथियों ने सत्य, न्याय और मानवता की रक्षा के लिए अपना सर्वोच्च बलिदान दिया था।जनाब रहमत खान का कहना है कि कर्बला की इस ऐतिहासिक घटना को अन्याय और अत्याचार के विरुद्ध संघर्ष तथा सत्य की विजय के प्रतीक के रूप में याद किया जाता है। मोहर्रम केवल शोक का पर्व नहीं, बल्कि त्याग, बलिदान, इंसानियत, भाईचारे और न्याय के मूल्यों को आत्मसात करने का संदेश भी देता है।मोहर्रम का पवित्र पर्व भाईचारे का संदेश देता है।आज रात तीन से चार के बीच सवारी उठेगी मुरादगाह जायेगी जहां मुरादियों को बाबा हुजूर मुराद बांटेगे ,फिर जियारत करने जामा मस्जिद जायेंगे तथा घोड़े के घर बखरी भी जा सकते है।शायोप्रस के मार्गदर्शक एडवोकेट रिजवान अहमद मंसूरी जी व विजय कुमार जी का कहना है कि उमरिया में निकली मोहर्रम की सवारी ने एक बार फिर यह सिद्ध कर दिया कि भारत की गंगा-जमुनी संस्कृति आज भी जीवंत है। विभिन्न धर्मों के लोगों की सहभागिता ने सामाजिक समरसता और राष्ट्रीय एकता का संदेश दिया। उपस्थित जनसमूह ने हजरत इमाम हुसैन के बलिदान को नमन करते हुए समाज में शांति, सद्भाव और मानवता के मूल्यों को मजबूत करने का संकल्प लिया।गौरतलब है कि उमरिया के मोहर्रम की आपसी भाईचारे और पवित्रता भव्य स्वरूप को देखते हुऐ देश के विभीन्न राज्यों से विभीन्न समुदाय के नागरिक आते है और बांधवगढ प्रोजेक्ट टाईगर आये विदेशी सैलानियों को भी यहां देखा गया।

अजय सुखदेवे बने भाजपा अनुसूचित जाति मोर्चा के शहडोल जिला प्रभारी, संगठन में बढ़ा कद

बालाघाट(स्वतंत्र मत)। भारतीय जनता पार्टी अनुसूचित जाति मोर्चा ने अपने संगठनात्मक ढांचे को मजबूत करते हुए सम्राट अशोक सेना के प्रदेश अध्यक्ष एवं भाजपा झुग्गी-झोपड़ी प्रकोष्ठ बालाघाट के जिला संयोजक अजय सुखदेवे को 25 जून बुधवार को शहडोल जिला भाजपा अनुसूचित जाति मोर्चा का जिला प्रभारी नियुक्त किया है। यह नियुक्ति भाजपा प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल की सहमति से अनुसूचित जाति मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष भगवान परमार द्वारा की गई है।

प्रदेश नेतृत्व की महत्वपूर्ण बैठक के बाद जारी नियुक्ति सूची में अजय सुखदेवे के नाम पर मुहर लगाई गई। उनकी नियुक्ति के बाद समर्थकों और कार्यकर्ताओं में खुशी का माहौल है तथा उन्हें बधाइयां दी जा रही हैं।

मीडिया से चर्चा करते हुए अजय सुखदेवे ने प्रदेश अध्यक्ष भगवान परमार, भाजपा के शीर्ष नेतृत्व तथा भाजपा जिला अध्यक्ष रामकिशोर कावरे का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि पार्टी संगठन द्वारा सौंपी गई जिम्मेदारी का वह पूरी निष्ठा, ईमानदारी और गंभीरता के साथ निर्वहन करेंगे। उन्होंने अनुसूचित जाति समाज के अधिक से अधिक लोगों को संगठन की विचारधारा से जोड़ने तथा समाज के अंतिम व्यक्ति तक योजनाओं और अधिकारों का लाभ पहुंचाने के लिए निरंतर कार्य करने की बात कही। श्री सुखदेवे ने कहा कि समाज के वंचित एवं जरूरतमंद लोगों की समस्याओं के समाधान के लिए वह सदैव तत्पर रहेंगे और जनसेवक के रूप में कार्य करते हुए संगठन को और मजबूत बनाने का प्रयास करेंगे।

सीएसपी की बड़ी रेड, बार में चल रहा था अहाता, मौके पर हुआ सील

कटनी (स्वतंत्रमत)। कटनी में पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर अवैध गतिविधियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत एक बार फिर बड़ी कार्रवाई सामने आई है। शहर में संचालित एक बार पर छापेमार कार्रवाई के दौरान पुलिस ने ऐसे तथ्य पाए, जिन्होंने आबकारी नियमों के पालन पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। जानकारी के अनुसार, लेडी सिंघम के नाम से चर्चित कटनी की सीएसपी ने पुलिस बल के साथ बार परिसर में अचानक निरीक्षण किया।

कार्यालय नगर पालिक निगम रीवा, जिला-रीवा (म.प्र.)

निविदा सूचना

क्रमांक-1016/ई-टेंडर/जोन-01/न.पा.नि./2026 रीवा, दिनांक 24.06.2026

निम्नलिखित कार्य हेतु केन्द्रीयकृत प्रणाली में पंजीकृत ठेकेदारों से ऑन लाईन निविदायें आमंत्रित की जाती है। निविदा का विस्तृत विवरण वेबसाइट https://mptenders.gov.in पर देखा जा सकता है।

क्र.	टेण्डर क्रमांक एवं जारी दिनांक तथा NIT क्रमांक/दिनांक	कार्य का नाम	कार्य की समयावधि एवं लागत	निविदा प्रपत्र का मूल्य एवं EMD	निविद की अंतिम तिथि
1	2	3	4	5	6
1	2026_UAD_517363_1 25.06.2026 [FIRST CALL] 1014/24.06.2026	जोन क्रमांक 01 अंतर्गत वार्ड क्रमांक-34 में श्रम कल्याण केंद्र के पास तब्बू भाई के घर से अकील भाई के घर तक नाली निर्माण का कार्य ।	02 माह रु. 04.75 लाख	2000.00 रु. 4750.00	10/7/2026 18:00 बजे तक
2	2026_UAD_517364_1 25.06.2026 [FIRST CALL] 1015/24.06.2026	जोन क्रमांक-01 अंतर्गत वार्ड क्रमांक - 36 में हनुमान मंदिर से मनीष ठारवानी जी के घर तक सीमेंट कॉंक्रीट सड़क निर्माण का कार्य ।	02 माह रु. 07.54 लाख	2000.00 रु. 7540.00	10/7/2026 18:00 बजे तक

नोटः- निविदा से संबंधित किसी भी प्रकार के संशोधन का प्रकाशन ऑनलाईन https://mptenders.gov.in की वेबसाइट पर ही किया जावेगा पृथक से समाचार पत्र में प्रकाशन नहीं किया जावेगा।

कार्यपालन यंत्री
(जोन क्रमांक-1) नगर
पालिक निगम रीवा (म.प्र.)

गुणवत्तापूर्ण कार्य करने निर्देश

मण्डला(स्वतंत्रमत)। कलेक्टर ने जिले में संचालित सभी निर्माण कार्यों को निर्धारित समय-सीमा में उच्च गुणवत्ता के साथ पूर्ण करने के निर्देश देते हुए स्पष्ट कहा कि निर्माण कार्यों की गुणवत्ता से किसी भी प्रकार का समझौता स्वीकार नहीं किया जाएगा। उन्होंने चेतावनी दी कि लापरवाही अथवा गुणवत्ता में कमी पाए जाने पर संबंधित अधिकारियों एवं ठेकेदारों के विरुद्ध कड़ी अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी। कलेक्ट्रेट के गोलमेज सभाकक्ष में आयोजित समीक्षा बैठक में कलेक्टर ने लोक निर्माण विभाग, पीआईयू, नेशनल हाईवे, एमपीआरडीसी, ग्रामीण यांत्रिकी सेवा आरईएस-1 एवं 2, जनजातीय कार्य विभाग, लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा विभाग, प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना, जल संसाधन विभाग तथा भवन निर्माण विभाग द्वारा संचालित निर्माण कार्यों की विभागवार एवं बिंदुवार समीक्षा की।

खाद गोदाम का किया निरीक्षण

मण्डला(स्वतंत्रमत)। खरीफ सीजन के दौरान किसानों को समय पर खाद की उपलब्धता सुनिश्चित करने एवं भंडारण व्यवस्था में पारदर्शिता बनाए रखने के उद्देश्य से कलेक्टर ने बड़ी खैरी स्थित शासकीय खाद गोदाम का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने खाद एवं खाद्यान्न के भंडारण, स्टॉक की उपलब्धता, रिकॉर्ड संधारण तथा सुरक्षा व्यवस्थाओं का गहन निरीक्षण करते हुए अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। कलेक्टर ने गोदाम में उपलब्ध खाद एवं खाद्यान्न के भौतिक स्टॉक का शासकीय अभिलेखों से मिलान किया तथा रिकॉर्ड संधारण की व्यवस्था का बारीकी से परीक्षण किया। उन्होंने निर्देश दिए कि खाद एवं खाद्यान्न का भंडारण वैज्ञानिक पद्धति से किया जाए जिससे नमी, रिसाव अथवा अन्य कारणों से सामग्री की गुणवत्ता प्रभावित न हो। उन्होंने गोदाम की साफ-सफाई, व्यवस्थित स्टैकिंग तथा सामग्री के सुरक्षित रखरखाव पर विशेष ध्यान देने के निर्देश भी दिए।

अवैध रेत उत्खनन पर कार्यवाही

मण्डला(स्वतंत्रमत)। जिले में अवैध रेत उत्खनन परिवहन एवं भंडारण पर प्रभावी अंकुश लगाने के लिए जिला प्रशासन द्वारा लगातार सख्त कार्रवाई की जा रही है। कलेक्टर के निर्देशानुसार खनिज विभाग ने प्राप्त शिकायतों के आधार पर 24 जून को मंडला एवं डिंडौरी क्षेत्र में संयुक्त निरीक्षण एवं सघन अभियान चलाते हुए अवैध रेत उत्खनन और परिवहन में संलिप्त तीन वाहनों को जब्त किया। कार्रवाई के दौरान खनिज विभाग की टीम ने डम्पर क्रमांक एमपी 20 एक्ससी 9155, ट्रैक्टर क्रमांक एमपी 51 एए 6007 तथा ट्रैक्टर क्रमांक एमपी 51 एबी 2031 को अवैध रेत परिवहन एवं उत्खनन में संलिप्त पाए जाने पर जब्त किया। जब्त किए गए।

आईटीआई में प्रवेश 30 तक

मण्डला(स्वतंत्र मत)। शासकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था आईटीआई मंडला द्वारा युवाओं के लिए प्रवेश संबंधी महत्वपूर्ण सूचना जारी की गई है। संस्था ने बताया है कि समस्त शासकीय आईटीआई में संचालित ज्एनसीवीटी एससीवीटी पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए पंजीयन एवं पंजीयन में त्रुटि सुधार की अंतिम तिथि 30 जून निर्धारित है। इच्छुक अभ्यर्थियों के पास आवेदन प्रक्रिया पूर्ण करने के लिए अब केवल कुछ ही दिन शेष हैं।

नालियां दे रहे हादसों को न्यौता

मण्डला/नारायणगंज। जनपद पंचायत नारायणगंज अंतर्गत ग्राम पंचायत पड़रिया उर्फ नारायणगंज नगर में नाले-नालियों की स्थिति लगातार बदतर होती जा रही है। बारिश का मौसम शुरू होने के बावजूद नालियों की नियमित सफाई ठोस कदम नहीं उठाए गए हैं ।

बलिदान दिवस पर आदिवासी समाज का उमड़ा जनसैलाब वीरांगना के शौर्य और बलिदान को किया नमन

मण्डला(स्वतंत्र मत)।

गोंडवाना महासभा गढ़ मंडला एवं अखिल गोंडवाना कोयापूनेम भुमका सेवा संस्था के संयुक्त तत्वाधान में वीरांगना रानी दुर्गावती का 462वां बलिदान दिवस श्रद्धा सम्मान के साथ मनाया गया। इस अवसर पर जिले भर से बड़ी संख्या में आदिवासी समाज के लोग सामाजिक संगठन जनप्रतिनिधि और विभिन्न संगठनों के पदाधिकारी एकत्रित हुए। कार्यक्रम के दौरान रानी दुर्गावती के शौर्य त्याग और संघर्षपूर्ण जीवन को याद करते हुए उन्हें श्रद्धासुमन अर्पित की गई तथा उनके आदर्शों को नई पीढ़ी तक पहुंचाने का संकल्प लिया गया। कार्यक्रम की शुरुआत ऐतिहासिक मंडला के किले स्थित राज राजेश्वरी मंदिर में विशेष पूजा-अर्चना के साथ हुई। यहां रानी दुर्गावती के तैल्यचित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर उनके बलिदान को नमन किया। मंदिर परिसर में आयोजित सभा में जनप्रतिनिधियों ने महारानी के जीवन चरित्र पर प्रकाश डालते हुए कहा कि उन्होंने अपने स्वाभिमान और राज्य की रक्षा के लिए अंतिम सांस तक संघर्ष किया और इतिहास में अमर हो गईं। कार्यक्रम में गोंडवाना गणतंत्र पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष तुलेश्वर सिंह मरकाम, राष्ट्रीय महासचिव श्याम सिंह मरकाम, प्रदेश अध्यक्ष कमलेश तेकाम, प्रदेश महासचिव भजन भलावी, प्रदेश प्रवक्ता शंकर भलारी मुख्य रूप से उपस्थित रहे। वहीं इस आयोजन में छत्तीसगढ़ के डोंगरगढ़ के राजा भवानी बहादुर सिंह ठाकुर मुख्य रूप से उपस्थित रहे। वहीं यहां पर एक पुस्तक का विमोचन भी किया गया इस पुस्तक को शिक्षक प्रशांत श्रीवास्तव ने लिखा है जिसमें 1857 की प्रांतीय में आदिवासियों का योगदान एवं मंडला व डिंडौरी जिले के आदिवासियों के ऐतिहास का वर्णन है। उपस्थित अतिथियों ने पुस्तक का विमोचन किया। सभा को संबोधित करते हुए गोंडवाना गणतंत्र पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष तुलेश्वर मरकाम ने कहा कि महारानी रानी दुर्गावती का बलिदान भारतीय इतिहास का स्वर्णिम अध्याय है। उन्होंने कहा कि जिस समय मुगल साम्राज्य अपनी शक्ति के चरम पर था उस समय रानी दुर्गावती ने अपने छोटे से राज्य की रक्षा के लिए अद्वितीय साहस का परिचय दिया। उन्होंने आत्मसमर्पण करने के बजाय युद्धभूमि में वीरगति प्राप्त करना स्वीकार किया जो उनके स्वाभिमान और आत्मसम्मान का सर्वोच्च उदाहरण है। उन्होंने कहा कि आज आवश्यकता है कि समाज की नई पीढ़ी महारानी दुर्गावती के जीवन संघर्ष, उनके आदर्शों और उनके बलिदान से प्रेरणा लेकर अपने अधिकारों, संस्कृति और अस्मिता की रक्षा के लिए आगे आए। कार्यक्रम के दौरान वक्ताओं ने 24 जून 1564 की ऐतिहासिक घटना का उल्लेख करते हुए बताया कि यह वही दिन था जब गोंडवाना साम्राज्य की शासक महारानी रानी दुर्गावती ने मुगल सेनापति आसफ खान की विशाल सेना के विरुद्ध युद्ध करते हुए अपने प्राण न्यौछावर कर दिए थे। उन्होंने मुगल आक्रमणकारियों के सामने झुकने के बजाय वीरगति को चुना और भारतीय इतिहास में अमर हो गईं। प्रदेश अध्यक्ष कमलेश तेकाम ने कहा कि महारानी दुर्गावती ने अपने शासनकाल में गोंडवाना राज्य को समृद्ध और शक्तिशाली बनाया। उन्होंने जनकल्याण, सिंचाई, कृषि और सुरक्षा के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य किए। उनके शासन में राज्य आर्थिक और सामाजिक रूप से उन्नति के मार्ग पर अग्रसर रहा। यही कारण है कि आज भी उन्हें एक आदर्श शासक और वीर योद्धा के रूप में याद किया जाता है।

पूजा-अर्चना और श्रद्धांजलि सभा के बाद मंडला किले से एक विशाल श्रद्धांजलि रैली निकाली गई। रैली में सैकड़ों की संख्या में समाजजन पारंपरिक वेशभूषा में शामिल हुए। हाथों में झंडे, बैनर और महारानी दुर्गावती के चित्र लिए हुए लोग रानी दुर्गावती अमर रहें, जय गोंडवाना वीरांगना दुर्गावती अमर रहें जैसे जयघोष लगाते हुए आगे बढ़े। रैली मंडला किले से प्रारंभ होकर शहर के प्रमुख मार्गों से गुजरी। इस दौरान जगह-जगह लोगों ने रैली का स्वागत किया। रैली में शामिल लोगों का उत्साह देखते ही बन रहा था। नेहरू स्मारक स्थित महारानी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की गई। इस दौरान दो मिनट का मौन रखकर उनके बलिदान को स्मरण किया गया तथा उनके आदर्शों पर चलने का सामूहिक संकल्प लिया गया। कार्यक्रम में समाज के विभिन्न वर्गों के लोगों ने बढ़-चढ़कर भागीदारी की।

आपातकाल दिवस पर भाजपा ने किया सम्मान

मण्डला(स्वतंत्र मत)।

भारतीय जनता पार्टी द्वारा 25 जून 1975 को लगाए गए आपातकाल की स्मृति में आपातकाल दिवस मनाते हुए लोकतंत्र सेनानियों का सम्मान किया गया। इस अवसर पर भाजपा जिला अध्यक्ष प्रफुल्ल मिश्रा के निर्देशन में जिले में भाजपा पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने लोकतंत्र की रक्षा के लिए संघर्ष करने वाले सेनानियों के निज निवास पहुंचकर उनका शॉल श्रीफल एवं पुष्पमाला भेंट कर सम्मान किया। 25 जून 1975 भारतीय लोकतंत्र के इतिहास का वह काला अध्याय है जब तत्कालीन प्रधानमंत्री श्रीमती इंदिरा गांधी ने देश में आपातकाल लागू कर संविधान और लोकतांत्रिक मूल्यों पर प्रहार किया था। भाजपा कार्यकर्ताओं ने लोकतंत्र सेनानी श्रीमती शीला जैन स्व. कस्तूरचंद जैन की धर्मपत्नी, सावलदास पमनानी, आनंद मनोहर तांबे एवं खुब्बीलाल नामदेव का उनके निज निवास पहुंचकर शॉल श्रीफल से सम्मान किया गया। वहीं निवास मंडल में सम्मान कार्यक्रम आयोजित किया गया इस दौरान भाजपा जिला महामंत्री संतोष रजक, जिला उपाध्यक्ष राजेश जैन, मंडल अध्यक्ष आकाश पांडे, मंडल महामंत्री राकेश रजक, मंडल महामंत्री स्वरूप सिंह मरावी, वरिष्ठ नेता यतीन्द्र मोहन विश्वकर्मा तथा मोर्चा मंडल अध्यक्ष श्याम परस्ते उपस्थित रहे तो वहीं नैनपुर मंडल में जिला महामंत्री नरेश चंद्रोल, जिला उपाध्यक्ष महेंद्र राठौर, रामप्रकाश साहू, नगर महामंत्री नितेश झारिया एवं सुभाष सेन, सोशल मीडिया जिला सह संयोजक दीपक नामदेव सहित महेंद्र सोनी, अजय नावेरिया, खलेश रजक, उत्कर्ष कन्हैया यादव, राहुल चौरसिया एवं अमित श्रीवास ने लोकतंत्र सेनानियों का सम्मान कर उनके संघर्ष को नमन किया। वहीं कार्यक्रम में मंडला नगर मंडल अध्यक्ष शिवा रानू राजपूत, महामंत्री मयंक विश्वकर्मा, नगर उपाध्यक्ष ईशांक साहू, दिनेश चैधरी, पार्षद श्रीमती अनीता चैधरी, श्रीमती दीप्ति नरेलिया, गोल्डी झरिया सहित बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

सुकून कैफे में मिली अवैध शराब

मण्डला(स्वतंत्र मत)। जिले में अवैध शराब के कारोबार पर अंकुश लगाने के लिए चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत महाराजपुर थाना पुलिस ने बड़ी कार्यवाही करते हुए एक ढाबा-कैफे परिसर से भारी मात्रा में अवैध शराब बरामद की है। पुलिस ने मौके से 56.220 लीटर अंग्रेजी एवं देशी शराब जब्त करते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। जब्त की गई शराब की अनुमानित कीमत 38 हजार 310 रुपये बताई गई है। ग्राम रामबाग स्थित सुकून कैफे में एक व्यक्ति बड़ी मात्रा में शराब एकत्रित कर अवैध बिक्री की तैयारी कर रहा है। बरामद शराब की मात्रा 56.220 लीटर पाई गई जिसकी बाजार कीमत करीब 38 हजार 310 रुपये आंकी गई है। पुलिस ने मौके से आरोपी आनंद कछवाहा गिरफ्तार कर लिया।

युवाओं ने चलाया स्वच्छता अभियान

मण्डला(स्वतंत्र मत)। सामाजिक संस्था अन्यादान सेवा के सदस्यों द्वारा माहिष्मती घाट पर व्यापक स्वच्छता अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान घाट परिसर में फैले प्लास्टिक कचरे एवं अन्य अपशिष्ट पदार्थों को एकत्रित कर साफ-सफाई की गई। संस्था के सदस्यों ने बताया कि मां नर्मदा के तटों को स्वच्छ एवं सुंदर बनाए रखना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। अभियान का उद्देश्य केवल सफाई करना ही नहीं बल्कि आम नागरिकों को भी स्वच्छता के प्रति जागरूक करना था। स्वच्छता अभियान में उपस्थित युवाओं ने घाट पर आने वाले श्रद्धालुओं एवं स्थानीय नागरिकों से अपील की कि वे कचरा इधर-उधर न फेंकें तथा नर्मदा तट की स्वच्छता बनाए रखने में सहयोग करें। संस्था के सदस्यों ने कहा कि भविष्य में भी इस प्रकार के जनहित एवं पर्यावरण संरक्षण से जुड़े अभियान निरंतर चलाए जाएंगे ताकि समाज में स्वच्छता संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ सके।

मवेशी से भरा ट्रक पकड़ाया, दो गिरफ्तार

मण्डला(स्वतंत्र मत)। पुलिस ने पशुओं के प्रति क्रूरता करने वालों के खिलाफ एक बड़ी कार्यवाही करते हुए जंगल क्षेत्र में खड़े एक ट्रक से 45 मवेशियों को मुक्त कराया है। पुलिस ने मौके से दो आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके विरुद्ध पशुओं के प्रति क्रूरता निवारण अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया है। इस कार्रवाई से अवैध पशु परिवहन में संलिप्त लोगों में हड़कंप मच गया है। पुलिस अधीक्षक राजेश रघुवंशी के निर्देशन अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शिवकुमार वर्मा तथा एसडीओपी नैनपुर मनीष राज के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी नैनपुर निरीक्षक मंशाराम वगेन के नेतृत्व में यह कार्रवाई की गई। जानकारी के अनुसार दिनांक 24 जून 2026 को थाना नैनपुर पुलिस क्षेत्र में गश्त एवं भ्रमण पर थी। इसी दौरान मुखबिर से सूचना प्राप्त हुई कि ग्राम हमनगांव और मलधा के बीच स्थित जंगल क्षेत्र में एक ट्रक में बड़ी संख्या में मवेशियों को भरकर रखा गया है। सूचना को गंभीरता से लेते हुए पुलिस टीम तत्काल मौके के लिए रवाना हुई और क्षेत्र की घेराबंदी कर जांच शुरू की। पुलिस को मौके पर ट्रक क्रमांक एमपी-20 जेडके-3507 खड़ा मिला। जब पुलिस ने ट्रक की तलाशी ली ट्रक में कुल 45 नग भैंस

एवं बछड़े-बोड़े अत्यंत अमानवीय परिस्थितियों में ठूंस-ठूंस कर भरे गए थे। कई पशुओं को रस्सियों से कसकर बांधा गया था जिससे उन्हें गंभीर शारीरिक पीड़ा हो रही थी। जांच के दौरान मौके पर मौजूद व्यक्तियों ने अपने नाम इरफान कुरैशी एवं मोहम्मद इरशाद कुरैशी बताए। घटनास्थल पर दो मोटरसाइकिलें भी मिलीं जिनमें एमपी-51 जेई-9418 तथा एमपी-17 एचसी-3012 शामिल हैं। पुलिस ने आरोपियों के विरुद्ध पशुओं के प्रति क्रूरता निवारण अधिनियम, 1960 के तहत अपराध पंजीबद्ध कर वैधानिक कार्यवाही शुरू की गई।

कार्यवाही में निरीक्षक मंशाराम वगेन थाना प्रभारी नैनपुर, उपनिरीक्षक के.के. विश्वकर्मा, सहायक उपनिरीक्षक जगदीश सैयाम, सहायक उपनिरीक्षक रविंद्र नेताम, प्रधान आरक्षक कुलदीप यादव तथा आरक्षक शैलेंद्र की भूमिका रही।

ब्लॉक टास्क फोर्स की बैठक

मण्डला(स्वतंत्रमत)। 28 जून से प्रारंभ होने वाले राष्ट्रीय पल्स पोलियो अभियान के सफल एवं प्रभावी संचालन को लेकर 25 जून को अनुविभागीय अधिकारी राजस्व श्रीमती सोनल सिडाम की अध्यक्षता में ब्लॉक टास्क फोर्स (बीटीएफ) की बैठक आयोजित की गई। बैठक में अभियान की तैयारियों की विस्तृत समीक्षा करते हुए यह सुनिश्चित करने पर विशेष बल दिया गया कि विकासखंड के 0 से 5 वर्ष तक के प्रत्येक बच्चे को पोलियो रोधी दवा की खुराक अनिवार्य रूप से पिलाई जाए। बैठक में अधिकारियों ने सभी विभागों के समन्वित प्रयासों, प्रभावी माइक्रोप्लान तैयार करने जनजागरूकता गतिविधियों को बढ़ाने, टीमों के प्रशिक्षण, पोलियो बूथों के सुचारू संचालन, ट्रांजिट एवं मोबाइल टीमों की व्यवस्था तथा छूटे हुए बच्चों की पहचान कर उन्हें अभियान से जोड़ने के संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

संचालकों को दिए निर्देश

मण्डला(स्वतंत्रमत)। नगर पालिका परिषद अंतर्गत कार्यरत अल्ट्रा क्लीन एंड केयर सर्विसेज की आईसी टीम द्वारा मोहर्रम पर्व के अवसर पर नगर के विभिन्न क्षेत्रों में स्थापित पंडालों का भ्रमण कर स्वच्छता एवं कचरा प्रबंधन संबंधी जागरूकता अभियान चलाया गया।

कैदियों को बताया आध्यात्मिक प्रकल्प

मण्डला(स्वतंत्र मत)। जिला जेल में दिव्य ज्योति जाग्रति संस्थान डीजेजेएस शाखा द्वारा आयोजित तीन दिवसीय श्री हरि कथा व सत्संग प्रवचन अत्यंत भावपूर्ण और आध्यात्मिक माहौल में समापन हो गया। समापन सत्र के दौरान संस्थान के संतों ने मानव जीवन के वास्तविक उद्देश्य पर गहन प्रकाश डाला।

संतों ने कैदियों को संबोधित करते हुए कहा कि मानव चोला अत्यंत दुर्लभ है और यह केवल सांसारिक बंधनों में उलझने के लिए नहीं बल्कि आत्म-कल्याण और ईश्वर की प्रत्यक्ष अनुभूति ब्रह्म ज्ञान के लिए मिला है। उन्होंने कहा कि बिना पूर्ण सद्गुरु के जीवन की दिशा और दशा नहीं बदल सकती। जिस प्रकार जेल के अंधेरे कमरों को रोशन करने के लिए दीपक की जरूरत होती है ठीक उसी तरह सद्गुरु ही वह दिव्य शक्ति हैं जो मनुष्य को उसकी आंतरिक बुराइयों से मुक्त कराकर उसे समाज के लिए उपयोगी बनाते हैं। सत्संग की पूर्णाहूति के उपरांत संस्थान के संतों और स्वयंसेवकों के प्रतिनिधिमंडल ने जेल अधीक्षक से विशेष शिष्टाचार भेंट की। इस दौरान जेल अधीक्षक को दिव्य ज्योति जाग्रति संस्थान द्वारा देश-विदेश की जेलों और समाज में चलाए जा रहे विभिन्न आध्यात्मिक कार्यक्रमों और सामाजिक प्रकल्पों के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई।

शादी समारोह से बुलाकर युवक का घोंट दिया गला

पांच आरोपी गिरफ्तार

मण्डला(स्वतंत्रमत)। पुलिस अधीक्षक राजेश रघुवंशी के कुशल मार्गदर्शन और तकनीकी दिशा निर्देश से जिले के बम्हनी थाना क्षेत्र में हुए चर्चित अंधे हत्याकांड का पुलिस ने महज तीन दिनों के भीतर खुलासा करते हुए पांच आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। गुमशुदगी से शुरू हुई यह जांच हत्या की सनसनीखेज साजिश तक पहुंची जिसमें वर्षों पुरानी रंजिश और आपसी वैमनस्यता हत्या का कारण बनकर सामने आई। पुलिस ने तकनीकी साक्ष्यों, मोबाइल लोकेशन और गहन पूछताछ के आधार पर आरोपियों तक पहुंचकर पूरे मामले की परतें खोल दी हैं। पुलिस अधीक्षक राजेश रघुवंशी के निर्देशन अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शिवकुमार वर्मा एवं एसडीओपी नैनपुर मनीष राज के मार्गदर्शन में बम्हनी पुलिस ने इस अंधे हत्याकांड की गुत्थी सुलझाई है। मामले की गंभीरता को देखते हुए

पुलिस महानिरीक्षक बालाघाट जोन ललित शाक्यवार द्वारा आरोपियों की गिरफ्तारी पर 25 हजार रुपये के इनाम की घोषणा भी की गई थी। जानकारी के अनुसार 22 जून 2026 को ग्राम मुगदरा निवासी रविंद्र यादव ने अपने छोटे भाई 36 वर्षीय तरेंद्र यादव के लापता होने की सूचना थाना बम्हनी में दर्ज कराई थी। परिजनों ने बताया था कि तरेंद्र यादव एक शादी समारोह में शामिल होने के लिए गया था जिसके बाद वह वापस नहीं लौटा। गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज होने के बाद पुलिस ने उसकी तलाश शुरू की। इसी दौरान लिमरुआ गांव के समीप बोरिया नाला में एक शव मिलने की सूचना प्राप्त हुई। पुलिस मौके पर पहुंची और शव की पहचान तरेंद्र यादव के रूप में की गई। शव मिलने से पूरे क्षेत्र में सनसनी फैल गई थी। मर्ग कायम कर शव का पोस्टमार्टम सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बम्हनी में पैनल डॉक्टरों द्वारा कराया गया। पोस्टमार्टम रिपोर्ट और प्रारंभिक जांच में सामने आया कि तरेंद्र यादव की मौत सामान्य नहीं बल्कि हत्या का परिणाम थी। जांच में यह स्पष्ट हुआ कि मृतक की गला घोंटकर हत्या की गई थी तथा हत्या के बाद साक्ष्य मिटाने के उद्देश्य से शव को बोरिया नाला में फेंक दिया गया था। पुलिस ने अज्ञात आरोपियों के विरुद्ध भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 103(1) एवं 238 के तहत मामला दर्ज कर विवेचना शुरू की। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक ने विशेष जांच टीम गठित की। थाना प्रभारी निरीक्षक सत्येंद्र रघुवंशी के नेतृत्व में गठित टीम ने घटनास्थल के आसपास के लोगों से पूछताछ की, संदिग्धों की गतिविधियों की जानकारी जुटाई तथा मोबाइल कॉल डिटेल और लोकेशन का विश्लेषण किया। साइबर सेल की सहायता से पुलिस ने कई संदिग्धों की गतिविधियों पर नजर रखी। पूछताछ के दौरान राजा यादव, अविनाश यादव, राहुल उर्फ नीरज परते, सूर्यकांत उर्फ सूर्या और कृष्ण कुमार उर्फ राजा की भूमिका सामने आई। कड़ी पूछताछ में आरोपियों ने अपना अपराध स्वीकार कर लिया जिसके बाद पुलिस ने सभी पांचों को गिरफ्तार कर लिया।

हत्याकांड के खुलासे में उप निरीक्षक अतुल वासनिक, जयंत पिछोड़े, विक्रम बघेल, राजेंद्र सिलेवार, सहायक उप निरीक्षक शिशांक श्रीवास्तव तथा पुलिसकर्मी अर्जुन रजक, इंदर सिंह राजपूत, उमेश प्रसाद मार्को, नवीन कठौते, सुरेश भटेरे और सूर्यचंद बघेल की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

संपादकीय

भारत को कर्ज का मर्ज

मई में भारत का निर्यात 45.20 अरब डॉलर था, जबकि आयात 73.41 अरब डॉलर का करना पड़ा। नतीजतन एक ही माह में व्यापार घाटा 28.21 अरब डॉलर का रहा। भारत का राजकोषीय घाटा और चालू खाता घाटा भी बढ़े हैं। राजकोषीय घाटा जीडीपी के 1 फीसदी से अधिक तक बढ़ सकता है। हमारी मुद्रा 'रुपए' का अवमूल्यन होता रहा है। अब कुछ पैसे कम हुआ है, लेकिन अब भी 94 रुपए से अधिक है। महंगाई की दर 10 फीसदी तक पहुंचने को है। बेरोजगारी की दर भी बढ़ी है। यह ईरान युद्ध और उससे उपजे संकटों और प्रभावित सप्लाई चेन के फलितार्थ हैं। युद्ध के कारण ईंधन और उर्वरक की सबसिडी का बोझ बहुत बढ़ा है, लिहाजा सरकारी पूंजी के अलावा, अतिरिक्त स्रोतों की तलाश सरकार कर रही है। खबर आई है कि भारत सरकार विश्व बैंक और एशियाई विकास बैंक से 2.5 अरब डॉलर का कर्ज लेने पर विचार कर रही है। भारतीय मुद्रा में यह कर्ज 23,600 करोड़ रुपए से अधिक का होगा। इसमें से 14,160 करोड़ रुपए विश्व बैंक और 9440 करोड़ रुपए एशियाई विकास बैंक से कर्ज लिया जा सकता है। कर्ज की घोषणा आगामी दो माह में, कभी भी, की जा सकती है। इस तरह अब भारत पर विश्व बैंक का कुल बकाया कर्ज करीब 39.3 अरब डॉलर है। यह कर्ज भारत सरकार और विश्व बैंक के बीच 5 वर्षीय समझौते का हिस्सा होगा, जिसके तहत 8-10 अरब डॉलर की सालाना वित्तीय मदद का प्रावधान है। यह भी देश के सामने स्पष्ट होना चाहिए कि भारत विश्व बैंक से सबसे अधिक कर्ज लेने वाले देशों की सूची में शीर्ष स्थान पर है। चिंतित सरोकार यह नहीं है कि ईरान युद्ध के कारण भारत में कर्ज लेने की नौबत आ गई है। अमरीका अपनी कुल जीडीपी से काफी ज्यादा करीब 39 ट्रिलियन डॉलर के कर्ज में है। युद्ध के कारण भारत, अमरीका समेत ब्रिटेन, जापान, द. कोरिया, चीन, रूस, जर्मनी, फ्रांस, इटली, सिंगापुर, कनाडा सरीखे देशों की जीडीपी गिरी है। इस सूची में जी-7 के सभी देश शामिल हैं। ईरान की जीडीपी 6 फीसदी से अधिक लुढ़की है। दरअसल जब अमरीका-ईरान के बीच समझौते के दस्तावेज पर दोनों देशों के राष्ट्रपतियों ने दस्तखत किए थे, तो शेष विश्व के साथ भारत ने भी राहत की सांस ली थी, लेकिन राष्ट्रपति ट्रंप ईरान को लगातार हमले की धमकियां देते रहे हैं, इजरायल ने लेबनान-हिज्बुल्ला पर 200 से अधिक हमले किए हैं, जिसमें कई हताहत हुए हैं, समझौता-वार्ता ना-नुकर के बीच ही घिसट रही है। ईरान ने होर्मुज को फिर बंद कर दिया है, हालांकि अमरीका का दावा इससे बिल्कुल उलट है। उसने 55 जहाजों-टैंकरों के गुजरने का दावा किया है। भारत के तीन टैंकर 8.6 लाख टन कच्चा तेल लेकर होर्मुज पार कर चुके हैं। हालात समझौते वाले नहीं लगते, लेकिन ट्रंप समझौते को लेकर बेहद उतावले और निराश हैं, लिहाजा संकट और किल्लत के आसार यथावत हैं। मई में खाद्य तेल 49.82 फीसदी महंगा हुआ है। कपड़ा, खाद, तेल-गैस आदि की कीमतें भी उछाल पर हैं। हालांकि 21 जून को कच्चे तेल की कीमत 81 डॉलर प्रति बैरल से अधिक थी। भारतीय बास्केट तो इससे महंगी होगी। इन संकटों के अलावा, अल-नीनो का खतरा मंडरा रहा है। कृषि अर्थशास्त्रियों के आकलन हैं चूंकि इस बार मॉनसून 38-40 फीसदी कमजोर रह सकता है, यानि जुलाई और उसके बाद का वक्त 'तनावपूर्ण' हो सकता है। तिलहन, सोयाबीन, दालों और सब्जियों की फसलें बुरी तरह प्रभावित हो सकती हैं, लिहाजा इनका महंगा होना स्वाभाविक है।

आधुनिक तकनीक और मजबूत इरादे रोकेंगे घुसपैठ

मधुरेन्द्र सिन्हा
वरिष्ठ पत्रकार

भारत की अंतर्राष्ट्रीय सीमाएं बहुत लंबी हैं और वे छह देशों से लगी हुई हैं। इनमें कई जगहों पर सेना तथा अर्धसैनिक बलों को तैनात करना पड़ा है। जैसे कि पाकिस्तान से लगती सीमा। यह अंतर्राष्ट्रीय सीमा 3,323 किलोमीटर लंबी है और इसकी देखभाल के लिए मुख्य तौर पर सीमा सुरक्षा बल तैनात है और जहां जंग जैसे हालात हैं वहां भारतीय सेना अपनी पूरी क्षमता के साथ तैनात है । लेकिन पिछले कई वर्षों से बांग्लादेश सीमा एक सिरदर्द बन गई है क्योंकि वहां से बड़े पैमाने पर घुसपैठ होने लगी थी। लाखों की तादाद में घुसपैठिये भारत में खासकर बंगाल और असम में आ घुसे। इन्हें रोकना एक चुनौती रही क्योंकि भारत-बांग्लादेश की सीमा बहुत लंबी यानी 4096 किलोमीटर की है जो पांच राज्यों को छूती है। इनमें कई जगहों पर न तो बाड़ है और न ही तार। इसका फायदा उठाकर घुसपैठिये भारत में आसानी से घुसते रहे हैं।

अब जबकि बंगाल में भाजपा आ गई है तो सीमा पर बाड़ लगाने का काम तेज हो गया है। बंगाल की तत्कालीन सरकार ने घुसपैठियों को रोकने तथा देश की रक्षा के इस महती प्रयास में जरा भी साथ नहीं दिया। जिसका नतीजा यह हुआ कि उन इलाकों में स्थानीय लोगों की तुलना में बाहरी लोग खासकर बंगाल में बांग्लादेशी बहुत बड़ी संख्या में बढ़े हैं। जनसंख्या में यह भारी बदलाव देश की सुरक्षा और स्थायित्व के लिए खतरा बनकर उभरा है। घुसपैठियों के आने से कई तरह की समस्याएं पैदा हुई हैं और एक खास समुदाय के लोगों की आबादी अभूतपूर्व तरीके से बढ़ी है।

दरअसल, जनसंख्या में यह बदलाव स्वाभाविक नहीं है बल्कि जानबूझकर और एक रणनीति के तहत अवैध तरीके से हुआ है। यह राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए एक गंभीर खतरा है। इस मुद्दे को गृह मंत्रालय ने प्रमुखता से न केवल उठाया बल्कि इसके समाधान के लिए भी बड़े कदमों की घोषणा की तथा उन्हें कार्यान्वित करवाना शुरू कर दिया है। इसके लिए पारंपरिक तरीकों की बजाय डिजिटल टेक्नोलॉजी और कुशल मैनेजमेंट प्रणाली का सहारा लिया जायेगा ताकि अवैध तरीके से घुसपैठ करने वालों को निकाल बाहर किया जाये।

इसी कड़ी में देश की सीमाओं को पक्का करने के लिए घोषणा की गई है कि एक देशव्यापी स्मार्ट बोर्डर प्लान परियोजना एक वर्ष में आरंभ की जायेगी। इसके जरिये सीमा सुरक्षा को न केवल मजबूत किया जायेगा बल्कि अवैध घुसपैठियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जायेगी। ताकि सीमा पार से घुसपैठ पर अंकुश लगे। इसके तहत गृह मंत्रालय देश की 6,000 किलोमीटर लंबी अंतर्राष्ट्रीय सीमा पर एक शक्तिशाली ग्रिड बनायेगा। इसमें निगरानी रखने वाली आधुनिकतम प्रणालियां जैसे ड्रोन, रडार, उच्च शक्ति वाले कैमरे और मॉनिटरिंग करने वाली अन्य टेक्नोलॉजी होगी ताकि सीमा सुरक्षा बल की क्षमताओं को बेहतर ढंग से बढ़ाया जा सके। इनकी मदद से दूर बैठकर ही जाना जा सकेगा कि कहां की सीमा पर खतरा है या कहां से घुसपैठ हो रही है। इससे हमारे सशस्त्र बलों को बहुत सुविधा होगी। उनके दिन-रात गश्त के बावजूद घुसपैठिये अपना काम कर जाते हैं लेकिन अब यह नहीं हो सकेगा। आधुनिक तकनीक से लैस ड्रोन आकाश से आसानी से निगरानी कर सकेंगे और रडार चेतावनी देंगे।

बंगाल की नई सरकार ने रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण चिकन नेक के पास 120 एकड़ जमीन सीमा सुरक्षा बल को दे दी है। वहां की पिछली सरकार ने अदालत के आदेश के बावजूद उस जगह को देने से इनकार कर दिया था। इस जगह को सिलीगुड़ी कॉरिडर कहा जाता है और शत्रु देश इसमें भारी घुसपैठ करके भारत के पूर्वोत्तर को उससे अलग कर सकता है। बांग्लादेश की भारत से लंबी सीमा में से अभी 600 किलोमीटर बिना बाड़ या किसी तरह के फेंस की थी। इस गैप को बंद करने के पीछे सीमा में अवैध घुसपैठ, तस्करी, पशुओं की चोरी, अवैध धंधे वगैरह पर अंकुश लगाना है। कुछ इलाकों में तो बांग्लादेश के निवासियों ने बाड़ लगाने के काम का पुरजोर विरोध भी किया और वहां के अर्धसैनिक बल ने भी उनका साथ दिया लेकिन सीमा सुरक्षा बल की सख्ती के कारण उनकी एक न चली और कंटीली तारें लगाने का काम जोर-शोर से चल रहा है। सरकार ने इसके लिए पर्याप्त फंड की भी व्यवस्था की है ताकि युद्ध-स्तर पर हो रहा काम रुकने न पाये।

पिछले महीने के अंत में गृह मंत्री अमित शाह ने देश में अवैध घुसपैठ और अप्राकृतिक जनसांख्यिकीय बदलाव को रोकने के लिए एक उच्चस्तरीय कमेटी की घोषणा की। ऐसा करके उन्होंने इस मामले को राजनीतिक न रहने देने की बजाय एक संस्थागत रूप में बदल दिया। यह कमेटी भारत में रह रहे हर अवैध घुसपैठिये की पहचान करेगी और उन लोगों पर कार्रवाई करेगी जो भारत में रह रहे हैं। इस कमेटी की अध्यक्षता सुप्रीम कोर्ट के पूर्व जज जस्टिस प्रकाश प्रभाकर नाओलेकर करेंगे। इस कदम से अवैध घुसपैठ को रोकने के काम को कानूनी और संस्थागत सहारा मिलेगा। यह कमेटी देश के कई हिस्सों में बड़े पैमाने पर घुसपैठ तथा अप्राकृतिक कारणों से हो रहे जनसांख्यिकी बदलाव का वैज्ञानिक तरीके से अध्ययन करेगी। कमेटी के सदस्य क्षेत्रीय और जिला स्तर पर इस बात का अध्ययन करेंगे कि अवैध घुसपैठ के कारण वहां की जनसंख्या में कितनी बढ़ोतरी हुई और उसका गवर्नेंस, जन सेवाओं तथा सामाजिक स्थिरता पर क्या असर पड़ा या पड़ रहा है। यह कमेटी समयबद्ध तरीके से अपनी रिपोर्ट पेश करेगी। इसके तुरंत बाद बाद एक राष्ट्रीय एक्शन योजना बनाई जायेगी।

संपूर्ण दवा सुरक्षा श्रृंखला मजबूत हो

चन्द्रकांत लहरिया
स्वास्थ्य नीति विशेषज्ञ

अक्टूबर, 2025 में, मध्य प्रदेश के एक ज़िले में संदूषित कफ सिरप पीने से बच्चों की मौत की खबरों ने देश को झकझोर दिया था। अब, जून, 2026 में, भारत सरकार ने कुछ नियम बदले हैं और 'शेड्यूल के' से सभी सिरप को अनुमति सूची से हटा दिया है। 'शेड्यूल के' में गांवों या ऐसी जगहों पर, जहां पर आबादी एक हज़ार से कम है, गैर-फ़ार्मेसी दुकानों पर भी सिरप बिक्री को मंज़ूरी थी। अब पूरे देश में, दवा युक्त सिरप आम दुकानों पर नहीं रखी जा सकती और उनकी बिक्री डॉक्टर की पर्ची पर होना अनिवार्य है। मध्य प्रदेश की कफ सिरप त्रासदी के बाद जांच हुई और कुछ नियामक पहल हुई। इस घटना की याद ने नीतिगत फ़ैसले को आकार दिया है। हालांकि, इसे मोटे तौर पर कफ सिरप की बिक्री के लिए डॉक्टर की पर्ची अनिवार्य किए जाने के फ़ैसले के तौर पर देखा जा रहा है, लेकिन सच तो यह है कि ज़्यादातर दवा युक्त कफ सिरपों में (हर्बल सिरप को छोड़कर) ऐसे तत्व होते हैं, जिनकी खरीद या बेचने से पहले डॉक्टर की पर्ची की अनिवार्यता हमेशा से थी। मगर, पालन नहीं किया जाता था। यह नीतिगत फ़ैसला स्पष्ट रूप से पर्ची की अनिवार्यता को सुदृढ़ करता है। सभी सिरपों में, भारत में सबसे अधिक गलत इस्तेमाल कफ़ सिरप का होता है। कई लोग बीमारी की सही शिनाख्त करवाए बिना खुद से इन्हें खरीद लेते हैं, छूत से लगी सर्दी-खांसी में इनका इस्तेमाल करते हैं जबकि इनसे फायदा बहुत कम होता है। सुरक्षा संबंधी चिंताओं के बावजूद यह छोटे बच्चों को बार-बार खुराक दी जाती है। धारणा बना ली कि मीठा तरल नुकसानदायक प्रतीत नहीं होता। कुछ सिरप फार्मूलों में एंटीहिस्टामाइन, डिकंजेस्टेंट, सिडेटिव, ओपिओइड या अल्कोहल जैसे तत्व होते हैं, जो फ़ायदे के बजाय नुकसान अधिक पहुंचा सकते हैं। किशोरों और वयस्कों में भी कुछ किस्म के सिरप का गलत इस्तेमाल होता है। पर्ची की अनिवार्यता बनने से लोग आसानी से इन्हें नहीं खरीद पाएंगे, पहले डॉक्टर से मिलना ज़रूरी हो जाएगा। फिर भी, यह कहानी का सिर्फ़ एक हिस्सा है। कई परेशान माता-पिता के लिए बच्चे की खांसी चिंताजनक हो जाती है, और डॉक्टर के पास जाने पर अगर सिरप न लिखा जाए तो उन्हें अक्सर लगता है कि इलाज अधूरा रह गया। मरीज़ अक्सर कफ सिरप लिखने की मांग करते हैं और अगर डॉक्टर मना कर दे, तो कुछ परिवार किसी दूसरे डॉक्टर का रुख करते हैं, जो इसे लिख दे। पुरानी पर्चियों को भी संभालकर रखा जाता है और मिलते-जुलते लक्षणों के लिए वही दवा दोबारा खरीदने में इस्तेमाल किये जाते हैं। ऐसे हालात में, नियमों में यह बदलाव गलत इस्तेमाल को कम कर सकता है, पर्ची की अनिवार्यता होने को मजबूत करता है और गलत इस्तेमाल को बढ़ावा देने वाले व्यवहार को बदल सकता है। बेशक, यह बदलाव स्वागतयोग्य है, लेकिन काफ़ी नहीं है। मध्य प्रदेश की कफ सिरप त्रासदी मुख्य रूप से डॉक्टर की पर्ची न होने के कारण नहीं हुई थी। यह बच्चों तक संदूषित उत्पाद पहुंचने के कारण हुई। जब डायथिलीन ग्लाइकॉल या एथिलीन ग्लाइकॉल-वे औद्योगिक रसायन, जो दवाओं में कदापि नहीं होने चाहिए-किसी सिरप में मिला दिए जाएँ, तो यह व्यवस्था-तंत्र की विफलता है, जिसकी ज़िम्मेदारी ऊपर स्तर पर बैठे नियामकों की है। इसमें कच्चे माल की खरीद, परीक्षण, लाइसेंसिंग, निरीक्षण और बाज़ार से उत्पाद हटाने जैसी प्रक्रियाओं की प्रभावी निगरानी आवश्यक होती है। डॉक्टर की परामर्श पर्ची उपयोग को तो नियंत्रित कर सकती है, लेकिन संदूषित खेप को सुरक्षित नहीं बना सकती। अन्य देश इस बाबत उपयोगी सबक हो सकते हैं। संयुक्त राज्य अमेरिका में, खांसी और जुकाम की कुछ दवाएं बिना डॉक्टर की पर्ची के उपलब्ध हैं, लेकिन नियामक दो साल से कम उम्र के बच्चों में इनके उपयोग पर चेतावनी देते हैं, और निर्माता आमतौर पर चार साल से कम उम्र के बच्चों के लिए उपयोग के खिलाफ लेबल पर लिखा होता है। यूनाइटेड किंगडम में, कई खांसी और जुकाम की दवाएं छह साल से कम उम्र के बच्चों के लिए अनुशंसित नहीं हैं, जबकि छह से बारह वर्ष की आयु के बच्चों में उनका उपयोग स्वास्थ्य कर्मी की देख-रेख में होता है। ऑस्ट्रेलिया ने भी छोटे बच्चों में इसके उपयोग को हतोत्साहित किया है और लेबल पर बाकायदा चेतावनी छापने को कड़ा कर रखा है। ये देश दुर्घटना अवसर घटाने के लिए केवल डॉक्टर की पर्ची पर निर्भर नहीं हैं। वे आयु प्रतिबंध, चेतावनी लेबल, डाक्टरी परामर्श, विष नियंत्रण प्रणाली, प्रतिकूल घटना पर त्वरित सूचना और निगरानी उपायों का उपयोग करते हैं। भारत को एक बहुस्तरीय दृष्टिकोण की आवश्यकता है। सर्वप्रथम, दो साल से कम उम्र के बच्चों को खांसी और जुकाम की दवाइयां न तो लिखी जानी चाहिए और न ही दी जानी चाहिए, सिवाय कुछ दुर्लभ मामलों में विशेषज्ञ की सलाह पर। इनसे बड़े बच्चों के लिए, मानकीकृत देखभाल की शुरुआत, दिलासा देने, तरल पदार्थ देकर, जरूरत पड़ने पर बुखार नियंत्रण, सेलाइन ड्रॉप्स, एक साल की उम्र के बाद शहद देना और स्पष्ट चेतावनी संकेतों को बूझना, जिन्हें चिकित्सकीय ध्यान की आवश्यकता है, जैसे उपायों से हो सकती है। माता-पिता को यह पता होना चाहिए कि ज्यादातर खांसी एक संक्रमण रोग है, अपने आप ठीक हो जाती है और इसके लिए सिरप की जरूरत नहीं होती। दूसरा, उत्पादन नियमों को और अधिक सुदृढ़ किया जाना चाहिए। प्रत्येक पी जाने वाली दवा, जिसमें ग्लिसरीन, प्रोपिलीन ग्लाइकॉल या सॉर्बिटोल जैसे सहायक पदार्थ शामिल होते हैं, उनकी विषाक्तता की अनिवार्य जांच की जानी चाहिए। कच्चे माल के आपूर्तिकर्ता लाइसेंस धारक हों, और उन पर नजर रखी जानी चाहिए। राज्य औषधि नियामकों को प्रशिक्षित निरीक्षकों, आधुनिक प्रयोगशालाएं, डिजिटल रिकॉर्ड और दबाव से मुक्ति की आवश्यकता है। बार-बार उल्लंघन करने पर केवल अस्थायी निलंबन ही नहीं, बल्कि मुकदमा और लाइसेंस रद्द करने की कार्रवाई भी होनी चाहिए। तीसरा, विषाक्ता का पता लगने पर शेष दवा को बाज़ार से तुरंत हटाने वाली प्रणाली होना जरूरी है। एक बार दूषित उत्पाद का संदेह होने पर, सूचना दिनों की बजाय घंटों में प्रसारित होनी चाहिए। एक राष्ट्रीय डिजिटल दवा रिकॉल प्लेटफॉर्म हो, जोकि बैच नंबर, फार्मेसियों, डॉक्टरों, अस्पतालों और आम जनता से जुड़ा हो, इससे कई जानें बच सकती हैं। हर बोतल पर एक क्यूआर कोड होना चाहिए जिसके माध्यम से माता-पिता निर्माता, बैच नंबर, समाप्ति तिथि और रिकॉल की स्थिति की पुष्टि कर सकें।

कमजोर मानसून का विकास दर पर असर

डॉ. जयंतीलाल भंडारी
अर्थशास्त्री

आरबीआई द्वारा भारतीय अर्थव्यवस्था की स्थिति पर जारी हालिया रिपोर्ट में कहा गया है कि दक्षिण-पश्चिम मानसून के कमजोर रहने से देश की कृषि और विकास दर पर असर पड़ सकता है। इस समय जून माह में समय से पीछे चल रहे मानसून ने खरीफ फसलों को लेकर चिंताएं बढ़ा दी हैं। अभी तक करीब 42 प्रतिशत बारिश कम होने से नकदी फसलें कपास और सोयाबीन बुवाई के आरंभिक दौर में पिछड़ गई हैं। ऐसे में कृषि तथा अर्थव्यवस्था के सामने अल-नीनो और कमजोर मानसून से सूखे की आशंका तथा महंगाई की चुनौतियां उभरकर दिखाई दे रही हैं। संयुक्त राष्ट्र संघ के विश्व मौसम विभाग ने अपनी रिपोर्ट में कहा है कि वर्ष 2026 में भारत अल-नीनो से अत्यधिक प्रभावित होगा। कमजोर मानसून और सूखे की स्थिति कृषि, जल आपूर्ति और महंगाई के परिदृश्य पर चुनौतियां निर्मित करते हुए दिखाई देगी।

इससे पहले वर्ष 2015 में भारत में अत्यधिक कम बारिश रिकॉर्ड की गई थी, उस समय मानसून सामान्य से लगभग 13 प्रतिशत कम था। इस वर्ष मानसून के दौरान अल-नीनो की स्थिति मजबूत होने की वजह से बारिश अत्यधिक कम होगी। इतना ही नहीं, जलाशयों के सूखने और खेती के लिए पानी की कमी की चिंता बढ़ गई है। यह परिदृश्य भारत द्वारा वित्त वर्ष 2025-26 के दौरान लक्षित विकास दर को बनाए रखने के लिए एक चुनौती दिखाई दे रहा है। नीति आयोग के मुताबिक देश के कुल फसल रकबे का केवल 55 प्रतिशत सिंचित है और 45 प्रतिशत खेती मानसून पर निर्भर है। सीडब्ल्यूएमआई के अनुसार, लगभग 74 प्रतिशत गेहूं और 65 प्रतिशत चावल की खेती वाले क्षेत्र पहले से ही भारी जल-संकट का सामना कर रहे हैं। व्यावसायिक फसलों और औद्योगिकीकरण की ओर बढ़ते रुझान से भारत में मानसून की वर्षा पर निर्भरता बढ़ी हुई है।

मौजूदा परिदृश्य देश के वर्तमान सुकूनदायक कृषि क्षेत्र के समक्ष एक चुनौती बनकर दिखाई दे रहा है। कम बारिश से जलाशयों में पानी का स्तर गिरने से सिंचाई और पीने के पानी की उपलब्धता प्रभावित होगी, ऐसे में अभी से जल संरक्षण के प्रयास शुरू होने चाहिए। भारत को फसल विविधीकरण और खेती में आधुनिक तकनीक के एकीकरण के साथ आगे बढ़ना होगा।

कमजोर मानसून और अल-नीनो के खतरे के पूर्वानुमान के बीच खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करते हुए खाद्य भंडारण को मजबूत करना होगा। भारत में अनाज का रिकॉर्ड उत्पादन एक 'सुरक्षा कवच' की तरह है। यह बात भी महत्वपूर्ण है कि वर्ष 2008 की वैश्विक मंदी में भी भारत की अर्थव्यवस्था खाद्यान्न ताकत के कारण बहुत कम प्रभावित हुई। इतना ही नहीं, कोरोना से जंग में देश के खाद्यान्न भंडार देश के लिए हथियार बन गए थे। इसलिए गेहूं के आगामी किसी भी नए निर्यात आदेश की पूर्ति के लिए सजगता रखनी होगी। चूंकि इस साल खरीफ सीजन की बुवाई शुरू से ही कम रहने से देश के किसानों और नीति-निर्माताओं की चिंताएं बढ़ गई हैं। मौसम विभाग के अनुसार देश के कई हिस्सों में पिछले 10 सालों का सबसे खराब और सूखा मानसून देखने को मिल सकता है। अल-नीनो के बढ़ते असर को देखते हुए केंद्र सरकार ने 1 जून, 2026 से देशव्यापी 'खेत बचाओ' अभियान के तहत रणनीतिपूर्वक कदम बढ़ाए हैं। इसके तहत किसानों को उनके इलाके और फसल के हिसाब से खास सलाह दी जा रही है, ताकि वे मौसम के जोखिमों को समझकर सही निर्णय ले सकें। इसके साथ-साथ किसानों को उनके इलाके के मौसम, वहां की मिट्टी और बाजार की मांग के हिसाब से कृषि उत्पादन संबंधी व्यावहारिक मार्गदर्शन भी दिया जा रहा है।

सरकार ने एक व्यापक और सहयोगी ढांचा तैयार किया है। इस अभियान में स्थानीय पंचायतों, राज्य सरकारों, कृषि विज्ञान केंद्रों, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के संस्थानों और स्थानीय कृषि विभागों को एक साथ जोड़ा गया है। कृषि मार्गदर्शन की पहुंच मजबूत करने के लिए 1,600 से ज्यादा विशेष टीमें बनाई गई हैं। ये टीमें खेतों में जाकर किसानों को किसान क्रेडिट कार्ड और पीएम-किसान जैसी योजनाओं का लाभ दिलाने में मदद भी करेंगी। इसके साथ ही दालों और तिलहनों के उत्पादन को बढ़ाने, ऑयल पाम की खेती, कॉटन मिशन, सॉइल हेल्थ मैनेजमेंट और जल संरक्षण जैसे अभियानों को भी इसी अभियान से जोड़कर जागरूकता फैलाई जाएगी।

कॉकरोची सवाल व शिक्षा के असली संकट

एक काल्पनिक स्थिति के बारे में सोचिए। सत्ताधारी सरकार-जो लोगों की बात सुनने की कला के लिए विशेष तौर पर नहीं जानी जाती-उसने 'कॉकरोच जनता पार्टी' की मांगों को गंभीरता से लिया है। कल्पना कीजिए कि संबंधित केंद्रीय मंत्री ने अपनी अंतरात्मा की आवाज़ फिर पा ली और उन्होंने इस्तीफ़ा दे डाला। कल्पना कीजिए कि नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (केंद्रीय परीक्षा एजेंसी) के अधिकारी ईमानदारी और निष्ठा से काम करने लगे हैं।

कल्पना कीजिए कि बारम्बार की पेपर लीक घटनाएं अतीत की बात हो गई हैं और नीट जैसी मानकीकृत कर दी गईं परीक्षाएं सुचारु रूप से आयोजित हो रही हैं। क्या यह आवश्यक तौर पर संकेत है कि ऐसी काल्पनिक परिस्थिति में शिक्षा के मुख्य चलन के साथ सब चीज़ें ठीक हो जाएंगी? इसका साफ़ जवाब है 'नहीं'। असल में, हमें यह समझने के लिए गहराई में जाने की ज़रूरत है कि शिक्षा की मौजूदा संस्कृति में जो बीमारी व्याप्त है, वह सिर्फ़ पेपर लीक होने या संबंधित अधिकारियों की गैर-ज़िम्मेदाराना हरकत तक सीमित नहीं है। सर्वप्रथम, अब समय आ गया है कि हममें से कुछ लोग खुलकर कहें कि नीट, जेईई या सीयूईटी जैसी एमक्यूएम-आधारित मानकीकृत परीक्षाओं का सिद्धांत ही सबसे अधिक समस्या है। असल में, मुझे यह कहने में कोई हिचकिचाहट नहीं है कि इन मानकीकृत परीक्षाओं की तैयारी करने की प्रक्रिया ही दिमाग को एक खास सांचे में ढाल देती है, सोचने-समझने के दायरे को सीमित कर देती है और आलोचनात्मक सोच एवं रचनात्मक कल्पनाशीलता की क्षमता को कुंद कर देती है। अगर आप ध्यान से देखें तो, भौतिकी का छात्र अपने स्कूल की भौतिकी प्रयोगशाला में इसलिए जाने से कतराता है क्योंकि उसे कोचिंग सेंटर के 'रणनीतिकार' से पढ़ना और ओएमआर शीट पर जितनी जल्दी हो सके 'सही' जवाब पर टिक लगाने की तकनीक सीखना ज़्यादा भाता है। जब शिक्षा केवल मानकीकृत परीक्षाओं का प्रशिक्षण बनकर रह जाए तो विद्यालय-जो कि गहन सीखने-सिखाने की जगह होते हैं-धीरे-धीरे अप्रासंगिक हो जाते हैं। वे सभी चीज़ें जो स्कूली शिक्षा को जीवंत और आनंदमय बना सकती थीं-जैसे कि भौतिकी और जीव-विज्ञान प्रयोगशाला में विज्ञान के प्रयोगों से पैदा होने वाली जिज्ञासा; स्कूल लाइब्रेरी में नई किताबें पढ़ने और उन्हें छूने का बेपनाह आनंद; कक्षा में होने वाली गहन चर्चा और बहस; और खेल, संगीत व थिएटर का रोमांच-सब अप्रासंगिक हो जाते हैं। इसके बजाय, जो बचता है वह है 'डमी स्कूलों' की कठोर सच्चाई, कोचिंग सेंटरों का दबाव और शारीरिक रूप से थके हुए एवं मानसिक रूप से आहत किशोरों की बेचैनी, जिन्हें फुटबॉल खेलने, कोई अच्छा उपन्यास पढ़ने या लंबी सैर पर जाने के लिए शायद ही कोई 'फालतू' समय मिल पाता है। इसके अलावा, बार-बार होने वाली अभ्यास परीक्षाएं, जिनसे कोचिंग 'गुरु' लगातार छात्रों की 'गति' और 'कौशल' मापते हैं, उनके बचपन के सुनहरे सालों को बर्बाद कर देते हैं। इसमें कोई हैरानी की बात नहीं है कि वे अपने माता-पिता के सामने अपनी 'काबिलियत' साबित करने की कभी न खत्म होने वाली चिंता में जीते हैं, मां-बाप के लिए बच्चों के लिए 'सफलता' ही उनकी इज्जत का मोल बन जाती है। असल में, कोई भी समझदार शिक्षक और शिक्षाविद? यही कहेगा कि प्रशिक्षण का यह तरीका एक ऐसी मशीनी और बंधी-बंधाई सोच वाली मानसिकता बनाता है जो बच्चों में अस्पष्टताओं, जटिलताओं और बारीक बातों को समझने या उनके साथ जीने में पूरी तरह नाकाम कर देती है। सिर्फ़ इतना ही नहीं, इस बेचैन पीढ़ी को कई तरह की मानसिक स्वास्थ्य समस्याएं-जैसे कि अवसाद, अकेलापन और आत्महत्या के ख्यालों-का सामना करना पड़ रहा। इस बीच, भारत का 'स्याह' शिक्षा तंत्र-यानी कोचिंग फ़ैक्टरियां-चोखा धंधा कर रहे हैं। दूसरी बात, भले ही सब कुछ विवादों से मुक्त लगे, लेकिन सच तो यह है कि नीट या जेईई जैसी मानकीकृत परीक्षाएं कभी भी निष्पक्ष नहीं होतीं।

वर्गों और जातियों में बंटे हमारे जैसे समाज में, जहां सामाजिक, सांस्कृतिक और आर्थिक समृद्धि के आधार पर तमाम किस्म की असमानताएं मौजूद हैं, कोई भी मुक़ाबला निष्पक्ष नहीं हो सकता। यह समझने के लिए किसी को समाज विज्ञानी होने की ज़रूरत नहीं है कि ग्रामीण सरकारी स्कूल के किसी गरीब या निम्न-मध्यम वर्गीय लड़के के मुकाबले, किसी अमीर और ऊंचे रसूख वाले परिवार का बेटा-जो किसी ब्रांडेड कोचिंग सेंटर से खास ट्रेनिंग का खर्च उठा सकता है-वह मुक़ाबला पहले ही जीत चुका होता है। भले ही कभी-कभार आप और मैं किसी टैक्सी ड्राइवर के बेटे या गरीब किसान की बेटी के नीट या जेईई जैसे अहम इम्तिहान पास करने की असाधारण कहानी अपवादवश सुनते हों, लेकिन कड़वा सच यह है कि ये सभी इम्तिहान निष्पक्ष होने के बजाय, समाज में पहले से मौजूद सामाजिक और आर्थिक असमानता को ही बढ़ावा देते हैं। इसलिए मान लेना चाहिए एक निष्पक्ष मुक़ाबले का विचार महज़ भ्रम है, और इसलिए, मेरिटोक्रेसी (योग्यता-आधारित व्यवस्था) के तर्क वाली इस व्यवस्था को सही ठहराने का कोई कारण नहीं बनता।

और आखिर में, इस पूरी बीमारी को तब तक ठीक से नहीं समझा जा सकता जब तक हम यह न देखें कि कैसे नव-उदारवाद की 'मशीनी' सोच ने शिक्षा की लोकतांत्रिक और आज़ाद बनाने वाली क्षमता को खत्म कर डाला है। जैसे-जैसे बाज़ारवाद का सिद्धांत हावी हो रहा है, शिक्षा सिर्फ़ ऐसी नौकरियों के लिए प्रशिक्षण बनकर रह गई है जो टेक्नो-कॉर्पोरेट मशीन की आर्थिक उत्पादकता बढ़ाती हैं। इसमें कोई हैरानी की बात नहीं है कि हम लिबरल आर्ट्स और ह्यूमैनिटीज़ (मानविकी) विषयों की निरंतर गिरती अहमियत देख रहे हैं; हमने लगभग यह मान लिया है कि देश को अच्छे इतिहासकारों, मानव-विज्ञानियों, दार्शनिकों, कलाकारों, पत्रकारों या फ़िल्म निर्माताओं की ज़रूरत नहीं है; ऐसा लगता है कि देश को सिर्फ़ ऐसे आज्ञाकारी इंजीनियरों या टेक्नो-मैनेजरों की ज़रूरत है जो बिना किसी आलोचनात्मक सोच के अपने कॉर्पोरेट मालिकों की नौकरी कर सकें, या ऐसे लालची डॉक्टरों की जो प्राइवेट सुपर-स्पेशियलिटी अस्पतालों में नौकरी करें और स्वास्थ्य या इलाज को एक महंगी वस्तु की भांति बेचें। कोई हैरानी नहीं कि महत्वाकांक्षी वर्ग मुनाफ़ा कमाने वाले इन पेशों को जो एकतरफ़ा अहमियत देता है, उसने नीट और जेईई जैसी मानकीकृत परीक्षा को जीवन-मरण का सवाल बना दिया है। चाहे पेपर लीक हो या न हो, पूरी प्रक्रिया ही बीमारू है।

भूकंप से थर्राया वेनेजुएला : 164 मरे, 900 से अधिक घायल

कार्यवाहक राष्ट्रपति डेल्सी रोड्रिगेज ने देश में लगाई इमरजेंसी

कारकास (वार्ता)

दक्षिण अमेरिकी देश वेनेजुएला में आये भूकंप के कारण हुए हादसों में मरने वालों की तादाद 164 हो गयी है, जबकि करीब 971 लोग घायल हुए हैं। इस हादसे में हताहत लोगों की संख्या हजारों में होने का भी अनुमान लगाया जा रहा है। कार्यवाहक राष्ट्रपति डेल्सी रोड्रिगेज ने हादसे की व्यापकता को देखते हुए देश में इमरजेंसी लगा दी है। अमेरिकी संस्था यूएसजीएस ने बताया दो भूकंप वेनेजुएला के मोरोन शहर से 16 किलोमीटर और सैन फेलिप से 24 किलोमीटर दूर भारतीय समयानुसार गुरुवार तड़के 3.34 बजे आये। पहले भूकंप के तुरंत बाद ही दूसरा भूकंप आया और रिक्टर स्केल पर इनकी तीव्रता 7.2 और 7.5 मापी गयी। भूकंप के झटके पूरे वेनेजुएला सहित लैटिन अमेरिका के अन्य देशों में भी महसूस किये गये। राष्ट्रपति रोड्रिगेज के अनुसार राजधानी काराकस से लेकर तटीय शहर कैटिया ला मार तक पूरे देश में इमारतें गिरने की खबर है। उन्होंने बताया कि भूकंप हादसों में मरने वाले की संख्या 164 हो गयी है और एक हजार से अधिक घायल हैं। लेकिन कुछ स्वतंत्र आकलन करने वाली एजेंसियों के अनुसार हताहतों की संख्या हजारों में हो सकती है। एक अमेरिकी एजेंसी के हवाले से कहा गया है कि मरने वालों की तादाद कम से कम 10 हजार तक हो सकती है और घायलों का आंकड़ा एक लाख के पार जा सकता है। सुश्री रोड्रिगेज ने खोज और बचाव के लिए एक विशेष टास्क फोर्स की घोषणा कर दी है। वेनेजुएला की नेशनल असेंबली के अध्यक्ष के अनुसार, तटीय राज्य ला गुएरा सबसे बुरी तरह प्रभावित हुआ है। देश भर में स्कूलों में कक्षाएं एक सप्ताह के लिए स्थगित कर दी गयी हैं, और रेल सेवाएं और गैर-जरूरी गतिविधियां अस्थायी रूप से रद्द कर दी गयी हैं। काराकस अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा अस्थायी रूप से बंद है। वेनेजुएला के सुरक्षा बलों सहित सैकड़ों कर्मचारी अब संकट से निपटने के लिए मौके पर मौजूद हैं।

प्रधानमंत्री मोदी ने जताई चिंता

इस विनाशकारी आपदा के बाद विश्व के सभी प्रमुख देशों ने वेनेजुएला की ओर मदद का हाथ बढ़ाया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस भीषण भूकंप में जानमाल के नुकसान पर गहरी चिंता व्यक्त की है। देश के लोगों की ओर से शोक संवेदना व्यक्त करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की और इस त्रासदी से प्रभावित सभी लोगों के प्रति एकजुटता व्यक्त की। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि इस मुश्किल समय में भारत हर संभव सहायता देने के लिए तैयार है।

मदद के लिए बढ़े हाथ

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भी सहायता के लिए हाथ बढ़ाते हुए कहा कि वाशिंगटन मदद के लिए तैयार और सक्षम है। अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने कहा कि अमेरिका तुरंत वेनेजुएला में खोज और बचाव दल, चिकित्सा संसाधन और मानवीय सहायता भेज रहा है। कोलंबिया, मैक्सिको, पेरू, अर्जेंटीना, तुर्की और पनामा सहित कई अन्य देशों ने संवेदना और सहायता की पेशकश की है। सुश्री रोड्रिगेज के मुताबिक अमेरिका, पनामा, कतर, क्यूबा, निकारागुआ, तुर्की, जॉर्डन, कोलंबिया, बारबाडोस, इंगलैंड, ब्राजील और मेक्सिको तुरंत वेनेजुएला का सहयोग करने के लिए आगे आये। अमेरिका और अंतरराष्ट्रीय वित्तीय संस्थाओं के प्रतिनिधियों ने भी वेनेजुएला सरकार से संपर्क किया और प्राकृतिक आपदा से निपटने में मदद करने का आश्वासन दिया है।

केन्या में 'जेन-जी' का प्रदर्शन, आगजनी भी की

नैरोबी (वार्ता)

केन्या में पिछले साल 25 जून को हुए विरोध प्रदर्शनों के दौरान मारे गये लोगों की याद में गुरुवार को देश के विभिन्न हिस्सों में 'जेन-जी' द्वारा कार्यक्रम आयोजित किये गये। इस दौरान राजधानी नैरोबी में आगजनी और पुलिस के आंसू गैस के गोले छोड़ने की खबरें सामने आयी हैं। स्थानीय मीडिया के अनुसार, राजधानी नैरोबी के गिथुरई इलाके में प्रदर्शनकारियों ने सड़क पर ही अलाव जलाकर आग लगा दी, जिससे यातायात बुरी तरह प्रभावित हुआ। सोशल मीडिया पर आये वीडियो में सड़क से धुआं और आग की लपटें उठती दिखायी दीं। भीड़ को तितर-बितर करने और स्थिति पर काबू पाने के लिए सुरक्षाकर्मियों और दंगा-रोधी पुलिस बल को तैनात किया गया है। पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को हटाने के लिए आंसू गैस के गोले भी दागे। इस बीच सुरक्षा बल सड़क पर लगी आग को बुझाने का प्रयास करते देखे गये। इस हंगामे के कारण इलाके में कुछ सड़कों पर सुबह के समय यातायात बाधित हुआ और आम लोगों की आवाजाही सामान्य दिनों की तुलना में काफी कम रही। केन्या के आंतरिक और राष्ट्रीय प्रशासन मामलों के कैबिनेट सचिव किपचुम्बा मुरकोमेन ने कहा है कि लोगों की सुरक्षा, संपत्ति और महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे की रक्षा के लिए नैरोबी के प्रमुख मार्गों और प्रवेश द्वारों पर सुरक्षा एजेंसियों को तैनात किया गया है। कैबिनेट सचिव ने कहा कि पुलिस अधिकारियों की तैनाती इसलिए की गयी है, ताकि इस 'जेन जी प्रदर्शन' के दौरान न्यूनतम व्यवधान के साथ वैध गतिविधियां सुचारू रूप से चलती रहें। प्रदर्शन से पहले जारी एक सार्वजनिक परामर्श में श्री मुरकोमेन ने कहा कि हर केन्याई नागरिक को शांतिपूर्ण ढंग से एकत्र होने, प्रदर्शन करने और याचिका सौंपने का संवैधानिक अधिकार है। इसके साथ ही उन्होंने प्रदर्शनकारियों से कानून के दायरे में रहने तथा सार्वजनिक और निजी संपत्ति का सम्मान करने का आग्रह किया है।

बंगलादेश-चीन तीस्ता नदी परियोजना पर सहयोग को सहमत

बीजिंग (वार्ता)। बंगलादेश और चीन तीस्ता नदी परियोजना सहित नदी प्रबंधन के क्षेत्र में आपसी सहयोग को और गहरा करने पर सहमत हुये हैं। बंगलादेश के प्रधानमंत्री तारिक रहमान और चीन के जल संसाधन मंत्री ली गुओयिंग के बीच बीजिंग के स्टेट गेस्ट हाउस में हुई एक उच्च स्तरीय बैठक में यह सहमति बनी। बंगलादेश के प्रधानमंत्री कार्यालय द्वारा जारी विज्ञप्ति के अनुसार, बैठक के दौरान रहमान ने बाढ़ के जोखिम को कम करने और पर्यावरण संरक्षण के लिए बंगलादेश में तीस्ता में गाद सफाई के चलाए जा रहे कार्यक्रम की जानकारी दी। उन्होंने जल संसाधन प्रबंधन क्षमता को मजबूत करने के लिए चीन से बड़े सहयोग की अपील की और विशेष रूप से तीस्ता नदी परियोजना को लागू करने में चीनी तकनीकी सहायता की उम्मीद जतायी। बैठक में रहमान ने नदी तट के कटाव को रोकने, सिंचाई व्यवस्था को दुरुस्त करने और अंतर्देशीय नौवहन को बढ़ाने में भी चीनी सरकार से मदद मांगी। इस पर चीन के मंत्री ने कहा कि बंगलादेश को जल प्रबंधन में चीन के दीर्घकालिक अनुभवों का लाभ उठाना चाहिए। उन्होंने बंगलादेश के जल विशेषज्ञों और संबंधित अधिकारियों को चीन में विशेष प्रशिक्षण के लिए आमंत्रित भी किया।

राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार के लिए 10 जुलाई तक करें आवेदन

नई दिल्ली (वार्ता)। शिक्षा मंत्रालय के अंतर्गत स्कूल शिक्षा एवं साक्षरता विभाग ने राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार 2026 के लिए ऑनलाइन आवेदन और नामांकन आमंत्रित किए हैं जिसमें शिक्षक 10 जुलाई तक राष्ट्रीय पुरस्कार पोर्टल पर ऑनलाइन स्वयं-नामांकन कर सकते हैं। शिक्षा मंत्रालय ने गुरुवार को बताया कि यह पुरस्कार स्कूल शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान देने वाले शिक्षकों को सम्मानित करने के उद्देश्य से प्रदान किया जाता है। विभाग द्वारा जारी सूचना के अनुसार, केंद्र सरकार, राज्य सरकारों, केंद्र शासित प्रदेश, स्थानीय निकायों तथा मान्यता प्राप्त बोर्डों से संबद्ध सहायता प्राप्त एवं निजी विद्यालयों में कार्यरत पात्र शिक्षक आवेदन कर सकते हैं। आवेदन निर्धारित दिशा-निर्देशों और पात्रता शर्तों के अधीन स्वीकार किए जाएंगे।

आप ने राम मंदिर जमीन खरीद मामले में एसआईटी को सौंपे दस्तावेज

नई दिल्ली (वार्ता)। आम आदमी पार्टी के राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने राम मंदिर जमीन खरीद मामले से जुड़े कथित गड़बड़ी के दस्तावेज उत्तर प्रदेश सरकार की एसआईटी को सौंप दिए हैं। सिंह ने लखनऊ में गुरुवार को एसआईटी अध्यक्ष विजय विश्वास पंत से मुलाकात के बाद दावा किया कि उन्होंने 11 दस्तावेज सौंपे हैं, जिनमें मंदिर ट्रस्ट द्वारा कथित रूप से बाजार मूल्य से कई गुना अधिक कीमत पर जमीन खरीदने से संबंधित जानकारी शामिल है। उन्होंने कहा कि इन दस्तावेजों के आधार पर आगे क्या कार्रवाई होगी, यह जांच एजेंसी पर निर्भर करेगा। सिंह ने दावा किया कि उनके द्वारा सौंपे गये दस्तावेजों में कई जमीन सौदों का उल्लेख है, जिनमें कथित तौर पर कम कीमत की जमीन को ट्रस्ट द्वारा कई गुना अधिक मूल्य पर खरीदा गया। उन्होंने आरोप लगाया कि कुछ मामलों में दान में मिली जमीन भी ऊंची कीमत पर ट्रस्ट को बेची गयी, जबकि एक मामले में नजूल भूमि की खरीद का भी जिक्र है। उनका कहना है कि इन सभी मामलों की निष्पक्ष जांच आवश्यक है ताकि सच्चाई सामने आ सके। आप के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने मामले की जांच प्रक्रिया पर सवाल उठाते हुए कहा कि एसआईटी केवल छोटे कर्मचारियों से पूछताछ कर रही है, जबकि बड़े स्तर पर लगे आरोपों की निष्पक्ष जांच होनी चाहिए।

खराब सामान बेचने पर अमेजन के अधिकारी सहित दो पर केस दर्ज

मुंबई (वार्ता)। महाराष्ट्र के खाद्य एवं औषधि प्रशासन ने भिवंडी इलाके में ऑन लाइन सामान बेचने वाली कंपनी अमेज़न के एक खुदरा गोदाम से लगभग डेढ़ टन ऐसा खाने- पीने का सामान जब्त किया है, जिनकी मियाद निकल चुकी थी। इस कार्रवाई के दौरान एक ऐसे रैकेट का भंडाफोड़ हुआ है, जिसके तहत खराब हो चुके सामान को फर्जी प्रमाणपत्रों के जरिए नष्ट हुआ दिखाकर वापस बाजार में बिकने के लिए भेज दिया जाता था। स्थानीय समाजवादी पार्टी विधायक रईस शेख के इस मुद्दे को उठाये जाने के बाद की गयी इस कार्रवाई में अमेज़न के एक अधिकारी सहित दो लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। यह मामला हाल ही में भिवंडी के खंडपाड़ा इलाके में हुई एक घटना के बाद चर्चा में आया, जहां लगभग 120 लोग खराब खाना खाने से बीमार हो गये थे। महाराष्ट्र विधानमंडल के जारी मानसून सत्र के दौरान विधायक शेख ने भिवंडी के गोदामों से खराब हो चुके खाद्य उत्पादों को दोबारा बाजार में बेचे जाने पर गंभीर चिंता जताते हुए इस पर तत्काल रोक लगाने की मांग की थी। अधिकारी अरविंद कोडलेकर के नेतृत्व में एफडीए टीम ने सरावली गांव इलाके में स्थित अमेज़न के खुदरा गोदाम पर छापा मारा। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों को वहां लगभग डेढ़ टन ऐसे खाद्य उत्पाद जमा मिले जो खराब हो चुके थे।

नागरिकों के डिजिटल डाटा की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता : डॉ. पंकज

नई दिल्ली (वार्ता)। दिल्ली के सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री डॉ. पंकज कुमार सिंह ने गुरुवार को कहा कि डिजिटल युग में सरकारी डेटा और नागरिकों के डिजिटल डाटा की सुरक्षा सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। डॉ. पंकज ने राज्य डेटा के लिए साइबर सुरक्षा ढांचे को सुदृढ़ बनाने विषय पर आज यहां आयोजित राज्य स्तरीय परामर्श कार्यशाला में कहा कि डिजिटल युग में सरकारी डेटा और नागरिकों के डिजिटल डाटा की सुरक्षा सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि तेजी से बदलते साइबर खतरों के बीच सरकारी प्रणालियों को सुरक्षित रखना केवल तकनीकी आवश्यकता नहीं, बल्कि नागरिकों के प्रति सरकार की जिम्मेदारी भी है। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के डिजिटल रूप से सशक्त और पारदर्शी दिल्ली के विजन के अनुरूप सरकार साइबर सुरक्षा व्यवस्था को लगातार मजबूत कर रही है। उन्होंने कहा कि डिजिटल तकनीकों के बढ़ते उपयोग के साथ साइबर अपराधी अधिक जटिल और उन्नत तरीकों का इस्तेमाल कर रहे हैं, जिनकी कोई भौगोलिक सीमा नहीं होती। ऐसे में सरकारी संस्थानों के लिए सतर्क रहना, साइबर क्षमता का विस्तार करना और भविष्य की चुनौतियों के अनुरूप सुरक्षित डिजिटल प्रशासन सुनिश्चित करना अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने सभी विभागों से साइबर सुरक्षा के सर्वोत्तम मानकों को अपनाने और संस्थानों में साइबर जागरूकता की संस्कृति विकसित करने का आह्वान किया।

खाड़ी से अमेरिकी सैन्य ठिकाने खत्म करने से ही हो सकती है वैश्विक उर्जा आपूर्ति की सुरक्षा: ईरान

नई दिल्ली (वार्ता)

ईरान के तेल मंत्री मोहसिन पाकनेजाद ने कहा है कि पश्चिम एशिया में स्थायी स्थिरता और वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति की सुरक्षा तभी हासिल की जा सकती है, जब क्षेत्र से विदेशी बलों की वापसी हो और अमेरिकी सैन्य ठिकानों को खत्म किया जाए। पाकनेजाद ने गुरुग्राम में आयोजित 11वीं ब्रिक्स ऊर्जा मंत्रियों की बैठक में कहा कि ईरान सुरक्षित और किफायती ऊर्जा आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए ब्रिक्स सदस्यों के बीच ऊर्जा सहयोग को मजबूत करने में सक्रिय और रचनात्मक भूमिका निभाने के लिए तैयार है। उन्होंने ईरान के खिलाफ हाल ही में अमेरिका-इजरायल के युद्ध के दौरान देश के तेल, गैस, रिफाइनिंग और पेट्रोकेमिकल बुनियादी ढांचे पर हुए हमलों का जिक्र करते हुए इसे वैश्विक ऊर्जा सुरक्षा के खिलाफ एक अंधा युद्ध बताया। उन्होंने कहा कि इन हमलों के कारण बुनियादी ढांचों को नुकसान पहुंचा, तेल उद्योग के कर्मचारियों की जान गयी, पर्यावरणीय क्षति हुई, आपूर्ति श्रृंखला बाधित हुई और फारस की खाड़ी क्षेत्र में हजारों परिवारों को आर्थिक कठिनाइयों का सामना करना पड़ा। पाकनेजाद ने चेतावनी दी कि इस तरह की कार्रवाइयों के नतीजों ने ऊर्जा बाजार में अस्थिरता, कच्चे माल की बढ़ती कीमतों और दुनिया भर में जीवन यापन की लागत बढ़ाने में योगदान दिया है। उन्होंने जोर देकर कहा कि ऐसे हमले अंतरराष्ट्रीय कानून और संयुक्त राष्ट्र चार्टर का स्पष्ट उल्लंघन हैं। उन्होंने जोर दिया कि बढ़ती ऊर्जा मांग, भू-राजनीतिक जोखिम, बाजार की अस्थिरता, जलवायु चुनौतियों और निवेश की बाधाओं के लिए अधिक अंतरराष्ट्रीय सहयोग और व्यावहारिक नीति निर्माण की आवश्यकता है। उन्होंने उल्लेख किया कि वर्ष 2050 तक वैश्विक ऊर्जा जरूरतों में तेल और प्राकृतिक गैस की हिस्सेदारी आधे से अधिक रहने की उम्मीद है।

ईरानी मंत्री ने सदस्य देशों के बीच ऊर्जा मूल्य श्रृंखला में लचीलापन, स्थिरता और सहयोग बढ़ाने के उद्देश्य से एक ब्रिक्स ऊर्जा सुरक्षा साझेदारी बनाने का भी प्रस्ताव रखा।

फिल्म/टीवी मनोरंजन

जुलाई में रिलीज होंगी 'अल्फा', 'द इंडिया स्टोरी' समेत कई बड़ी फिल्में

मनोरंजन के लिहाज से जुलाई 2026 बॉक्स ऑफिस के लिए साल के सबसे व्यस्त और महत्वपूर्ण महीनों में से एक साबित हो सकता है। इस महीने पौराणिक कथा, सामाजिक मुद्दों, एक्शन, सुपरहीरो और कॉमेडी जैसी विभिन्न शैलियों की कई बहुप्रतीक्षित फिल्में सिनेमाघरों में दस्तक देने जा रही हैं। जुलाई की चर्चित फिल्मों में 'द इंडिया स्टोरी' प्रमुख है, जो 24 जुलाई को रिलीज होगी। चेतन डीके के निर्देशन में बनी यह फिल्म देश में खाद्य मिलावट जैसे गंभीर मुद्दे को कोर्टरूम और सोशल ड्रामा के माध्यम से प्रस्तुत करती है। फिल्म में काजल अग्रवाल, श्रेयस तलपड़े, मुरली शर्मा और मनीष वाधवा अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे। पौराणिक और फैंटेसी शैली की फिल्म 'नागबंधम' तीन जुलाई को रिलीज होगी। अभिषेक नामा के निर्देशन में बनी इस पैन-इंडिया फिल्म में विराट कर्णा मुख्य भूमिका में हैं। हाल ही में रिलीज हुए इसके ट्रेलर को दर्शकों की सकारात्मक प्रतिक्रिया मिली है। मार्वल के लोकप्रिय सुपरहीरो की वापसी कराने वाली हॉलीवुड फिल्म 'स्पाइडर-मैन: ब्रैंड न्यू डे' 31 जुलाई को सिनेमाघरों में आएगी। शानदार विजुअल इफेक्ट्स, एक्शन और रोमांच के कारण यह फिल्म वैश्विक स्तर पर सबसे चर्चित रिलीज में शामिल है। यशराज फिल्म्स के स्पाई यूनिवर्स की पहली महिला-केंद्रित फिल्म 'अल्फा' भी तीन जुलाई को रिलीज होगी। शिव रवैल के निर्देशन में बनी इस फिल्म में आलिया भट्ट और शरवरी मुख्य भूमिकाओं में हैं, जबकि बॉबी देओल और अनिल कपूर भी अहम किरदार निभाते नजर आएंगे। बड़े पैमाने पर तैयार की गई यह एक्शन-थ्रिलर दर्शकों के बीच काफी चर्चा में है। कॉमेडी फिल्मों के शौकीनों के लिए 'धमाल 4' 10 जुलाई को रिलीज होगी। इंद्र कुमार के निर्देशन में बनी इस फिल्म में अजय देवगन, रितेश देशमुख, अरशद वारसी, जावेद जाफरी और संजय मिश्रा प्रमुख भूमिकाओं में हैं। लोकप्रिय 'धमाल' फ्रेंचाइजी की यह नई कड़ी दर्शकों को भरपूर मनोरंजन और हास्य का वादा करती है। बड़े सितारों, विविध विषयों और अलग-अलग शैलियों की इन फिल्मों के कारण जुलाई 2026 को भारतीय सिनेमा के लिए एक महत्वपूर्ण महीना माना जा रहा है। फिल्म कारोबार से जुड़े विशेषज्ञों का मानना है कि इन फिल्मों का प्रदर्शन बॉक्स ऑफिस की दिशा तय करने में अहम भूमिका निभा सकता है।

कोविड के दौरान बंद होने की कगार पर था टीवीएफ: अरुणाभ

द वायरल फीवर (टीवीएफ) के संस्थापक अरुणाभ कुमार ने कहा है कि कोविड-19 महामारी के दौरान उनका प्रोडक्शन हाउस बंद होने की कगार पर पहुंच गया था, लेकिन परिवार और करीबी लोगों के समर्थन ने उन्हें आगे बढ़ने का हौसला दिया। अरुणाभ कुमार ने अपने संघर्षपूर्ण दौर को याद करते हुए कहा, कोविड के दौरान हम भी कई कंपनियों की तरह बंद होने की कगार पर थे, क्योंकि दुनिया रातों-रात बदल गई थी और आगे क्या होगा, इसका कोई अंदाजा नहीं था। वह बेहद कठिन समय था। मेरी अभी-अभी सगाई हुई थी, लेकिन कुछ करीबी लोगों, खासकर मेरी मंगेतर और मेरी मां के विश्वास ने मुझे आगे बढ़ते रहने की ताकत दी। उन्होंने कहा कि उनके परिवार और करीबियों के समर्थन ने उन्हें यह भरोसा दिलाया कि टीवीएफ के पास अभी भी दुनिया को सुनाने के लिए कई कहानियां हैं। उन्होंने बताया कि कंपनी को बचाए रखने के लिए उन्होंने अपने निजी धन का भी निवेश किया। उल्लेखनीय है कि टीवीएफ ने 'पंचायत', 'एस्पिरेंट्स', 'गुल्लक', 'कोटा फैक्ट्री', 'सपने वर्सेस एवरीवन' और 'पिचर्स' जैसे कई लोकप्रिय शो दर्शकों को दिए हैं। इन कार्यक्रमों ने डिजिटल मनोरंजन जगत में टीवीएफ को एक अलग पहचान दिलाई है।

करिश्मा कपूर: फिल्मों से ओटीटी तक बरकरार है जलवा

बॉलीवुड की लोकप्रिय अभिनेत्री करिश्मा कपूर आज आज 52 वर्ष की हो गयीं। करिश्मा कपूर ने 1990 के दशक में अपनी खूबसूरती, दमदार अभिनय और लगातार सफल फिल्मों के दम पर उन्होंने हिंदी सिनेमा में एक खास पहचान बनाई। 25 जून 1974 को मुंबई में जन्मीं करिश्मा कपूर फिल्मी परिवार से ताल्लुक रखती हैं। उनके पिता रणधीर कपूर अभिनेता और मां बबीता जानी-मानी अभिनेत्री रही हैं। कपूर खानदान की पहली बेटी के रूप में फिल्मों में कदम रखने वाली करिश्मा ने अपनी मेहनत और प्रतिभा के बल पर अलग मुकाम हासिल किया। करिश्मा ने अपने करियर की शुरुआत वर्ष 1991 में प्रदर्शित फिल्म 'प्रेम कैदी' से की। शुरुआती दौर में उन्होंने कई व्यावसायिक फिल्मों में काम किया, लेकिन उन्हें असली पहचान वर्ष 1996 में प्रदर्शित फिल्म 'राजा हिंदुस्तानी' से मिली। आमिर खान के साथ उनकी जोड़ी को दर्शकों ने खूब पसंद किया और फिल्म की जबरदस्त सफलता ने उन्हें बॉलीवुड की शीर्ष अभिनेत्रियों की श्रेणी में ला खड़ा किया। वर्ष 1997 में प्रदर्शित 'दिल तो पागल है' करिश्मा के करियर का अहम पड़ाव साबित हुई। यश चोपड़ा निर्देशित इस फिल्म में माधुरी दीक्षित और शाहरुख खान जैसे बड़े सितारों की मौजूदगी के बावजूद करिश्मा ने अपने अभिनय से अलग पहचान बनाई। एक समय करिश्मा पर केवल ग्लैमरस भूमिकाएं निभाने वाली अभिनेत्री होने का आरोप लगता था, लेकिन फिल्मकार श्याम बेनेगल की 'जुबैदा' ने उनकी यह छवि बदल दी। शीर्षक भूमिका में उनके संवेदनशील और परिपक्व अभिनय को समीक्षकों और दर्शकों दोनों ने सराहा। इस फिल्म के लिए उन्हें फिल्मफेयर क्रिटिक्स अवॉर्ड भी मिला। करिश्मा कपूर की जोड़ी अभिनेता गोविंदा के साथ हिंदी सिनेमा की सबसे सफल जोड़ियों में गिनी जाती है। दोनों ने 'राजा बाबू', 'कुली नंबर वन', 'साजन चले ससुराल', 'हीरो नंबर वन', और 'हसीना मान जाएगी' जैसी कई हिट फिल्मों में साथ काम किया। इन फिल्मों ने दर्शकों का भरपूर मनोरंजन किया और दोनों की लोकप्रियता को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया।

संविधान हत्या दिवस पर भाजपा ने किया लोकतंत्र सेनानियों का सम्मान

नरसिंहपुर। स्वतंत्रमत।

जिला भााजपा कार्यालय में संविधान हत्या दिवस आपात काल का काला अध्याय 51 वर्ष के उपलक्ष्य में आयोजित कार्यक्रम में लोकतंत्र सेनानियों के सम्मान में भव्य समारोह का आयोजन किया गया इस अवसर पर उन वीर सेनानानियों को जिन्होंने लोकतंत्र की रक्षा हेतु अप्रतिम संघर्ष किया उनका तथा उनके परिजनों का सॉल श्रीफल से सम्मान किया गया। लोकतंत्र सेनानियों में रमेश कोचर मीसाबंदी संघ के संरक्षक संतोष तिहैया, मीसा बंदी संघ के जिलाध्यक्ष मुन्नालाल नामदेव, विजय सोनी, लेखचंद कोचर, हीरेन्द्र चौधरी, अरविन्द गुप्ता, लालजी रैकवार की गरिमामई उपस्थिति में सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम में भाजपा जिलाध्यक्ष रामस्नेही पाठक, पूर्व राज्यमंत्री जालम सिंह पटैल, तेन्दूखेड़ा विधायक विश्वनाथ पटैल, नगर पालिका अध्यक्ष नीरज महाराज, पूर्व जिलाध्यक्ष महंत प्रीतमपुरी सहित जिला पदाधिकारीगण, मंडल अध्यक्ष एवं महामंत्री, मोर्चा जिलाध्यक्ष, पार्टी पार्षद एवं कार्यकर्ताओं की उपस्थिति रही।

तत्पश्चात् भारतीय जनता पार्टी के चल रहे कार्यक्रम डिजिटल लर्निंग प्लेटफार्म बूथ स्तरीय कार्यकर्ताओं का प्रशिक्षण में सोशल मीडिया जिला संयोजक श्रीकांत श्रीवास्तव ने कार्यक्रम के बारे में उपस्थित कार्यकर्ताओं को विस्तृत रूप से प्रशिक्षण दिया। कार्यक्रम का संचालन जिला महामंत्री राहुल कौरव एवं आभार जिला महामंत्री सुरेन्द्र मोहन नेमा ने किया।

अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद का आयोजित हुआ प्रशिक्षण वर्ग

नगर कार्यकारिणी घोषितः नगर अध्यक्ष डॉ. विजय कुमार तथा नगर मंत्री बने अवध पांडेय

कटनी (स्वतंत्रमत)। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद कटनी नगर का प्रशिक्षण वर्ग कटनी आर्ट्स एंड कॉमर्स महाविद्यालय में संपन्न हुआ। प्रशिक्षण वर्ग का विधिवत शुभारंभ ज्ञान की देवी माँ सरस्वती एवं युवाओं के प्रेरणास्त्रोत स्वामी विवेकानंद के छायाचित्र पर माल्यार्पण एवं दीपप्रज्वलन कर किया गया। नगर प्रशिक्षण वर्ग में विद्यार्थी परिषद के नगर के सभी कार्यकर्ता उपस्थित रहे। यह वर्ग सत्रो में आयोजित किया गया जिसमे कार्यपद्धित एवं दायित्व बोध विषय पर नरसिंहपुर विभाग संगठन मंत्री एवं प्रांत मंत्री सुव्रत बाझल जैन ने कार्यकर्ताओं को संबोधित किया। सत्र के उद्घाटन एवं प्रस्ताविक सत्र में विद्यार्थी परिषद नरसिंहपुर विभाग के संगठन मंत्री व प्रांत मंत्री सुव्रत बाझल विभाग प्रमुख श्रीकांत शुक्ला विभाग सैयोजक सीमांत दुबे नरसिंहपुर व कटनी के जिला संगठन मंत्री प्रिंस तिवारी जिला सयोजक संजय कुशवाहा उपस्थित रहे। अंतिम सत्र में नव निर्वाचित नगर अध्यक्ष डॉ. विजय कुमार ने नगर की नवीन कार्यकारिणी की घोषणा की। सत्र 2026-27 की कार्यकारिणी में उपाध्यक्ष कपूर सोनी, कु सिखा सोनी, डॉ जय प्रकाश अवस्थी, डॉ भूपेंद्र कुमार शुक्ला, नगर मंत्री अवध पांडेय, सह मंत्री समर्पण झा, सृजन चौदहा, कु साक्षी तिवारी, आदेश त्रिपाठी, विनायक गौतम, सक्षम सोनकर, नगर कोषाध्यक्ष डॉ धर्मेंद्र सिंह, नगर एसएफडी प्रमुख प्राची शर्मा, सह प्रमुख दुर्गेश तिवारी, एसएफएस सैयोजक विवेका योगी, सह प्रमुख अक्षत शर्मा, कन्हैया त्रिपाठी, महाविद्यालीन कार्यप्रमुख सागर कुशवाहा, विद्यालीन कार्य प्रमुख इशांत मनोचा, फार्माविजन कार्य संयोजक आयुष बड़गैया, विधि कार्य सैयोजक आयुष तोमर, नगर तकनीकी कार्य प्रमुख जानू दूबे, खेलो भारत प्रमुख अंशुल गोस्वामी, खेलो भारत सहप्रमुख राहुल दूबे, सोशल मीडिया प्रमुख सुमित रजक, सह प्रमुख हरिओम पटेल, राज पटेल, कला मंच प्रमुख सिमरन माँझी, सह प्रमुख अदिति शुक्ला, विधायलीन शिवजतीन तिवारी, सह प्रमुख सुयंत गर्ग, दिव्यांश दीवेदी, स्टडी सर्किल प्रमुख अभिषेक पटेल, एनसीसी प्रमुख कु मानसी तिवारी, सह प्रमुख कु प्रियंका साहु है।

जिले में अवैध रेत कारोबार पर की गई संयुक्त कार्रवाई

258 घनमीटर रेत ज़ब्त, तीन ट्रैक्टर-ट्रॉली और एक हाईवा पर कार्रवाई

नरसिंहपुर। जिले में खनिजों के अवैध उत्खनन, परिवहन एवं भंडारण के विरुद्ध जिला प्रशासन का सख्त अभियान लगातार जारी है। कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह एवं पुलिस अधीक्षक डॉ. ऋषिकेश मीणा के निर्देशन में राजस्व, पुलिस और खनिज विभाग की संयुक्त टीम द्वारा विभिन्न क्षेत्रों में सघन जांच अभियान चलाकर अवैध रेत कारोबार पर प्रभावी कार्रवाई की जा रही है।

अभियान के तहत नरसिंहपुर तहसील के ग्राम पिठेहरा में शासकीय भूमि पर अवैध रूप से भंडारित 81 घनमीटर रेत लावारिस अवस्था में जब्त की गई। वहीं तेंदूखेड़ा क्षेत्र में निर्धारित मात्रा से अधिक गिट्टी का परिवहन करते पाए जाने पर एक हाईवा जब्त कर पुलिस थाना तेंदूखेड़ा की अभिरक्षा में रखा गया।

इसी दौरान ग्राम रेहली स्थित बारूरेवा नदी में अवैध रूप से रेत का उत्खनन एवं परिवहन करते पाए जाने पर तीन ट्रैक्टर-ट्रॉलियों को जब्त कर कोतवाली नरसिंहपुर पुलिस के सुपुर्द किया गया। संयुक्त जांच के दौरान सांईखेड़ा तहसील के ग्राम चामचौन में शासकीय भूमि पर अवैध रूप से भंडारित 141 घनमीटर रेत जब्त की गई। यह कार्रवाई आंगनवाड़ी केंद्र के पीछे दो बड़े रेत के ढेरों पर की गई, जिन्हें नियमानुसार जब्त कर कोटवार की सुपुर्दगी में सौंपा गया। इसके अलावा ग्राम खापा में निजी भूमि पर अवैध रूप से भंडारित 36 घनमीटर रेत भी जब्त कर संबंधित भूमि स्वामी एवं ग्राम कोटवार की सुपुर्दगी में दी गई। जिले में की गई इन कार्रवाइयों के दौरान कुल 258 घनमीटर अवैध रेत, तीन ट्रैक्टर-ट्रॉलियां तथा एक हाईवा जब्त किया गया।

समाधान समारोह विशेष लोक अदालत का आयोजन

नरसिंहपुर। स्वतंत्रमत। 21, 22 एवं 23 अगस्त 2026 को समाधान समारोह विशेष लोक अदालत का आयोजन किया जा रहा है, जिसमें सर्वोच्च न्यायालय में लंबित पारिवारिक विवाद, दुर्घटना दावा, चेक बाउंस, भू-अधिग्रहण, आपराधिक सुलहनीय मामले, श्रम संबंधी विवाद तथा ऐसे मामले जो आपसी सहमति से निष्पादन योग्य हैं रखे जावेगें। उक्त विशेष लोक अदालत में पक्षकार अपने प्रकरण को माननीय सर्वोच्च न्यायालय की वेबसाईट में उपलब्ध गूगल फार्म भरकर शामिल करवा सकते हैं, जिसकी अंतिम दिनांक 31 जुलाई 2026 है। उक्त समाधान समारोह विशेष लोक अदालत हेतु माननीय प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश/ अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण नरसिंहपुर श्री अखिलेश शुक्ला द्वारा श्री मनोज कुमार लड़िया, विशेष न्यायाधीश, एट्रोसिटी नरसिंहपुर को जिला समन्वयक नामांकित किया गया है।

सेफ क्लिक साइबर जागरूकता अभियान

छात्राओं एवं शिक्षकों को किया गया जागरूक

नैनपुर (स्वतंत्र मत)।

सेफ क्लिक सायबर जागरूकता अभियान के तहत विद्यालय के विद्यार्थियों को जागरूक किया गया। पुलिस अधीक्षक मंडला राजेश रघुवंशी के निर्देशन और अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शिवकुमार वर्मा, एसडीओपी मनीष राज के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी नैनपुर मंशाराम वगेन के नेतृत्व में चलाए जा रहे सेफ क्लिक साइबर जागरूकता अभियान के तहत उत्कृष्ट उच्च माध्यमिक विद्यालय नैनपुर एवं शासकीय उच्चतर माध्यमिक कन्या विद्यालय नैनपुर में साइबर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया।

कार्यक्रम में उपस्थित छात्राओं एवं शिक्षकों को वर्तमान समय में बढ़ते साइबर अपराधों, ऑनलाइन ठगी, फर्जी लिंक, सोशल मीडिया फ्रॉड, डिजिटल अरेस्ट, यूपीआई एवं बैंकिंग धोखाधड़ी, ओटीपी शेयर करने के दुष्परिणाम तथा साइबर सुरक्षा के महत्वपूर्ण उपायों की जानकारी दी गई।

साथ ही विद्यार्थियों को सुरक्षित इंटरनेट उपयोग, मजबूत पासवर्ड रखने, अज्ञात लिंक पर क्लिक न करने एवं सोशल मीडिया पर व्यक्तिगत जानकारी साझा करने से बचने के संबंध में विस्तार से समझाया गया।

कार्यक्रम के दौरान साइबर अपराध होने की स्थिति में तत्काल राष्ट्रीय साइबर हेल्पलाइन नंबर 1930 पर शिकायत करने तथा राष्ट्रीय साइबर अपराध रिपोर्टिंग पोर्टल पर ऑनलाइन शिकायत दर्ज कराने की जानकारी भी प्रदान की गई। छात्राओं एवं शिक्षकों को साइबर सुरक्षा के प्रति सजग रहने तथा अपने परिवार एवं आसपास के लोगों को भी जागरूक करने के लिए प्रेरित किया गया।

थाना नैनपुर पुलिस द्वारा बताया गया कि सेफ क्लिक साइबर जागरूकता अभियान-2026 का उद्देश्य नागरिकों, विद्यार्थियों एवं युवाओं को साइबर अपराधों के प्रति जागरूक कर सुरक्षित डिजिटल वातावरण का निर्माण करना है।

कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह की अध्यक्षता में जिला स्वास्थ्य समिति की बैठक सम्पन्न

नरसिंहपुर। कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह की अध्यक्षता में गुरुवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में जिला स्वास्थ्य समिति की बैठक सम्पन्न हुई। उन्होंने गर्भवती महिलाओं के पंजीयन, मॉडरेट एनीमिया, गर्भवती महिलाओं की जांच, आरबीएसके, क्षय कार्यक्रम, एनसीडी कार्यक्रम, सीएम हेल्पलाइन आदि की समीक्षा कर आवश्यक निर्देश दिए। बैठक में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. मनीष कुमार मिश्र, सिविल सर्जन सह मुख्य अस्पताल अधीक्षक डॉ. आर.के. चौधरी, जिला स्वास्थ्य अधिकारी सहित अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी मौजूद थे। बैठक में कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह ने गर्भवती महिलाओं के पंजीयन एवं मॉडरेट एनीमिया की समीक्षा करते हुए निर्देश दिए कि जहां पंजीयन कम है, वहां आशा एवं एएनएम के माध्यम से सर्वे कराकर शतप्रतिशत पंजीयन सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने निर्देशित किया कि जिले से दो बाल चिकित्सक निर्धारित किए जाएं, जो प्रत्येक माह सभी पोषण पुनर्वास केन्द्रों की जांच करेंगे। शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र नरसिंहपुर एवं विकासखंड चांवरपाठा में गर्भवती महिलाओं की जांच कम पाए जाने पर इसे शतप्रतिशत करने के निर्देश दिए गए। आरबीएसके कार्यक्रम की समीक्षा करते हुए कलेक्टर ने चिकित्सकों को अपने निर्धारित क्षेत्र में नियमित भ्रमण कर बच्चों की जांच एवं परीक्षण करने के निर्देश दिए।

एनसीडी कार्यक्रम के अंतर्गत स्क्रीनिंग बढ़ाने हेतु हाट-बाजारों एवं अन्य सार्वजनिक स्थलों पर शिविर आयोजित करने के निर्देश भी दिए गए।

क्षय कार्यक्रम की समीक्षा में विकासखंड बाबई चीचली (सालीचौका), नरसिंहपुर एवं गाडरवारा में टीबी स्क्रीनिंग कम पाए जाने, नरसिंहपुर विकासखंड के श्री मनीष शर्मा (एसटीएलएस) एवं श्रीमती सविता मेश्राम (खोपरागड़े) (एलटी) को टीबी कार्यक्रम में लापरवाही बरतने पर कार्यवाही करने व एक वेतन वृद्धि रोकने के निर्देश दिए। साथ ही जिन आरबीएसके चिकित्सकों की उपलब्धि कम है, उनके इंक्रीमेंट रोकने के निर्देश दिए गए। कलेक्टर श्रीमती सिंह ने आरबीएसके वाहनों के उपयोग की जांच कराने एवं जिन चिकित्सकों द्वारा वाहनों का सही उपयोग नहीं किया जा रहा है, उनके विरुद्ध राशि कटौती करने के निर्देश दिए। वाहन समस्या एवं एंट्री की जानकारी मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी को नहीं देने पर प्रभारी जिला आरबीएसके को-ऑर्डिनेटर श्री राकेश लोधी के दो इंक्रीमेंट रोकने के निर्देश दिए गए। उन्होंने जिला खाद्य एवं सुरक्षा अधिकारी को जिले की समस्त गुड़ भट्टियों एवं होटलों का पंजीयन कराने के निर्देश दिए।

साथ ही सभी विकासखंडों में प्रति माह 10 स्वास्थ्य संस्थाओं का एनक्यूएएस कराने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने जिला चिकित्सालय नरसिंहपुर की सीएम हेल्पलाइन की समीक्षा करते हुए लंबित शिकायतों का समय-सीमा में निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

जिला विकास समन्वय एवं निगरानी समिति (दिशा) की बैठक 3 जुलाई को

नरसिंहपुर,

जिला विकास समन्वय एवं निगरानी समिति (दिशा) की बैठक आगामी 3 जुलाई को प्रातः 10 बजे से कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित की जाएगी। इस संबंध में कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह ने बताया कि उक्त बैठक में विगत बैठक की कार्यवाही एवं अनुपालन प्रतिवेदन, जिले में संचालित केन्द्र प्रयोजित योजनाओं की प्रगति, शिक्षा एवं मानव विकास, कृषि, ग्रामीण एवं सहकारिता विकास, जल, सिंचाई एवं संसाधन प्रबंधन, ऊर्जा एवं अधोसंरचना, स्वास्थ्य एवं सामाजिक सुरक्षा, उद्योग, कौशल एवं रोजगार, खनिज, पर्यावरण एवं भूमि प्रबंधन और डिजिटल, प्रशासनिक एवं आपूर्ति तंत्र से संबंधित विभिन्न बिंदुओं पर चर्चा एवं समीक्षा की जाएगी।

जागरूकता सत्र आयोजित

जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास विभाग के मार्गदर्शन में शासकीय हाईस्कूल गाजीपुर में बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ योजना के अंतर्गत जागरूकता एवं प्रतियोगी गतिविधियों का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य छात्र-छात्राओं को महिला सुरक्षा, स्वास्थ्य, शिक्षा और उनके अधिकारों के प्रति जागरूक करना था। कार्यक्रम में वन स्टॉप सेंटर की प्रशासक सुश्री प्रेरणा मर्सकोले ने छात्र-छात्राओं को वन स्टॉप सेंटर के माध्यम से घरेलू हिंसा एवं अन्य प्रकार की हिंसा से पीड़ित महिलाओं और बालिकाओं को उपलब्ध कराई जाने वाली सहायता सेवाओं की जानकारी दी।

मनकवारा मे किसानों की बैठक आयोजित

गाडरवारा (स्वतंत्र मत)। विगत दिवस राष्ट्रीय किसान आर्मी के प्रचारक प्रतीक शर्मा का आगमन मनकवारा ग्राम में हुआ। इस अवसर पर उन्होंने 27 जून को गाडरवारा में 100त्न मूंग खरीदी हेतु होने वाले आंदोलन की रूपरेखा से अवगत कराया एवं किसानों को पहुंचाने की अपील की। उन्होंने कहा कि जब किसान संगठित होगा तभी समस्याओं का निदान होगा। किसानों की जमीन पर बड़े-बड़े उद्योगपति एवं बड़े व्यवसाईयों की नजर है। छोटे एवं मध्यम वर्ग के किसान बड़े संघर्ष से जीवन यापन कर रहे है।

वर्तमान मे रासायनिक उर्वरको के दाम लगभग डेढ़ से दो गुने हो गए हैं एवं किसा खाद लेने की लाइन, कृषि उपज बेचने की लाइन,डीजल की लाइन, जले ट्रांसफर बदलने की लाइन मे लगकर संघर्ष कर रहा हे।

नपा अध्यक्ष ने की गाडरवारा शहर में सफाई की समीक्षा

गाडरवारा (स्वतंत्र मत)। नगर पालिका परिषद् गाडरवारा में आज दिनांक 25.06.2026 को अध्यक्ष पं. शिवाकांत मिश्रा के द्वारा गाडरवारा शहर में साफ-सफाई के संबंध में समीक्षा बैठक ली गई। अध्यक्ष महोदय के द्वारा गाडरवारा शहर मे सफाई व्यवस्था सदृढ़ किये जाने एवं 24 वार्डो के नाला नालियों की सफाई 10 जुलाई 2026 तक पूर्ण किये जाने के निर्देश दिये। गाडरवारा शहर में सफाई व्यवस्था को सुधार साथ ही नाला नालियों की सफाई के सबंध मे प्रतिदिन की दैनिक रिर्पोट प्रदान किये जाने के लिये संजय श्रीवास स्वास्थ्य प्रभारी को निर्देशित किया गया है। उक्त बैठक में सभापति राजस्व चंचल कोरी, स्वच्छता पर्यवेक्षक, समस्त सफाई सुपरवाईजर, कचरा संग्रहण वाहन चालक, कार्यालयीन स्टाफ उपस्थित रहे।

मोहर्रम आज, संजय मार्केट के समक्ष लगेगा ताजियों का मजमा

ताजियों का दीदार करने उमड़ेगा जन सैलाब

या हुसैन की सदाओं के साथ सवारियां करेंगी शहर में रन

गाडरवारा (स्वतंत्र मत)।

नगर में आज 10 मोहर्रम को यौमें आशूरा शहीदाने कर्बला की याद में अकीदत के साथ मनाया जाएगा। यौम-ए-आशूरा के मौके पर सुबह से ही संजय मार्केट के समक्ष नगर के सभी ताजियों की जियारत के लिए मजमा लगेगा। आज सुबह फज्र की नमाज के बाद सभी इमामबाड़ों से ताजिया, अलम, मेहंदी और सवारियां बाबाओं की आमद के साथ रन करते हुए संजय मार्केट पहुंचेंगी। अकीदतमंद ताजियों पर रेबड़ी का तबर्रुक, इत्र-खुशबू और लोबान पेश कर दीदार करेंगे। सुबह से दोपहर तक मजमा लगा रहेगा। शहनाई की शहीदी धुनबसने देगी।

मजमा वाले मार्ग पर जगह-जगह लंगर और शरबत तकसीम किया जाएगा। हसनी हुसैनी सोसायटी द्वारा शक्ति चौक पर लगाए गए परचम और बड़ेवली इमामबाड़ा के साथ सभी दरगाहों, परचमों व दरबारों में भी भारी मजमा रहेगा।

मजमे में पूरे समय या हुसैन, या हुसैनञ्ज की पुरदर्द सदाएं गूंजती रहेंगी। पुलिस प्रशासन द्वारा संजय मार्केट मजमे वाले मार्ग पर भारी वाहनों का प्रवेश निषेध किया गया है। जगह-जगह पुलिस बल तैनात रहेगा। नगर पालिका द्वारा साफ-सफाई, चूना लाइन, पानी के टैंकर और प्रकाश का इंतजाम किया जाएगा। मस्जिदों में यौम-ए-आशूरा की नमाज होगी । जुमे की नमाज में नमाजियों की भीड़ उमड़ेगी

मस्जिद में पेश इमाम हाफिज जुबेर आलम ने इमाम हुसैन की शहादत का वाक्या बताते हुए कहा की हमे सब्र, कुर्बानी और इंसानियत का पैगाम देना चाहिए । 72 शहीदाने कर्बला की याद में मनाया जाने वाला यौम-ए-आशूरा सब्र, कुर्बानी और मज़लूम का साथ देने का संदेश देता है।

आज रात नमाज-ए-ईशा के बाद चावड़ी बारह भाई इमामबाड़ा के पास ताजियों का मजमा पूरी रात लगा रहेगा। जायरीन देर रात तक फातेहा ख्वानी करेंगे। कल

11 मोहर्रम सुबह सभी ताजिये नया बस स्टैंड बाबली अखाड़ा दरगाह के पास एकत्रित होंगे। यहां मजमा लगने के बाद सभी ताजिये शक्कर नदी स्थित कर्बला शरीफ रवाना होंगे। वहां अंतिम दीदार के बाद नगर पालिका द्वारा बनाए गए विसर्जन कुंड में उन्हें विसर्जित किया जाएगा।

मुस्लिम समाज ने स्थानीय प्रशासन, पुलिस विभाग और नगर पालिका से मोहर्रम के दौरान सहयोग की अपील करते हुए कहा कि सभी लोग अकीदत और अदब के साथ मजमे में शरीक हों और इस नगर की गंगा जमुना तहजीब को कायम रखें।

स्वरोजगार योजनाओं में लक्ष्य पूर्ति के लिए बैंक ऋण प्रवाह बढ़ायें : कलेक्टर

जिला परामर्शदात्री समिति एवं जिला स्तरीय पुनरीक्षण समिति की बैठक में बैंकर्स और विभागीय अधिकारियों को दिए निर्देश

कटनी (स्वतंत्रमत)

जिले में स्वरोजगार को बढ़ावा देने और अधिक से अधिक लोगों को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य से कलेक्टर आशीष तिवारी ने बैंकर्स एवं विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि वे समन्वित प्रयासों के माध्यम से ऋण प्रवाह में वृद्धि करें तथा शासकीय स्व-रोजगार योजनाओं के निर्धारित लक्ष्यों की समयबद्ध पूर्ति सुनिश्चित करें। गुरुवार को आयोजित जिला परामर्शदात्री समिति (डीसीसी) एवं जिला स्तरीय पुनरीक्षण समिति (डीएलआरसी) की बैठक में कलेक्टर ने बैंकिंग गतिविधियों, ऋण वितरण, वित्तीय समावेशन कार्यक्रमों तथा विभिन्न स्वरोजगार योजनाओं की विस्तृत समीक्षा करते हुए कहा कि शासन की योजनाओं का वास्तविक लाभ तभी मिलेगा, जब पात्र हितग्राहियों को समय पर ऋण उपलब्ध कराया जाएगा। बैठक में जिला पंचायत की मुख्य कार्यपालन अधिकारी हरसिमरनप्रीत कौर, नगर निगम आयुक्त तपस्या परिहार, रिजर्व बैंक के प्रतिनिधि, लीड बैंक प्रबंधक मेझरस किण्डो सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं बैंकर्स उपस्थित रहे। कलेक्टर ने प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना एवं प्रधानमंत्री मुद्रा योजना

को प्राथमिकता देते हुए बैंकर्स से कहा कि विभागों द्वारा प्रेषित पात्र हितग्राहियों के प्रकरणों में उदारतापूर्वक एवं समयबद्ध तरीके से ऋण स्वीकृति सुनिश्चित की जाए। उन्होंने लक्ष्य के अनुरूप ऋण स्वीकृति और वितरण में तेजी लाने के निर्देश दिए।

स्वरोजगार योजनाओं की बैंकवार समीक्षा

बैठक में पशुपालन विभाग की आचार्य विद्यासागर योजना, क्षीरधारा योजना, कामधेनु योजना एवं बकरी पालन योजना, उद्योग विभाग की मुख्यमंत्री उद्यम क्रांति योजना, आदिम जाति कल्याण विभाग की डॉ. भीमराव अंबेडकर आर्थिक कल्याण योजना, संत रविदास स्वरोजगार योजना, टंट्या मामा आर्थिक कल्याण योजना एवं बिरसा मुंडा स्वरोजगार योजना, उद्यानिकी विभाग की प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य प्रसंस्करण उन्नयन योजना, मत्स्य विभाग तथा एनआरएलएम योजनाओं के अंतर्गत लंबित एवं स्वीकृत प्रकरणों की बैंकवार समीक्षा की गई। कलेक्टर ने विभागीय अधिकारियों एवं बैंकर्स को आपसी समन्वय स्थापित कर योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन पर विशेष बल दिया। उन्होंने ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान (आरसेटी) द्वारा संचालित प्रशिक्षण कार्यक्रमों की उपयोगिता की प्रत्येक 15 दिवस में समीक्षा करने के निर्देश जिला पंचायत सीईओ को दिए।

हितग्राहियों को अनिवार्य रूप से उपलब्ध कराएं बीमा पॉलिसी दस्तावेज

बैठक में कलेक्टर ने बैंकर्स को निर्देशित किया कि जिन हितग्राहियों का बीमा किया जाता है, उन्हें संबंधित पॉलिसी के दस्तावेज अनिवार्य रूप से उपलब्ध कराए जाएं, ताकि किसी अप्रिय स्थिति में परिजनों को बीमा लाभ प्राप्त करने में कोई कठिनाई न हो। कलेक्टर ने पिछले वित्तीय वर्ष में अस्वीकृत प्रकरणों को संबंधित विभागों को वापस करने के निर्देश दिए, ताकि आवश्यक दस्तावेज एवं औपचारिकताएं पूर्ण कर उन्हें पुन: बैंक में प्रस्तुत किया जा सके। साथ ही प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) के अंतर्गत अफोर्डेबल हाउसिंग इन पार्टनरशिप (एएचपी) एवं आईएसएस घटक के लंबित प्रकरणों को प्राथमिकता के आधार पर स्वीकृत करने के निर्देश भी दिए।

भारत फाइनेंस कंपनी के दो कर्मचारियों ने किया 27.88 लाख रुपये का गबन, मामला दर्ज

कटनी (स्वतंत्रमत)

कटनी जिले के उमरियापान थाना क्षेत्र से आर्थिक अपराध का एक बड़ा और सनसनीखेज मामला सामने आया है। यहाँ भारत फाइनेंस इनक्लूजन लिमिटेड कंपनी की स्थानीय शाखा में कार्यरत दो कर्मचारियों ने कंपनी के साथ विश्वासघात करते हुए लाखों रुपये का गबन कर लिया। आरोपियों ने अपने पद का दुरुपयोग कर कंपनी की एक बड़ी रकम को खुद के उपभोग में उड़ा दिया। ब्रांच मैनेजर की शिकायत पर पुलिस ने दोनों शातिर कर्मचारियों के खिलाफ धोखाधड़ी की गंभीर धाराओं के तहत अपराध पंजीबद्ध कर लिया है।

पद का दुरुपयोग कर कंपनी की तिजोरी पर डाला डाका-मिली जानकारी के अनुसार, यह पूरा मामला भारत फाइनेंस इनक्लूजन लिमिटेड कंपनी की उमरियापान ब्रांच का है। कंपनी के तत्कालीन ब्रांच मैनेजर राजेश कुमार पटेल (उम्र 39 वर्ष, निवासी बलदेव बाग, जबलपुर) ने थाने में शिकायत दर्ज कराई कि कंपनी में कार्यरत दो फील्ड कर्मचारियों ने मिलकर वित्तीय हेराफेरी को अंजाम दिया है। आरोपियों ने ग्राहकों से कलेक्शन की गई राशि और कंपनी के खातों में हेरफेर करते हुए कुल 27,88,276/- रुपये (सत्ताईस लाख अठासी हजार दो सौ छियात्तर रुपये) की भारी-भरकम राशि का गबन कर लिया और उस पैसे को स्वयं के उपयोग में ले लिया। मामले में पुलिस ने जिन दो आरोपियों के खिलाफ नामजद एफआईआर दर्ज की है, वे बाहरी जिलों के रहने वाले हैं और यहाँ कंपनी में फील्ड या अन्य स्टाफ के रूप में कार्यरत थे:- मुन्ना राजपाली (पिता बाबूलाल राजपाली, निवासी नयाखेड़ा, थाना मढ़िया दो, तहसील हटा, जिला दमोह), दीपक कुमार कोल (पिता राजेश कोल, निवासी पानी टंकी के पास खम्हरिया, थाना खमरिया, जिला जबलपुर)। पुलिस रिकॉर्ड के अनुसार, इस धोखाधड़ी की शुरुआत 27 मार्च 2025 से ही चल रही थी। कंपनी के आंतरिक ऑडिट और जांच के बाद जब गबन की पुष्टि हुई, तब जाकर पुलिस में लिखित शिकायत की गई। उमरियापान पुलिस ने 24 जून 2026 की रात 21:59 बजे मामला दर्ज किया। पुलिस ने दोनों आरोपियों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) के साथ-साथ पुरानी भारतीय दंड संहिता (आईपीएस) की सुसंगत धाराओं के तहत केस दर्ज किया है।

महिला कार्यकर्ताओं की बैठक नई दिल्ली में

कटनी (स्वतंत्रमत)। पूर्व निर्धारित निर्णयनुसार 21 जून 2026 को प्रांत/प्रदेश कार्यकारिणी में से महिला कार्यकर्ताओं की एक बैठक केषव कुंज, झंण्डेवालान, नई दिल्ली में अ.भा.संगठन मंत्री दिनेष कुलकर्णी, अ.भा.सह संगठन मंत्री गजेन्द्र सिंह, अ.भा.महामंत्री मोहिनी मोहन मिश्र के मार्गदर्षन में संपन्न हुई। जिसमें अपेक्षित 57 से कुल 53 बहने (25 प्रांतों से) उपस्थित रही। भारतीय किसान संघ में महिला कार्यकर्ताओं की सक्रियता एवं व्यापकता को देखते हुए आगामी वर्शों में उनकी सहभागिता को मजबूती से स्थापित करने का प्रयास जारी है। इस वर्श 2026 को अंतर्राट्रीय महिला किसान वर्श घोशित किया गया है। उसी को दृश्टि में रखते हुए सबसे बड़े संगठन के नाते भारतीय किसान संघ महिला कार्यकर्ताओं का एक बडा व गुणवत्तापूर्ण कार्यक्रम करने के लिए निर्णय लिया गया है। दिनांक- 30 सितंबर 2026, सुबह 09 से शाम 05 बजे। कार्यक्रम स्थल- दिल्ली, अपेक्षित- भारतीय किसान संघ के ग्राम समिति से अखिल भारतीय स्तर की सभी महिला कार्यकर्ता। इसी योजना को सफल बनाने के लिए प्रांत/प्रदेष की महिला प्रमुख व कार्यकारिणी की सदस्यगण सक्रिय है।

कटनी में पासपोर्ट सेवा केंद्र की मांग पर हाईकोर्ट सख्त

कटनी (स्वतंत्रमत)

कटनी जिले में पोस्ट ऑफिस पासपोर्ट सेवा केंद्र की स्थापना की मांग को लेकर दायर जनहित याचिका पर मध्यप्रदेश हाईकोर्ट ने गंभीर रुख अपनाते हुए केंद्र सरकार से एक सप्ताह के भीतर जवाब प्रस्तुत करने के निर्देश दिए हैं। मुख्य न्यायाधीश की खंडपीठ ने सुनवाई के दौरान स्पष्ट किया कि मामले में विलंब स्वीकार्य नहीं है तथा संबंधित विभाग निर्धारित समयावधि में अपना जवाब न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत करें।

क्यो है पासपोर्ट सेवा केंद्र आवश्यक-यह जनहित याचिका कटनी के समाजसेवी दिव्यांशु (अंशु) मिश्रा द्वारा कटनी निवासी अधिवक्ता योगेश सोनी एवं अधिवक्ता आर्यन उरमलिया के माध्यम से प्रस्तुत की गई है। याचिका में कहा गया है कि कटनी प्रदेश का एक प्रमुख औद्योगिक, खनिज एवं व्यापारिक जिला होने के साथ-साथ देश का महत्वपूर्ण रेलवे जंक्शन भी है। इसके बावजूद जिले में आज तक पासपोर्ट सेवा केंद्र अथवा पोस्ट ऑफिस पासपोर्ट सेवा केंद्र स्थापित नहीं किया गया है, जिसके कारण जिले के हजारों नागरिकों को पासपोर्ट संबंधी कार्यों के लिए जबलपुर, सतना अथवा अन्य जिलों की यात्रा करनी

पड़ती है।

युवाओं को एवं हर वर्ग को होगा लाभ-याचिका में यह भी उल्लेख किया गया कि इस स्थिति से विशेष रूप से छात्र-छात्राओं, विदेश में रोजगार के इच्छुक युवाओं, वरिष्ठ नागरिकों, महिलाओं एवं आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों को अत्यधिक आर्थिक एवं मानसिक कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। यह स्थिति समान रूप से शासकीय सेवाओं की उपलब्धता के संवैधानिक सिद्धांतों के भी विपरीत है।

क्षेत्रीय सांसद ने भी लिखा था पत्र, पर कोई ठोस कार्यवाही नहीं- याचिका में यह तथ्य भी न्यायालय के समक्ष रखा गया कि इस संबंध में पूर्व में केंद्र सरकार को विस्तृत अभ्यावेदन प्रस्तुत किया जा चुका है। साथ ही क्षेत्र के सांसद द्वारा भी विदेश मंत्रालय को कटनी में पासपोर्ट सेवा केंद्र स्थापित किए जाने हेतु पत्र लिखकर मांग की गई थी, किन्तु अब तक कोई ठोस निर्णय नहीं लिया गया। सुनवाई के दौरान मुख्य न्यायाधीश की खंडपीठ ने केंद्र सरकार से मामले पर विस्तृत जवाब प्रस्तुत करने का अंतिम अवसर देते हुए एक सप्ताह के भीतर प्रत्युत्तर दाखिल करने के निर्देश दिए। अब इस जनहित याचिका की अगली सुनवाई केंद्र सरकार का जवाब प्राप्त होने के पश्चात की जाएगी। याचिकाकर्ता दिव्यांशु मिश्रा अंशु का कहना है कि कटनी जैसे तेजी से विकसित हो रहे घनी आबादी वाले जिले में पासपोर्ट सेवा केंद्र की स्थापना समय की आवश्यकता है। इससे जिले के लाखों नागरिकों को सीधे लाभ मिलेगा तथा उन्हें पासपोर्ट संबंधी कार्यों के लिए अन्य शहरों पर निर्भर नहीं रहना पड़ेगा।

16 राज्यों की यात्रा कर युवाओं के प्रेरणास्रोत बने रुद्र पटेल का हुआ भव्य सम्मान

कटनी (स्वतंत्रमत)। विजयराघवगढ़ जब हौसले बुलंद हों लक्ष्य स्पष्ट हो और सपनों को साकार करने का जुनून दिल में बस जाए तब राह की कठिनाइयाँ भी सफलता के सामने छोटी पड़ जाती हैं। ऐसे ही अदम्य साहस दृढ़ इच्छाशक्ति और अथक परिश्रम की मिसाल बने युवा स्केटर रुद्र पटेल का सम्मान राहत समर्पण सेवा समिति द्वारा भव्य स्वरूप के साथ किया गया। स्केटिंग के माध्यम से देश के 16 राज्यों की रोमांचक यात्रा पूरी करने वाले रुद्र पटेल ने यह सिद्ध कर दिया

है कि सपनों को पूरा करने के लिए केवल संसाधनों की नहीं बल्कि मजबूत इरादों की आवश्यकता होती है। उनकी इस असाधारण उपलब्धि ने न केवल विजयराघवगढ़ बल्कि पूरे क्षेत्र का गौरव बढ़ाया है। उपस्थित लोगों ने तालियों की गड़गड़ाहट के बीच उनका अभिनंदन करते हुए उन्हें युवा पीढ़ी के लिए प्रेरणा का जीवंत उदाहरण बताया। समिति के अध्यक्ष शारदा प्रसाद साहू ने कहा कि ऐसे युवा समाज की अमूल्य पूंजी हैं। उनकी उपलब्धियाँ यह संदेश देती हैं कि मेहनत लगन और आत्मविश्वास के बल पर कोई भी लक्ष्य असंभव नहीं है।

चोरी हुई मोटर साइकिल को किया बरामद

कटनी (स्वतंत्रमत)। कटनी पुलिस अधीक्षक अभिनय विश्वकर्मा, अति पुलिस अधीक्षक कटनी कमल मौर्या के कुशल निर्देशन एवं आकांक्षा चतुर्वेदी एसडीओपी स्लीमनाबाद कटनी के मार्ग दर्शन में थाना स्लीमनाबाद पुलिस ने ग्राम तेवरी से चोरी हुई मोटर साइकिल को किया बरामद। 25 अप्रैल को फरियादी आनंद पिता संतोष चौधरी नि ग्राम बिछुआ थाना स्लीमनाबाद ने रिपोर्ट किया कि 22 अप्रैल को मैं अपने घर से पिताजी की मोटरसाइकिल क्रमांक एमपी 21 एमपी 3911 से किराना का सामान लेने ग्राम तेवरी गया था करीबन सुबह 09 बजे मैं अपनी मोटरसाइकिल ग्राम तेवरी लखनवाड़ा मोड में साइड में खड़ा करके किराना दुकान

में समान लेने गया था फिर 15-20 मिनट के बाद अपनी मोटरसाइकिल के पास आए तो देख मेरी मोटरसाइकिल वहां नहीं खड़ी थी फिर मैं ग्राम तेवरी, लखनवारा मोड व आसपास पर तलाश किया नहीं मिली कोई अज्ञात व्यक्ति मेरी मोटरसाइकिल क्रमांक एमपी 21 एमपी 3911 कीमती 20000 की चोरी करके ले गया है। रिपोर्ट पर अपराध क्र. 241/2026 धारा 303(2) का कायम कर विवेचना में लिया गया दौरान विवेचना आरोपी तेजभान माना उर्फ भुरा कुचबंदिया नि गोसलपुर जिला जबलपुर को गिरफ्तार कर आरोपी से पूछताछ की जो आरोपी द्वारा चोरी की मोटरसाइकिल को अपने गाँव के पास खदान के पानी मे फेंकना बताया जो आरोपी की निशादेही मे ग्राम केवलारी खेरमाई खदान के पानी से वाहन क्र. एमपी 21 एमपी 3911 को बरामद कर जप्त किया जाकर आरोपी को माननीय न्यायालय कटनी के समक्ष पेश किया गया।

पलक झपकते ही मोबाइल पार करने वाला शातिर चोर कोतवाली पुलिस की गिरफ्त में

कटनी (स्वतंत्रमत)। कोतवाली पुलिस ने मोबाइल चोरी की वारदातों को अंजाम देने वाले एक शातिर चोर को गिरफ्तार कर बड़ी सफलता हासिल की है। आरोपी के कब्जे से लगभग 01 लाख रू. मूल्य के 05 मोबाइल फोन बरामद किए गए हैं। आरोपी बेहद सफाई से सो रहे वाहन चालकों एवं खलासियों के ट्रकों से मोबाइल चोरी कर फरार हो जाता था। 23 जून को फरियादी अरुण यादव, निवासी ग्राम डोंगी जिला छतरपुर ने थाना कोतवाली में रिपोर्ट दर्ज कराई कि वह ट्रक में हेल्पर का कार्य करता है। 22 जून की रात उसने अपना ट्रक नदीपार स्थित चाण्डक पेट्रोल पंप के सामने खड़ा किया था। ट्रक के केबिन में चार्जिंग पर लगा वीवो कंपनी का मोबाइल फोन सुबह गायब मिला। मामले में अपराध क्रमांक 683/26 धारा 303(2) बीएनएस के तहत प्रकरण दर्ज किया गया। इसी दिन फरियादी अनुज कुमार अहिरवार, निवासी अजयगढ़ जिला पन्ना ने रिपोर्ट दर्ज कराई कि वह ट्रक में खलासी का कार्य करता है। उसने अपना ट्रक मुड़वारा स्टेशन के पास साइकिल स्टैंड के सामने खड़ा कर रात में विश्राम किया था। सुबह उठने पर ट्रक के केबिन में रखा वन

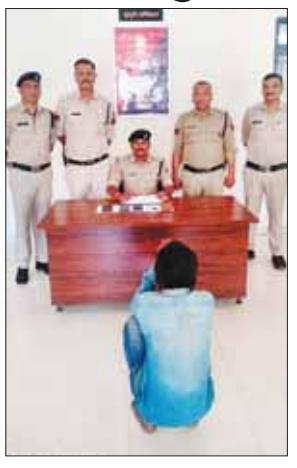

प्लस कंपनी का मोबाइल फोन चोरी पाया गया। इस संबंध में अपराध क्रमांक 685/26 धारा 303(2) बीएनएस पंजीबद्ध किया गया। एक ही दिन में हुई दो मोबाइल चोरी की घटनाओं को गंभीरता से लेते हुए कोतवाली पुलिस ने तत्काल मुखबिर तंत्र को सक्रिय किया। इसी दौरान सूचना प्राप्त हुई कि एक युवक मुड़वारा रेलवे स्टेशन क्षेत्र में बेहद कम कीमत पर महंगे मोबाइल फोन बेचने की कोशिश कर रहा है। सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची। पुलिस को देखकर संदिग्ध युवक भागने लगा, लेकिन घेराबंदी कर उसे पकड़ लिया गया। तलाशी के दौरान उसके पास से 05 मोबाइल फोन बरामद हुए। पूछताछ में आरोपी ने अपना नाम कुंदन चौधरी (24 वर्ष) निवासी राहुल बाग, निमिया मोहल्ला, थाना कोतवाली जिला कटनी बताया। बरामद मोबाइल फोनों के संबंध में संतोषजनक जवाब नहीं दे पाने पर सख्ती से पूछताछ की गई, जिसमें उसने चाण्डक पेट्रोल पंप के सामने खड़े ट्रक से वीवो मोबाइल तथा मुड़वारा स्टेशन के पास खड़े ट्रक से वन प्लस मोबाइल चोरी करना स्वीकार किया। साथ ही उसने पूर्व में चोरी किए गए तीन अन्य मोबाइल फोन भी अपने कब्जे में होना बताया। 05 मोबाइल फोन बरामद पुलिस ने आरोपी के कब्जे से कुल 05 मोबाइल फोन बरामद किए हैं, जिनकी अनुमानित कीमत 01 लाख रू. है। बरामद मोबाइलों में- 03 वीवो कंपनी के मोबाइल, 01 वन प्लस कंपनी का मोबाइल, 01 रियलमी कंपनी का मोबाइल शामिल हैं। चोरी के दोनों प्रकरणों के मोबाइल संबंधित अपराधों में बरामद किए गए हैं, जबकि अन्य तीन मोबाइलों को विधिसम्मत कार्रवाई के तहत जब्त किया गया है। उनके वास्तविक स्वामियों की जानकारी साइबर सेल की सहायता से जुटाई जा रही है।

मुख्य अभियंता जबलपुर क्षेत्र एसके गिरिया दो दिवसीय कटनी दौरे पर

समस्त अधिकारियों की ली समीक्षा बैठक, आज करेंगे फील्ड विजिट

कटनी (स्वतंत्रमत)

25 जून को मुख्य अभियंता जबलपुर क्षेत्र के द्वारा अधीक्षण अभियंता कटनी वृत कार्यालय के अंतर्गत तीनों संभागों के कार्यपालन अभियंताओं, सहायक अभियंता एवं समस्त कनिष्ठि अभियंताओं की समीक्षा बैठक ली गयी, समीक्षा बैठक में मानसून पूर्व मानसून संधारण कार्यों कि समीक्षा की गई, एवं शेष कार्य को जल्द से जल्द पूर्ण कराये जाने हेतु निर्देशित किया गया, बैठक में 1912 के माध्यम से प्राप्त हो रही है बिजली एवं ट्रांसफर संबंधी शिकायतों के त्वरीत शिकायतों के निराकरण करने हेतु निर्देशित किया गया, एवं गत वर्ष की तुलना में अधिक ट्रिपिंग वाले फीडरों की समीक्षा करते हुए सुधार हेतु निर्देशित किया गया, राजस्व संबंधित पैरामीटर जैसे कि राजस्व संग्रहण में वृद्धि बिलिंग, फिशिएंसी, कलेक्शन, फिशिएंसी में वृध्दि एवं एटी-सी लॉसेस कम करने हेतु निर्देशित किया गया, वितरण केंद्र वार राजस्व संग्रहण की समीक्षा की गई एवं माह जून-26 में लक्ष्य से 25 प्रतिशत से कम वसूली पर कनिष्ठ अभियंता बहोरीबंद, ढ़मरखेड़ा, रीठी एवं देवगांव पर नाराजगी व्यक्त करते हुए, कार्यपालन अभियंता दक्षिण संभाग एवं कार्यपालन अभियंता ग्रामीण को वसूली किया जाने हेतु निर्देशित किया गया एवं प्रत्येक वितरण केंद्र में वितरण केंद्र मुख्यालय एवं अधिक लाइन लॉस वाले फीडरों की समीक्षा कर लाइन लॉस 20 प्रतिशत से कम करने हेतु निर्देशित किया गया, ग्रामीण क्षेत्रों में तार लूज होने एवं जहा मिड स्पान पोल की आवश्यकता है तत्काल चिन्हित करते हुए सुधार हेतु निर्देशित किया गया, समाधान योजना में किस्तों में भुगतान करने वाले उपभोक्ताओं के शेष किस्तों के बिल जमा करने हेतु जमीनी स्तर पर कर्मचारियों से लगातार वसूली करने हेतु निर्देशित किया गया जिससे कि उपभोक्ताओं का पेमेंट अकाउंट बड़े एवं राजस्व में वृद्धि हो, ऊर्जा मंत्री द्वारा दिए गए निर्देश अनुसार त्रुटि पूर्ण बिलो के सुधार 30 जून तक पूर्ण करने हेतु

निर्देश प्रदान किए गए। मुख्य अभियंता जबलपुर द्वारा आरडीएसएस योजनाओं के चल रहे कार्यों की समीक्षा की गई, जिसमें विस्तृत रूप से 33/11 के वी उपकेंद्रों के निर्माण, 33 केवी एसोसिएट वर्क, 11 केवी एसोसिएट वर्क एवं स्मार्ट मीटर स्थापना की समीक्षा की गई एवं शेष कार्य को यथाशीघ्र पूर्ण कराए जाने हेतु निर्देशित किया गया, आरडीएसएस योजना अंतर्गत निर्माणाधीन 33/11 केवी उपकेंद्र खिरहनी को 30 जून तक चालू करने के निर्देश दिए गए एवम शेष कार्यो को प्राथमिकता के आधार पर पूर्ण करने हेतु निर्देशित किया गया। मुख्य अभियंता द्वारा आगामी वर्षा ऋतु को ध्यान में रखते हुए सभी उप संभाग में संधारण से संबंधित संधारण सामग्री के स्टॉक के बारे में जानकारी ली एवं जहा आवश्यकता हो ऐसे वितरण केंद्रों को तत्काल क्षेत्रीय भंडार से सामग्री से आहरण करते हुए स्टॉक रखने एवम वितरण केंद्रों को उपलब्ध कराने हेतु निर्देशित किया गया, खराब ट्रांसफर को समय पर बदलने एवम खराब ट्रांसफॉर्मर को क्षेत्रीय भंडार क्षेत्र में तत्काल लौटने हेतु निर्देशित किया गया, जिससे कि आगामी समय मे पर्याप्त मात्रा में ट्रांसफर का स्टॉक उपसंभाग स्तर पर रहे एवं किसानों को बिजली से संबंधित समस्या ना रहे। मुख्य अभियंता द्वारा सुरक्षा उपकरणों का उपयोग करते हुए सुरक्षा नियमों का पालन करते हुए लाइनों पर काम करने हेतु निर्देशित किया गया साथ ही सभी कर्मचारियों को समस्त सुरक्षा उपकरण उपलब्ध कराए जाने हेतु निर्देशित किया गया। मुख्य अभियंता जबलपुर क्षेत्र के द्वारा 26 जून को आरडीएसएस योजना के अंतर्गत चल रहे कार्यों का निरीक्षण फिल्ड विजिट करेंगे। समीक्षा बैठक में अधीक्षण अभियंता कटनी वृत डीएन चौकीकर कार्यपालन अभियंता संचा. संधा. संभाग ग्रामीण शरद विश्वकर्मा, कार्यपालन अभियंता दक्षिण संभाग शैलजा सिंह चौहान, कार्यपालन अभियंता शहर संभाग मुकेश महोबे एवं कार्यपालन अभियंता एसटीसी एसटीएम संभाग सुशीला सिंह एवं समस्त सहायक अभियंता एवं कनिष्ठ अभियंता उपस्थित रहे।

मोरक्को ने हैती को 4-2 से हराकर नॉकआउट में जगह बनाई

अटलांटा (वार्ता) फीफा विश्व कप में ग्रुप सी के उतार चढ़ाव वाले रोमांचक मुकाबले में मोरक्को ने हैती को 4-2 से हराकर राउंड ऑफ 32 में अपनी जगह बना ली। मर्सिडीज-बेंज स्टेडियम में खेले गये मुकाबले के शुरुआती 10 मिनट में ही टूर्नामेंट से बाहर हो चुकी हैती ने गोल करके मोरक्को को चौंका दिया। लेनी जोसेफ ने मौका बनाया और एक अफरा-तफरी भरे फिनिश के बाद गेंद मोरक्को के गोलकीपर यासीन बोनो के हाथों से लगकर गोल में चली गई (इसे ओन गोल माना गया), जिससे कैरेबियाई टीम को चौंकाने वाली बढ़त मिल गई। मोरक्को ने लगातार दबाव बनाया और 39वें मिनट में उन्हें इसका फायदा मिला। हैती के गोलकीपर जॉनी प्लासिड से रिबाउंड हुई गेंद पर कप्तान अशरफ हकीमी ने बॉक्स के अंदर सबसे तेजी से प्रतिक्रिया दी और गेंद को गोल में डालकर स्कोर बराबर किया, जिससे मोरक्को की टीम का तनाव कम हुआ। हाफ-टाइम से पहले हैती ने शानदार अंदाज में फिर से बढ़त बना ली। विल्सन इसिडोर ने टूर्नामेंट के अब तक के सबसे बेहतरीन गोलों में से एक किया; उन्होंने दूर से एक जबरदस्त शॉट मारा जो सीधे गोल के ऊपरी कोने में जाकर लगा, जिससे मोरक्को की टीम एक बार फिर हैरान रह गई। हालांकि, मोरक्को ने हार नहीं मानी। कुछ ही मिनटों बाद, इस्माइल सैबारी ने स्टॉपेज टाइम में गोल कर स्कोर 2-2 से बराबर कर दिया, जिससे रोमांचक शुरुआती 45 मिनट के बाद दोनों टीमें बराबरी पर ब्रेक में गईं। दूसरे हाफ में मोरक्को ने खेल पर अपनी पकड़ मज़बूत की और धीरे-धीरे खेल की गति को अपने पक्ष में किया। कई मौके चूकने के बाद, स्थानापन्न सूफियान रहीमी ने 78वें मिनट में मोरक्को को बढ़त दिलाई, उन्होंने फ्रंट पोस्ट पर तेजी से प्रतिक्रिया देते हुए करीब से गोल किया। मैच के आखिरी पलों में हैती ने एक और बराबरी का गोल करने की कोशिश की। डकेंस नाज़ोन ने एक खतरनाक फ्री-किक से गोल करने का प्रयास किया, जिस पर गोलकीपर को शानदार बचाव करना पड़ा, लेकिन मोरक्को का डिफेंस मजबूत बना रहा। स्टॉपेज टाइम के आखिरी पलों में मोरक्को ने

जीत पक्की कर दी, जब रहीमी ने बाइलाइन के पास गेंद को शानदार ढंग से बचाए रखा और गेसिम यासीन ने करीब से गोल कर दिया। गोल की पुष्टि होने से पहले वीएआर द्वारा थोड़ी देर जांच की गई, जिसके बाद मोरक्को की टीम ने जश्न मनाया। इस जीत के साथ मोरक्को ने ग्रुप स्टेज का समापन मजबूती से किया और ग्रुप सी से ब्राजील के साथ अगले दौर में जगह बनाई, जबकि स्कॉटलैंड और हैती टूर्नामेंट से बाहर हो गए।

बोस्निया-हर्जेगोविना ने नॉकआउट की उम्मीदें जिंदा रखीं

सिएटल(वार्ता) बोस्निया-हर्जेगोविना ने फीफा विश्व कप ग्रुप बी के मुकाबले में कतर को 3-1 से हराकर नॉकआउट चरण में प्रवेश की अपनी उम्मीदों को जिंदा रखा। लुमेन फील्ड में खेले गये मुकाबले की शुरुआत धीमी गति से हुई, लेकिन 29वें मिनट में केरिम अलाजबेगोविच ने गोल करके बोस्निया-हर्जेगोविना को बढ़त दिलाई। इस गोल से कतर की टीम लड़खड़ा गई और पांच मिनट बाद उनकी मुश्किलें और बढ़ गईं, जब गोलकीपर महमूद अबुनादा दबाव में आकर गेंद को अपनी ही नेट में डाल बैठे, जिससे बोस्निया को 2-0 की बढ़त मिल गई। इस झटके के बावजूद कतर ने हिम्मत नहीं हारी और हाफ-टाइम से ठीक पहले वापसी का प्रयास किया। हसन अल-हायदोस ने 42वें मिनट में एक गोल किया, जिससे जूलन लोपेटेगुई की टीम को 2-1 के स्कोर के साथ ब्रेक में जाने पर नई उम्मीद मिली। हालांकि, दूसरे हाफ में बोस्निया-हर्जेगोविना ने खेल की गति को अच्छे से संभाला। उन्होंने कतर के आक्रामक खेल को रोका और धीरे-धीरे अहम इलाकों में गेंद पर अपना कब्ज़ा जमाया। मैच का निर्णायक पल 80वें मिनट में आया, जब एरमिन महमिक ने बॉक्स के अंदर बने लगातार दबाव का फायदा उठाया। अफरा-तफरी के बीच करीब से गोल करके उन्होंने बोस्निया की दो गोल की बढ़त (3-1) को फिर से बहाल कर दिया।

स्कॉटलैंड को 3-0 से हराकर ब्राजील विश्वकप के नॉकआउट में

मियामी (वार्ता)

विनीसियस जूनियर के दो और मैथियस कुन्हा के एक गोल की बदौलत पांच बार की विश्व चैंपियन ब्राजील ने स्कॉटलैंड को 3-0 से हराकर फीफा विश्व कप के नॉकआउट राउंड में जगह बना ली है। मियामी स्टेडियम में खेले गये मुकाबले में पहले हॉफ के सातवें मिनट में विनीसियस ने गोल कर ब्राजील को शुरुआती बढ़त दिलाई। इसके बाद उन्होंने अपना और टीम का दूसरा गोल भी दागा। मैच का तीसरा गोल कुन्हा ने किया। इन दो गोलों के साथ विनीसियस के अब टूर्नामेंट में चार गोल हो गये हैं और गोल्डन बूट की दौड़ में फ्रांस के किलियन एम्बाप्पे की बराबरी पर पहुंच गए हैं। दोनों के चार-चार गोल हैं, जबकि अर्जेंटीना के लियोनेल मेसी पांच गोल के साथ इस मामले में शीर्ष पर हैं। मैच के दौरान 76वें

मिनट में ब्राजील के स्टार खिलाड़ी नेमार ने मैदान में वापसी की। वह पिंडली की चोट के कारण वह टीम के शुरुआती दो मुकाबलों में नहीं खेल पाए थे। ब्राजील इस जीत के साथ सात अंक लेकर ग्रुप-सी के शीर्ष पर है।

स्विट्जलैंड और कनाडा ने किया क्वालीफाई-वैंकूवर, (वार्ता)। स्विट्जरलैंड ने दूसरे हॉफ में शानदार प्रदर्शन करते हुए कनाडा को उसके घरेलू मैदान पर 2-1 से हराकर फीफा विश्वकप ग्रुप बी मुकाबले में शीर्ष रहते हुए नॉटआउट चरण में जगह बना ली है।

वहीं इस हार के बावजूद कनाडा ने दूसरे स्थान पर रहते हुए नॉकआउट में प्रवेश किया। बीसी प्लेस स्टेडियम में खेले गए ग्रुप बी के इस मुकाबले में दोनों टीमों के आक्रामक खेल और कई मौके बनाये जाने के बावजूद 45 मिनट गोल नहीं कर सकी। दूसरे हाफ की शुरुआत में स्विट्जरलैंड के रूबेने वर्गास ने 46वें मिनट में गोल दागकर अपनी टीम को बढ़त दिलाई। इसके बाद 57वें मिनट में 20 वर्षीय जोहान मंजाम्बी ने गोल कर स्विट्ज़लैंड की बढ़त को दोगुना कर दिया। मंजाम्बी ने पूरे मैच में आक्रमण प्रदर्शन किया। कनाडा ने वापसी का प्रयास किया और स्थानापन्न खिलाड़ी प्रॉमिस डेविड ने 76वें मिनट में गोल कर मुकाबले को रोमांचक बना दिया। अंतिम मिनटों में कनाडा ने बराबरी का प्रयास किया, लेकिन स्विस रक्षा पंक्ति ने उन्हें कामयाब नहीं होने दिया। आखिरकार स्विट्जरलैंड ने 2-1 की जीत दर्ज कर सात अंकों के साथ ग्रुप बी में शीर्ष पर रहते हुए नॉटआउट चरण में प्रवेश किया।

मेक्सिको ने चेकिया को 3-0 से हराया

मेक्सिको सिटी (वार्ता)।

मेक्सिको ने फीफा विश्वकप में शानदार प्रदर्शन करते हुए चेकिया को 3-0 से हराकर ग्रुप ए में शीर्ष पर जगह बना ली है। मैच में मेक्सिको के लिए मातेओ शावेज ने 55वें मिनट में, जूलियन क्रिनोन्स ने 61वें मिनट और स्थानापन्न के तौर पर आए अल्वारो फिदालगो ने स्टॉपेज टाइम (90 3 मिनट) में गोल दागे। चेकिया गेम के आठवें मिनट में गोल करने के करीब था, जब डेनिस विसिंस्की का शॉट गोल पोस्ट से थोड़ा बाहर चला गया। दोनों टीमों की ओर से आक्रामक प्रदर्शन के बावजूद पहला हॉफ गोल रहित रहा।

दक्षिण अफ्रीका ने दक्षिण कोरिया को 1-0 से हराया

एस्तादियो मोंटेरी (मेक्सिको) (वार्ता)। थापेलो मासेको के 63वें मिनट में किये गये शानदार गोल की बदौलत दक्षिण अफ्रीका ने गुरुवार को दक्षिण कोरिया को 1-0 से हराकर विश्व कप के नॉकआउट चरण में जगह बना ली है। खेल शुरू होने के आठवें मिनट में दक्षिण कोरिया लगभग गोल कर ही चुका था, लेकिन ली कांग-इन का शॉट बाहर चला गया। इसके बाद दक्षिण अफ्रीका ने खेल में अपनी पकड़ मजबूत की और आधे घंटे के खेल के बाद किम सेउंग-ग्यु को शानदार बचाव करने पर मजबूर किया, लेकिन हाफ-टाइम तक कोई गोल नहीं हो सका। इसके बाद, एक घंटे का खेल पूरा होने के ठीक बाद थापेलो मासेको ने बाफाना को अहम बढ़त दिलाई; उन्होंने त्शेपांग मोरेमी के शानदार पास पर गेंद को घुमाते हुए निचले कोने (बॉटम कॉर्नर) में गोल किया। दक्षिण कोरिया ने पूरा प्रयास किया लेकिन वे दक्षिण अफ्रीका खिलाड़ियों पर दबाव नहीं बना सके। दक्षिण अफ्रीका ने यह अहम जीत हासिल की और पहली बार विश्वकप के नॉकआउट स्टेज में जगह बनाई।

भारत ने कुल 25 मेडल के साथ मेडल टैली में टॉप किया

सुहल (वार्ता)। भारतीय शूटर्स ने जर्मनी के सुहल में आयोजित आईएसएसएफ जूनियर वर्ल्ड चैंपियनशिप 2026 का समापन 25 मेडल के साथ किया। गुरुवार को उन्होंने 50मी पिस्टल इवेंट - जो कि नॉन-ओलंपिक इवेंट है - में चार और मेडल जीते। पुरुषों के 50मी पिस्टल शूटिंग इवेंट में, भारत के राज चंद्र ने 551-8× के स्कोर के साथ ब्रॉन्ज़ मेडल जीता। कुमार योगेश (548-4×) चौथे स्थान पर रहे।

कुमार योगेश, प्रतीक और अभिनव चौधरी की भारतीय तिकड़ी ने टीम कैटेगरी में 1610-15× के कंबाइंड स्कोर के साथ सिल्वर मेडल जीता। एक इंडिविजुअल न्यूट्रल एथलीट टीम ने गोल्ड जीता, जबकि यूक्रेन ने ब्रॉन्ज़ मेडल हासिल किया। महिलाओं के इंडिविजुअल 50मी पिस्टल इवेंट में ऐश्वर्या रविचंद्र बालेहोसुर 540-11× का स्कोर करने के बाद बहुत कम अंतर से गोल्ड मेडल से चूक गईं। न्यूट्रल एथलीट सोफिया स्मेतांकिना (540-12×) ने गोल्ड मेडल जीता।

भारत ने बांग्लादेश को 5 विकेट से हराया

मैनचेस्टर। विमेंस टी-20 वर्ल्ड कप में भारत ने बांग्लादेश को 5 विकेट से हराकर सेमीफाइनल की उम्मीदों को कायम रखा। गुरुवार को मैनचेस्टर में खेले गए मुकाबले में बांग्लादेश ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 8 विकेट पर 136 रन बनाए। जवाब में भारत ने शेफाली वर्मा के 53 रन और यास्तिका भाटिया के 23 रन की बदौलत 16.5 ओवर में 5 विकेट खोकर

टारगेट हासिल कर लिया।

इंग्लैंड महिला टी-20 विश्वकप के सेमीफाइनल में

लॉर्ड्स (वार्ता)। डेनियल वायट (65), हीथर नाइट (43) रन की शानदार बल्लेबाजी के बाद गेंदबाजों के बेहतरीन प्रदर्शन की बदौलत इंग्लंड ने महिला टी-20 विश्वकप के 22वें मुकाबले में वेस्टइंडीज को 38 रनों से हरा दिया है। इसी के साथ इंग्लैंड टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में जगह बना ली है। वेस्टइंडीज की महिला टीम ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने

उतरी इंग्लैंड की महिला टीम ने निर्धारित 20 ओवरों में सात विकेट पर 186 रनों का चुनौतीपूर्ण स्कोर बनाया। इंग्लैंड की शुरुआत अच्छी रही और उसने पहले ही ओवर में एमी जोंस (आठ) का विकेट गंवा दिया। इसके बाद सोफिया डंकली (14) रन बनाकर आउट हुई।

उदयपुर से उड़ान शुरू करेगी अकासा

नयी दिल्ली (वार्ता)। नवोदित विमान सेवा कंपनी अकासा एयर ने गुरुवार को पर्यटकों के पसंदीदा शहर राजस्थान के उदयपुर को अपने नेटवर्क में शामिल करने की घोषणा की। एयरलाइंस उदयपुर से 15 अक्टूबर से मुंबई और बेंगलुरु के लिए सीधी दैनिक उड़ानें शुरू करेगी। उसकी वेबसाइट, एंड्रॉइड और आईओएस ऐप तथा सभी प्रमुख ट्रैवल एजेंटों और ऑनलाइन ट्रैवल एजेंसियों के माध्यम से दोनों मार्गों पर बुकिंग शुरू हो चुकी है। अकासा एयर की प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया है कि प्रीमियम पर्यटन, डेस्टिनेशन वेडिंग्स और अनुभव संबंधी यात्रा के क्षेत्र में उदयपुर की मजबूत लोकप्रियता और महानगरों से बढ़ती मांग को देखते हुए उदयपुर से उड़ान शुरू करने का फैसला किया गया। इस अवसर पर अकासा एयर के सह-संस्थापक एवं मुख्य वाणिज्यिक अधिकारी आनंद श्रीनिवासन ने कहा, हमें उदयपुर के लिए सेवाएं शुरू करते हुए बेहद खुशी हो रही है। यह शहर भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत का प्रतीक है, और अवकाश तथा आतिथ्य यात्रा के क्षेत्र में इसके लिए लगातार मजबूत मांग देखी जा रही है। मुंबई और बेंगलुरु से सीधी कनेक्टिविटी के साथ यात्रियों को अब देश के सबसे प्रतिष्ठित पर्यटन स्थलों में से एक तक अधिक सुविधाजनक पहुंच मिलेगी।

ऑटो, बैंकिंग सेक्टरों में तेजी से चढ़े प्रमुख सूचकांक

मुंबई (वार्ता)। ऑटो और बैंकिंग सेक्टरों में तेजी से घरेलू शेयर बाजारों में गुरुवार को प्रमुख सूचकांक दिनभर उतार-चढ़ाव के बाद अंत में ऊपर बंद हुए। बीएसई का 30 शेयरों का संवेदी सूचकांक सेंसेक्स 109.25 अंक (0.14 प्रतिशत) की बढ़त में 77,100.47 अंक पर बंद हुआ। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी-50 सूचकांक भी 34.35 अंक यानी 0.14 प्रतिशत की मजबूती के साथ 24,056 अंक पर बंद हुआ। दोनों प्रमुख सूचकांक लगातार दूसरे दिन मजबूत हुए हैं। सेंसेक्स की शुरुआत 400 अंक की बढ़त के साथ 77,391

अंक पर हुई। दोपहर तक यह ऊपर 77,803 अंक पर पहुंच गया था। हालांकि वृहत बाजार में बिकवाली के दबाव में बाद में 76,993 अंक तक टूट गया था। इस प्रकार इसमें 810 अंक का उतार-चढ़ाव देखा गया। वृहत बाजार में गिरावट रही। निफ्टी मिडकैप-50 सूचकांक 0.58 प्रतिशत और स्मॉलकैप-100 सूचकांक 0.47 प्रतिशत टूट गया। आईटी, धातु, फार्मा, टिकाऊ उपभोक्ता उत्पाद, रसायन और तेल एवं गैस क्षेत्र की कंपनियों पर दबाव रहा। ऑटो, एफएमसीजी, बैंकिंग और रियल्टी समूहों के सूचकांकों में तेजी रही। एनएसई में जिन 3,418 कंपनियों के शेयरों में कारोबार हुआ उनमें से 2,069 के शेयरों में गिरावट रही जबकि 1,231 कंपनियों के शेयरों में तेजी देखी गयी। अन्य 118 कंपनियों के शेयर अंततः अपरिवर्तित रहे। सेंसेक्स की कंपनियों में विमान सेवा कंपनी इंडिगो का शेयर 4.73 प्रतिशत चढ़ा। महिंद्रा एंड महिंद्रा में 3.82 प्रतिशत, मारुति सुजुकी में 3.69 प्रतिशत और भारतीय स्टेट बैंक तथा आईसीआईसीआई बैंक दोनों में 1.01 प्रतिशत की तेजी रही।

अडानी समूह अपने हवाई अड्डों के आसपास करेगा इंटीग्रेटेड एयरपोर्ट सिटी का विकास

20 हजार करोड़ का होगा निवेश

मुंबई (वार्ता)। अडानी एयरपोर्ट होल्डिंग्स लिमिटेड की पूर्ण स्वामित्व वाली कंपनी अडानी एयरपोर्ट सिटी लिमिटेड (एएसीएल) समूह के हवाई अड्डों के आसपास 20 हजार करोड़ रुपये के निवेश से इंटीग्रेटेड एयरपोर्ट सिटी का विकास करेगी जिसमें एक ही जगह पर पूरा पारितंत्र मौजूद होगा। अडानी एयरपोर्ट्स ने गुरुवार को बताया कि वह देश के पांच राज्यों में छह हवाई अड्डों के आसपास इंटीग्रेटेड एयरपोर्ट सिटी का विकास करेगी। इन एयरपोर्ट सिटी का कुल क्षेत्रफल 655 एकड़ से अधिक क्षेत्र में होगा और इनके विकास पर 20 हजार करोड़ रुपये की राशि खर्च की जायेगी। योजना में शामिल छह हवाई मुंबई, नवी मुंबई, अहमदाबाद, लखनऊ, जयपुर और गुवाहाटी है। मुंबई और नवी मुंबई को मिलाकर 440 एकड़ में इंटीग्रेटेड एयरपोर्ट सिटी होंगे जबकि अन्य चार स्थानों पर 215 एकड़ क्षेत्रफल में इसका विकास किया जायेगा। पहले चरण में लगभग 2.2 करोड़ वर्ग फुट मिश्रित उपयोग (मिक्स्ड-यूज़) विकास की योजना है। इसके तहत आतिथ्य, रिटेल, व्यवसाय, मनोरंजन और सम्मेलनों के लिए बुनियादी ढांचों का विकास किया जायेगा।

मनासुम सीनियर लिविंग बुजुर्गों के लिए देश भर में 10 हजार मकान विकसित करेगी

उत्तर भारत में कदम रखने की तैयारी में

नयी दिल्ली (वार्ता)। बुजुर्गों के लिए आवास परियोजनाओं के विकास में लगी मनासुम सीनियर लिविंग ने वर्ष 2030 तक देशभर में वरिष्ठजनों के लिए पांच साल में 800 करोड रुपये के निवेश के साथ कुल 10 हजार मकान विकसित करेगी। बेंगलूरू की यह कंपनी वर्तमान में कंपनी कर्नाटक, गोवा और आंध्र प्रदेश में कई परियोजनाओं का परिचालन कर रही है तथा गुजरात, तमिलनाडु और तटीय कर्नाटक में भी तेजी से विस्तार कर रही है। कंपनी के प्रवर्तकों ने गुरुवार को यह संवाददाताओं से कहा कि वे अब दक्षिण भारत के साथ-साथ देश भर में विस्तार करना चाहते हैं। आईटी क्षेत्र के पेशेवर अनंतराम वी. वरयूर, सुमति अनंतराम और कुशल रमेश द्वारा स्थापित मनासुम का उद्देश्य भारत की तेजी से बढ़ती वरिष्ठ नागरिक आबादी के लिए विशेष रूप से डिज़ाइन किये गये सीनियर लिविंग समुदाय विकसित करना है। इसके अंतर्गत कंपनी बुजुर्गों को भोजन, चिकित्सक और नर्सिंग सुविधाएं और रिवर्स मोर्तगेज जैसी विशिष्ट सेवाएं भी सुलभ कराती है। उन्होंने कहा कि विस्तार रणनीति की इस रणनीति के तहत कंपनी अब दक्षिण के साथ साथ पश्चिम और उत्तर भारत में अपनी उपस्थिति मजबूत करेगी। वर्तमान में कंपनी के पास विभिन्न परियोजनाओं में कुल 950 यूनिट मकान हैं तथा 1,000 से अधिक यूनिट निर्माणाधीन हैं तथा 750 से अधिक मकानों के निर्माण की योजना की तैयारी है।

श्री वरयूर ने कहा कि अपनी विस्तार योजनाओं को गति देने के लिए मनासुम अगले पांच वर्षों में लगभग 800 करोड़ रुपये का निवेश करेगी और देशभर में 25 से अधिक परियोजनाएं शुरू करेगी।

कच्चे तेल में गिरावट से रुपया मजबूत

मुंबई (वार्ता)। अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर डॉलर और कच्चे तेल में नरमी से गुरुवार को रुपये में मजबूती देखी गयी। अंतरबैंकिंग मुद्रा बाजार में रुपया 10 पैसे मजबूत हुआ और कारोबार की समाप्ति पर एक डॉलर 94.45 रुपये का बोला गया। भारतीय मुद्रा लगातार दूसरे दिन बढ़त में रही है। पिछले कारोबारी दिवस पर यह 21 पैसे की मजबूती के साथ 94.55 रुपये प्रति डॉलर पर बंद हुई थी। रुपया आज 25 पैसे चढ़कर 94.30 रुपये प्रति डॉलर पर खुला। शुरुआती कारोबार में यह 94.14 रुपये प्रति डॉलर तक चढ़ गया था। दोपहर बाद रुपया 94.56 रुपये तक टूट गया। अंत में 94.45 रुपये प्रति डॉलर पर बंद हुआ। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कच्चे तेल में गिरावट रही। लंदन का ब्रेंट क्रूड वायदा 0.6 प्रतिशत फिसल कर 73 डॉलर प्रति बैरल की ओर फिसल गया जो पश्चिम एशिया संकट से पहले के स्तर के काफी करीब है।

चावल नरम, गेहूं, दालों में तेजी

नयी दिल्ली (वार्ता)

घरेलू थोक जिंस बाजारों में मंगलवार को चावल का औसत भाव गिर गया। वहीं, गेहूं और दालों में तेजी देखी गयी। चीनी का भाव गत दिवस के स्तर पर ही पड़ा रहा। खाद्य तेलों में उतार-चढ़ाव का रुख देखा गया।

औसत दर्जे के चावल की औसत कीमत 10 रुपये गिरकर 3,901 रुपये प्रति क्विंटल रह गयी। गेहूं आठ रुपये महंगा हुआ और 2,802 रुपये प्रति क्विंटल बोला गया। आटे की कीमत लगभग अपरिवर्तित रही। दाल-दलहनों में चना दाल की औसत कीमत 18 रुपये प्रति क्विंटल बढ़ गयी। मसूर दाल नौ रुपये और मूंग दाल छह रुपये प्रति क्विंटल मजबूत हुई। उड़द दाल और तुअर दाल के भाव पिछले कारोबारी दिवस के स्तर पर पड़े रहे। मलेशिया के बुरसा

मलेशिया डेरिवेटिव एक्सचेंज में पाम ऑयल का सितंबर वायदा 75 रिंगिट गिरकर 4,558 रिंगिट प्रति टन रह गया। दिसंबर का अमेरिकी सोया तेल वायदा 0.93 प्रतिशत टूटकर 65.13 सेंट प्रति पौंड के भाव बोला गया।

स्थानीय बाजार में सोया तेल 41 रुपये प्रति क्विंटल महंगा हुआ। सरसों तेल की कीमत 27 रुपये और मूंगफली तेल की 22 रुपये बढ़ गयी।

सूरजमुखी तेल नौ रुपये और पाम ऑयल में सात रुपये मजबूत हुआ। वनस्पति 24 रुपये प्रति क्विंटल फिसल गया।

मीठे के बाजार में आज गुड़ का औसत भाव 34 रुपये प्रति क्विंटल बढ़ गया। वहीं, चीनी की कीमत पिछले कारोबारी दिवस के स्तर पर ही पड़ी रही।दाल चना 7765.71 रुपये, मसूर काली 8167.06 रुपये, मूंग दाल 10157.47 रुपये, उड़द दाल 10928.14 रुपये, तुअर दाल 11270.17 रुपये प्रति क्विंटल रही। अनाज (भाव प्रति क्विंटल) गेहूं दड़ा 2801.63 रुपये और चावल 3900.55 रुपये प्रति क्विंटल और आटा (गेहूं) 3253.52 रुपये प्रति क्विंटल रहा। चीनी एस 4360.44 रुपये और गुड़ 5127.26 रुपये प्रति क्विंटल बोले गये।

सरसों तेल 18313.77 रुपये, मूंगफली तेल 19374.49 रुपये, सूरजमुखी तेल 17909.27 रुपये, सोया तेल 15312.80 रुपये, पाम ऑयल 13834.21 रुपये और वनस्पति 15346.98 रुपये प्रति क्विंटल के स्तर पर रहा।

14 जिलों में 6 लाख हेक्टेयर क्षेत्र में बढ़ेंगी सिंचाई सुविधाएं : डॉ. यादव

मंत्रालय में हुई नर्मदा घाटी विकास और जल संसाधन विभाग के कार्यों की समीक्षा

भोपाल (स्वतंत्र मत)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कृषक कल्याण वर्ष में सिंचाई सुविधाओं के विस्तार को सर्वोच्च प्राथमिकता देने के निर्देश दिए हैं। इस वर्ष 14 जिलों में जिन सिंचाई परियोजनाओं के कार्य पूर्ण हो गए हैं, उनके लोकार्पण की तैयारी कर ली गई है। आगामी 6 माह में लगभग 6 लाख हेक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई सुविधाओं में वृद्धि करने वाली इन परियोजनाओं का लोकार्पण होगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव की अध्यक्षता में गुरूवार को मंत्रालय में हुई जल संसाधन और नर्मदा घाटी विकास विभागों के कार्यों की समीक्षा बैठक में जानकारी दी गई कि कृषक कल्याण वर्ष में अनेक सिंचाई परियोजनाओं के लोकार्पण होंगे। इनमें बड़वानी, सीहोर, शाजापुर, देवास, झाबुआ, धार, खण्डवा, खरगोन, आलीराजपुर, राजगढ़, जबलपुर, कटनी और मण्डला जिलों की सिंचाई परियोजनाएं शामिल हैं। बैठक में सिंहस्थ से जुड़ी तीन परियोजनाओं के कार्यों की प्रगति की समीक्षा भी की गई। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने नर्मदा घाटी विकास और जल संसाधन विभाग के कार्यों की विस्तार से समीक्षा की।

केन-मंदाकिनी लिंक परियोजना का प्रस्ताव सरकार को प्रेषित-बैठक में जानकारी दी गई कि केन-मंदाकिनी लिंक अन्तर्राज्यीय सिंचाई परियोजना का प्रस्ताव भारत सरकार को भेजा गया है। इस परियोजना से 93 हजार 310 हेक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई क्षमता का विकास होगा और 15.8 मेगावाट विद्युत उत्पादन किया जा सकेगा। परियोजना में 20 किलोमीटर लंबाई की टनल भी बनाई जाएगी। परियोजना की लागत 8400 करोड़ रुपए से अधिक होगी।

सिंहस्थ से जुड़ी परियोजनाओं के कार्यों में प्रगति-मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सिंहस्थ आयोजन के उद्देश्य से पूर्ण की जाने वाली परियोजनाओं के कार्यों की जानकारी प्राप्त की। इनमें सेवरखेड़ी-सिलारखेड़ी परियोजना का 82 प्रतिशत कार्य पूर्ण हो गया है। बैठक में बताया गया कि कान्ह डायवर्सन क्लोज्ड डक्ट परियोजना में 66 प्रतिशत प्रगति है। शिप्रा तट पर सिंहस्थ में करोड़ों लोगों द्वारा सुविधाजनक ढंग से पुण्य स्नान का लाभ लेने के दृष्टि से 29 किलोमीटर लंबाई में बनाए जा रहे घाटों का निर्माण कार्य तेजी से चल रहा है। इस कार्य में भी 60त्न प्रगति है।

सिंचाई क्षेत्र में उल्लेखनीय वृद्धि-प्रदेश में सिंचित रकबा निरंतर बढ़ रहा है। मध्यप्रदेश में निर्मित और निर्माणाधीन परियोजनाओं से निकट भविष्य में मिलने वाले लाभ को जोड़ें तो प्रदेश में सिंचित क्षेत्र 95. 45 लाख हेक्टेयर हो जाएगा। इसके अलावा अन्य स्वीकृति प्राप्त परियोजनाओं को समाहित करें तो यह आंकड़ा 108 लाख हेक्टेयर होगा। कार्यों को तेजी से पूरा किए जाने के फलस्वरूप सिंचाई क्षेत्र का निरंतर विस्तार हो रहा है।

पुनर्व्यवस्थापन के लिए विशेष पैकेज-बैठक में जानकारी दी गई कि केन -बेतवा अंतर्राज्यीय नदी जोड़ो परियोजना में बुंदेलखण्ड क्षेत्र के दस जिलों में 8.11 लाख हेक्टेयर वार्षिक सिंचाई के साथ 130 मेगावॉट ऊर्जा उत्पादन भी होगा। परियोजना में भू-अर्जन, पुनर्वास और पुनर्व्यवस्थापन के लिए विशेष पैकेज के तहत अवार्ड पारित कर 90 प्रतिशत भुगतान किया चुका है। बीना कॉम्प्लेक्स बहुउद्देश्य परियोजना में चकरपुर एवं मड़िया बांध का काम पूरा हो गया है।

छिंदवाड़ा की चतुर्थ बांध परियोजना-बैठक में यह भी जानकारी दी गई कि वर्ष 2022 में क्षतिग्रस्त हुए कारम बांध के वर्ष 2024 से पुनर्निर्माण के कार्य प्रारंभ हुए, जो लगभग पूर्ण हो गए हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने चतुर्थ बांध परियोजना के कार्यों परियोजनाओं के कार्यों की समीक्षा की।

स्लीमनाबाद टनल के उद्घाटन की तैयारी-मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने नर्मदा की अमृत धारा को सोन नदी से जोड़ने वाली महत्वपूर्ण स्लीमनाबाद टनल के उद्घाटन के लिए आवश्यक तैयारी के निर्देश दिए। बरगी व्यपवर्तन परियोजना के अंतर्गत जबलपुर स्थित बरगी बांध से निकलने वाली यह ट्रांस-वैली केनाल प्रदेश की सबसे ज्यादा 227 क्यूमेक डिस्चार्ज करयिंग कैपेसिटी वाली नहर के माध्यम से जबलपुर, कटनी, सतना, मैहर, रीवा और पन्ना के लगभग डेढ़ हजार गांव की करीब ढाई लाख हेक्टेयर भूमि को सिंचाई का वरदान प्राप्त होगा। दायीं तट मुख्य नहर के किलोमीटर 104 से 116 के मध्य निर्मित इस टनल का कार्य लगभग डेढ़ दशक से चल रहा था, जो लगभग पूर्ण हो चुका है।

विकसित भारत के निर्माण में युवाओं को मिले अधिक से अधिक अवसर : राज्यपाल

विद्यार्थियों में कौशल, योग और सामाजिक सरोकार करें विकसित

भोपाल (स्वतंत्र मत)। राज्यपाल मंगुभाई पटेल ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की विकसित भारत2047 की संकल्पना को साकार करने की दिशा में प्रदेश के युवाओं की सहभागिता सुनिश्चित करने के लिए विश्वविद्यालयों द्वारा अधिक से अधिक अवसर उपलब्ध कराये जाने चाहिए। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी वर्ष 2047 में भारत को विकसित राष्ट्र के रूप में स्थापित करने के लिये सभी वर्गों से सतत् विचार-विमर्श करते रहे है जिसमें युवा भी शामिल है। विश्वविद्यालयों का दायित्व है कि विद्यार्थियों में राष्ट्र निर्माण के जज्बे को और अधिक सुदृढ़ करने में अपना सक्रिय योगदान दें। राज्यपाल श्री पटेल गुरूवार को लोकभवन में आयोजित विश्वविद्यालय समन्वय समिति की 102वीं बैठक को संबोधित कर रहे थे।

बैठक में शासकीय एवं निजी विश्वविद्यालयों के संचालन एवं समन्वय संबंधी विभिन्न विषयों की समीक्षा की गई। राज्यपाल श्री पटेल ने विश्वविद्यालयों को सेवायोजित पूर्व विद्यार्थियों के लिए प्रत्येक 2 वर्ष में प्लेसमेंट सम्मेलन आयोजित करने की सलाह दी है। प्लेसमेंट सम्मेलन में वर्तमान छात्र-छात्राओं को प्रेरणा और मार्गदर्शन मिलेगा। विश्वविद्यालय का गौरव भी बढ़ेगा। उन्होंने अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर विश्व के लगभग 200 देशों में किये गये योगाभ्यास से योग की वैश्विक स्वीकार्यता का उल्लेख करते हुए कहा कि विश्वविद्यालयों को योग को नियमित गतिविधियों को मासिक साप्ताहिक आयोजन के क्रम में शुरू करना चाहिए। इसकी शुरुआत छात्रावासों से की जा सकती है। उन्होंने रोजगारोन्मुखी प्रमाण-पत्र एवं डिप्लोमा पाठ्यक्रमों को गरीब एवं वंचित परिवारों की आत्मनिर्भरता में व्यवहारिक पहल बताया। कृषि संबद्ध विभिन्न कार्यों के लिए भी प्रमाणन व्यवस्था विकसित किए जाने पर बल दिया।

राज्यपाल श्री पटेल ने कहा कि माता-पिता अपने बच्चों के भविष्य को उज्ज्वल बनाने के विश्वास के साथ उन्हें विश्वविद्यालयों में शिक्षा ग्रहण करने भेजते हैं। इस विश्वास को बनाये रखना कुलगुरुओं और प्राध्यापकों की जिम्मेदारी है।

कलेक्टर ने जबेरा समिति पहुंचकर खाद वितरण व्यवस्थाओं का लिया जायजा

किसानों से चर्चा और तत्काल स्पॉट पर कार्यवाही

दमोह (स्वतंत्र मत)। कलेक्टर प्रताप नारायण यादव ने बुधवार को आकस्मिक रूप से जबेरा मण्डी खाद वितरण केंद्र और जबेरा समिति पहुंचकर खाद वितरण व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने किसान भाईयो से चर्चा भी की और उनकी बाते व समस्याएं भी सुनी। यहां पर आकस्मिक जांच में समिति ने एक किसान ने बताया उसे यूरिया ग्राम रोंड में प्राईवेट डीलर द्वारा निर्धारित दर से अधिक में प्रदाय किया गया हैए कलेक्टर श्री यादव नें नायब तहसीलदार श्री साहू को मौके पर भेजकर कार्यवाही के निर्देश दिए। किसान अरविंद सिंह ने बताया उसे यूरिया 350 रूपये में दिया गया है। किसानों ने बताया कियोस्क में किसानो से निर्धारित 15 रूपये की जगह 50 रूपये वसूल किये जा रहे हैए कलेक्टर ने गर्वनेंस मैनेजर से तत्काल दूरभाष पर कार्यवाही के निर्देश दिए। कलेक्टर श्री यादव नें किसानो से कहा सभी मण्डियों, सहकारी समितियों और कृषि कार्यालयों में निःशुल्क टोकन प्रदाय किये जायेंगे, किसान भाई इस व्यवस्था का लाभ उठायें। कलेक्टर ने सभी समितियों, मण्डी में इस आशय का फ्लैक्स लगवाने के निर्देश दिए।

हटा में लोकायुक्त का बड़ा एक्शन

बिजली विभाग के सहायक अभियंता 2 हजार की रिश्वत लेते रंगे हाथ गिरफ्तार

हटा (स्वतंत्र मत)। भ्रष्टाचार के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए लोकायुक्त पुलिस सागर ने हटा में मप्र पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के सहायक अभियंता राजेश सहाय को 2 हजार रुपये की रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। इस कार्रवाई से बिजली विभाग सहित अन्य सरकारी कार्यालयों में हड़कंप मच गया। लोकायुक्त की इस कार्रवाई को भ्रष्टाचार के खिलाफ बड़ा संदेश माना जा रहा है। जानकारी के अनुसार गांधी वार्ड बूढ़ा हटा निवासी एवं आरओ वाटर प्लांट संचालक इंद्रकुमार पटेल के प्लांट का निरीक्षण बिजली विभाग द्वारा किया गया था। निरीक्षण के दौरान मीटर पर स्वीकृत लोड से अधिक बिजली उपयोग करने की बात सामने आई। आरोप है कि इसी मामले में कार्रवाई का भय दिखाकर सहायक अभियंता राजेश सहाय ने राहत देने और लोड बढ़ाने के एवज में 7 हजार रुपये रिश्वत की मांग की। बातचीत के बाद पहली किश्त के रूप में 2 हजार रुपये देने पर सहमति बनी। फरियादी इंद्रकुमार पटेल ने रिश्वत देने के बजाय साहस दिखाते हुए पूरे मामले की शिकायत लोकायुक्त पुलिस अधीक्षक कार्यालय सागर में की। शिकायत मिलने के बाद लोकायुक्त ने गोपनीय सत्यापन कराया जिसमें रिश्वत मांगने की शिकायत प्रथम दृष्टया सही पाई गई। इसके बाद लोकायुक्त निरीक्षक रंजीत सिंह के नेतृत्व में एक ट्रैप टीम गठित की गई और योजनाबद्ध कार्रवाई की तैयारी की गई।गुरुवार को लोकायुक्त टीम हटा पहुंची। पूर्व निर्धारित योजना के अनुसार फरियादी रिश्वत की राशि लेकर विद्युत विभाग कार्यालय पहुंचा। जैसे ही सहायक अभियंता राजेश सहाय ने 2 हजार रुपये लिए पहले से तैनात लोकायुक्त टीम ने उन्हें रंगे हाथों पकड़ लिया। जांच के दौरान विभाग के एक आउटसोर्स कर्मचारी संदीप पटेरिया की भूमिका भी संदिग्ध पाई गई जिसके चलते उसे भी सह.आरोपी बनाया गया है। लोकायुक्त निरीक्षक रंजीत सिंह ने बताया कि शिकायत के सत्यापन के बाद ट्रैप कार्रवाई की गई है। आरोपियों के खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम की विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज कर वैधानिक कार्रवाई जारी है। उल्लेखनीय है कि श्री सहाय मई 2025 में हटा पदस्थ किये गए थे। इनके पूर्व पदस्थ रही सहायक यंत्री सुबुद्धि चढ़ार पर भी हटा पदस्थापना के दौरान गड़बड़ी पर कार्यवाही हुई थी और सेवा समाप्ति की कारीबहि प्रस्तवित की गई थी लोकायुक्त सागर की ट्रैप टीम में निरीक्षक रंजीत सिंह, निरीक्षक रोशनी जैन, शशिकांत, आदेश तिवारी, प्रदीप दुबे, गोल्डी पाशी, नीलेश चौबे एवं अरविंद चौबे आदि शामिल रहे।

अलग-अलग सड़क दुर्घटनाओं में दो की मौत

दमोह (स्वतंत्र मत)। तेंदूखेड़ा थाना क्षेत्र में नरगवा की टेक पर बुधवार को दो अलग-अलग सड़क हादसों में कुल तीन लोगों की मौत हो गई।

रात में एक अज्ञात वाहन की टक्कर से बाइक सवार की जान चली गई जबकि सुबह इसी स्थान पर दो बाइकों की भिड़ंत में दो लोगों की मौत हुई थी। पुलिस ने शवों को तेंदूखेड़ा स्वास्थ्य केंद्र में रखवाया है। बुधवार रात करीब 11 बजे नरगवा की टेक पर एक जबलपुर पासिंग बाइक सड़क किनारे खड़ी मिली। कुछ दूरी पर एक युवक का शव पड़ा हुआ था। स्थानीय लोगों ने इसे देखकर पुलिस को सूचना दी। प्रारंभिक जांच में आशंका जताई जा रही है कि किसी अज्ञात वाहन ने बाइक सवार को टक्कर मारी है।सूचना मिलते ही पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और शव को तेंदूखेड़ा स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया। मृतक की शिनाख्त नहीं हो पाई है क्योंकि उसके पास से कोई पहचान पत्र नहीं मिला। पुलिस मृतक की पहचान करने का प्रयास कर रही है। यहां दो बाइकों की आमने-सामने की टक्कर में दो लोगों की मौके पर ही मौत हो गई थी। हादसे में तीन अन्य लोग घायल हुए थे जिन्हें गंभीर हालत में जबलपुर रेफर किया गया था।

अज्ञात तत्वों ने की खड़ी कारों में तोड़ फोड़

दमोह (स्वतंत्र मत)। कोतवाली थाना क्षेत्र में टॉकीज तिराहा के पास पार्किंग में खड़ी पांच कारों में बुधवार रात अज्ञात बदमाशों ने तोड़फोड़ की। बदमाशों ने ईंट-पत्थर मारकर कारों के शीशे फोड़ दिए। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। टॉकीज तिराहा के पास रहने वाले प्रत्यक्षदर्शी आदित्य सोनी ने बताया कि बुधवार रात करीब 1 बजे पार्किंग में खड़ी कारों में तोड़फोड़ की आवाज सुनकर वह बाहर निकले। उन्होंने देखा कि एक युवक ने अपना चेहरा ढका हुआ था और दूसरा बनियान पहने खड़ा था। वे ईंट मारकर गाड़ियों के शीशे फोड़ रहे थे। आदित्य सोनी के चिल्लाने पर दोनों बदमाश पुराना तालाब की ओर भाग गए।

उन्होंने तत्काल स्थानीय लोगों को सूचना दी जिसके बाद सभी मौके पर पहुंचे और पाया कि करीब पांच गाड़ियों के शीशे फूटे हुए थे।कोतवाली पुलिस को सूचना दी गई जो मौके पर पहुंची लेकिन बदमाशों का पता नहीं चला। सुबह तक मौके पर केवल दो क्षतिग्रस्त कारें खड़ी मिलीं जबकि तीन कारों को उनके मालिक हटा ले गए थे। आदित्य के अनुसार असाटी वार्ड के लोग अपनी कारें इसी पार्किंग स्थल पर खड़ी करते हैं। उनकी कार भी यहीं खड़ी थी। इससे पहले कभी गाड़ियों में तोड़फोड़ नहीं हुई थी। अंधेरा होने के कारण आदित्य बदमाशों को ठीक से पहचान नहीं पाए।

बुजुर्गों और असहाय लोगों का आदर करना हमारा धर्म : डॉ. यादव

मुख्यमंत्री ने मंत्रालय से हितग्राहियों को किया वर्चुअली संबोधित

भोपाल (स्वतंत्र मत)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि घर में बड़े-बुजुर्गों का आशीर्वाद होना, तपती धूप में ठंडी छांव के समान होता है। हमारी संस्कृति में बुजुर्गों, असहायों और समाज के सबसे कमजोर वर्ग को आदर देना केवल कर्तव्य नहीं बल्कि हमारा धर्म माना गया है। राज्य सरकार द्वारा प्रदेश के प्रत्येक नागरिक के सम्मान के लिए प्रतिबद्ध हैं। हमारी कोशिश है कि राज्य का कोई भी निर्धन परिवार, माताएं, बहनें या हमारे दिव्यांग साथी स्वयं को बेसहारा न समझें। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश में अंत्योदय का संकल्प सिद्ध हो रहा है।

इसी दिशा में राज्य सरकार भी गरीबों, वंचितों और कमजोर वर्गों के कल्याण में जुटी है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सिंगल क्लिक से सामाजिक सुरक्षा पेंशन वितरण के लिए मंत्रालय में आयोजित कार्यक्रम में यह विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम से विभिन्न जिलों के हितग्राही वर्चुअली जुड़े। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने 33 लाख 92 हजार 695 से अधिक भाई-बहनों और बुजुर्गों के खातों में माह मई महीने की 203 करोड़ 56 लाख रुपये की सामाजिक सुरक्षा पेंशन राशि सिंगल क्लिक से अंतरित की। इस अवसर पर सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण मंत्री नारायण सिंह कुशवाहा, मुख्य सचिव अनुराग जैन, अपर मुख्य सचिव नीरज मंडलोई, संजय शुक्ला, मनीष रस्तोगी, प्रमुख सचिव सोनाली वायंगणकर कार्यक्रम में उपस्थित थी।

सरकार प्रत्येक नागरिक के सम्मान के लिए प्रतिबद्ध

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि सामाजिक सुरक्षा पेंशन केवल आर्थिक सहायता नहीं है, अपितु निर्धन परिवारों, दिव्यांग साथियों में आपके प्रति सरकार का स्नेह, सम्मान और सुरक्षा का वचन है। राज्य सरकार सभी को अपने परिवार का हिस्सा मानती है। सरकार प्रत्येक नागरिक के सम्मान के लिए प्रतिबद्ध है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि कृषक कल्याण वर्ष में राज्य सरकार ने किसान हितैषी महत्वपूर्ण निर्णय लिया है।

25 करोड़ से ज्यादा लोग बाहर आए गरीबी से-मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में देश का प्रत्येक नागरिक स्वयं को सुरक्षित महसूस कर रहा है। पिछले 10 वर्षों में देश के 25 करोड़ से ज्यादा लोग गरीबी रेखा से बाहर आए हैं। प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना के माध्यम से 80 करोड़ से अधिक लोगों को हर महीने मुफ्त राशन मिल रहा है।

4 जिला अधिकारियों के समय पर उपस्थित न होने पर कारण बताओ सूचना पत्र जारी

दमोह (स्वतंत्र मत)। कलेक्टर प्रताप नारायण यादव ने 4 अधिकारियों को कारण बताओ सूचना पत्र जारी करते हुए दी गई समयावधि में जबाव प्रस्तुत करने के निर्देश दिए है। पत्र में कहा गया हैं समय पर जबाव न देने पर एकपक्षीय कार्यवाही की जायेगी जिसके लिए वे स्वयं जिम्मेवार होंगे। ज्ञात हो कि प्रत्येक मगंलवार को कलेक्टर कार्यालय में भूतल पर स्थित कक्ष क्रमांक 10 में जिला स्तरीय जनसुनवाई प्रातः 11 बजे से आयोजित की जाती हैं जिसमें जिला मुख्यालय के विभिन्न विभागों के सबंधित जिला स्तरीय अधिकारियों को जनसुनवाई कक्ष में नियत समय पर उपस्थित होने हेतु निर्देश जारी किये गये है। जनसुनवाई में उपस्थित ना होने के आरोप पर कारण बताओ सूचना पत्र जारी किए गए हैं।

म.प्र. गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल
मेड़ाघाट रोड, धनवंतरी नगर, जबलपुर म.प्र. पिन-482003

भवन लीज हस्तांतरण / नामांतरण हेतु सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि पुरवा कॉलोनी जबलपुर में भवन क्रमांक LIG - 925 श्री लखनलाल साहू पिता श्री कन्छेदी लाल साहू के नाम आवंटित है, जिसका विक्रय विलेख दिनांक 29.08.2009 को आवंटी के पक्ष में निष्पादित हो चुका है। उक्त भवन श्री लखनलाल साहू पिता श्री कन्छेदी लाल साहू ने पंजीकृत विक्रय विलेख दिनांक 10.03.2025 के माध्यम से श्री हीरालाल कोरी पिता श्री वंशीधर कोरी को विक्रय किया है । अतः श्री हीरालाल कोरी पिता श्री वंशीधर कोरी द्वारा उक्त भवन उनके नाम लीज हस्तांतरण हेतु दस्तावेज / आवेदन इस कार्यालय में प्रस्तुत किये गये हैं। यदि किसी व्यक्ति, संस्था आदि को उपरोक्त लीज हस्तांतरण (भवन / भूखण्ड) बाबत् आपत्ति हो तो इस सूचना के प्रकाशित होने से 15 दिवस के अंदर लिखित में वैद्य आपत्ति सप्रमाण प्रस्तुत कर सकते हैं। निर्धारित अवधि के पश्चात् लीज हस्तांतरण की कार्यवाही कर दी जावेगी। जिस पर किसी की कोई आपत्ति मान्य नहीं होगी ।

संपदा अधिकारी म.प्र. गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल, जबलपुर

कार्यालय संभागीय अधिकारी संभाग क्र. 11 नगर निगम जबलपुर
पत्र क्र./ सं.क्र.11/26-27
दिनांक 25/6/2026

भवन नामांतरण सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि श्री शोम्भित दास पिता अनूप दास ने वार्ड क्रमांक 65 वार्ड का नाम सुभाष चंद्र बैनर्जी के भवन क्रमांक 1882/2 साउथ सिविल लाइन संपत्ति के पिन क्रमांक 1000400225 पर दर्ज भूमि का क्षेत्रफल जिस पर निर्मित भूतल 475 व.फु. प्रथम तल 475 व.फु. पर निम्न दस्तावेज प्रपत्र विक्रय पत्र, के आधार पर निगम में दर्ज श्री ए.के.दास पिता श्री गणेश चंद्र दास का नाम हटाये जाने एवं आवेदक के नाम से नाम परिवर्तन किये जाने पर जिस किसी को भी उक्त नाम परिवर्तन पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर कार्यालय संभाग क्रमांक 11 राजा गोकुलदास धर्मशाला नगर निगम जबलपुर में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत करें।

संभागीय अधिकारी
संभाग क्रमांक-11
नगर निगम, जबलपुर

कार्यालय संभागीय अधिकारी संभाग क्र. 11 नगर निगम जबलपुर
पत्र क्र./ सं.क्र.11/26-27
दिनांक 25/6/2026

भवन नामांतरण सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि श्रीमती शिरीन शिरिवज पति स्व. अरनिश शिरविज ने वार्ड क्रमांक 54 वार्ड का नाम जवाहर लाल नेहरू वार्ड के भवन क्रमांक 209/ए1 संपत्ति के पिन क्रमांक 1000428990 पर दर्ज भूमि का क्षेत्रफल 1000 वर्गफुट जिस पर निर्मित भूतल 800 व.फु. पर निम्न दस्तावेज प्रपत्र अनु. विक्रय पत्र, के आधार पर निगम में दर्ज श्रीमती ग्लोरिश गैड पति ग्लोरिश गैड का नाम हटाये जाने एवं आवेदक के नाम से नाम परिवर्तन किये जाने पर जिस किसी को भी उक्त नाम परिवर्तन पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर कार्यालय संभाग क्रमांक 11 राजा गोकुलदास धर्मशाला नगर निगम जबलपुर में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत करें।

संभागीय अधिकारी
संभाग क्रमांक-11
नगर निगम, जबलपुर

कार्यालय संभागीय अधिकारी संभाग क्र. 11 नगर निगम जबलपुर
पत्र क्र./ सं.क्र.11/26-27
दिनांक 25/6/2026

भवन नामांतरण सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि श्री मुन्नी लाल पिता प्रेम लाल (2) श्रीमती अनीता पति श्री मुन्नी लाल ने वार्ड क्रमांक 43 वार्ड का नाम श्यामा प्रसाद मुखर्जी के भवन क्रमांक म.नं. 890 ध14 छुई खदान मडैय्या बाबा के पास संपत्ति के पिन क्रमांक 1000449835 पर दर्ज भूमि का क्षेत्रफल जिस पर निर्मित भूतल 270 व.फु. कच्चा पर निम्न दस्तावेज प्रपत्र अनुबंधित विक्रय पत्र के आधार पर निगम में दर्ज श्री बिसन कुमार नीखर पिता स्व. छोटेलाल नीखर का नाम हटाये जाने एवं आवेदक के नाम से नाम परिवर्तन किये जाने पर जिस किसी को भी उक्त नाम परिवर्तन पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर कार्यालय संभाग क्रमांक 11 राजा गोकुलदास धर्मशाला नगर निगम जबलपुर में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत करें।

संभागीय अधिकारी
संभाग क्रमांक-11
नगर निगम, जबलपुर

कार्यालय संभागीय अधिकारी संभाग क्र. 11 नगर निगम जबलपुर
पत्र क्र./ सं.क्र.11/26-27
दिनांक 25/6/2026

भवन नामांतरण सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि श्रीमती प्रीति राव पति श्री संजय राव ने वार्ड क्रमांक 67 वार्ड का नाम रानी अवंती बाई के भवन क्रमांक म.नं. 103 ब्लाक ए दत्त गार्डन व्यू संपत्ति के पिन क्रमांक 1000381599 पर दर्ज भूमि का क्षेत्रफल जिस पर निर्मित भूतल 890 व.फु. पर निम्न दस्तावेज प्रपत्र विक्रय पत्र के आधार पर निगम में दर्ज श्रीमती उमा विश्वास पति श्री समर कुमार विश्वास का नाम हटाये जाने एवं आवेदक के नाम से नाम परिवर्तन किये जाने पर जिस किसी को भी उक्त नाम परिवर्तन पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर कार्यालय संभाग क्रमांक 11 राजा गोकुलदास धर्मशाला नगर निगम जबलपुर में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत करें।

संभागीय अधिकारी
संभाग क्रमांक-11
नगर निगम, जबलपुर

कार्यालय संभागीय अधिकारी संभाग क्र. 11 नगर निगम जबलपुर
पत्र क्र./ सं.क्र.11/26-27
दिनांक 25/6/2026

भवन नामांतरण सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि श्रीमती सरस्वती गुप्ता पति बैजनाथ गुप्ता ने वार्ड क्रमांक 43 वार्ड का नाम श्यामा प्रसाद मुखर्जी के भवन क्रमांक म.नं. 1727 कांचघर स्टेशन रोड जवाहर लाल संपत्ति के पिन क्रमांक 1003857407 पर दर्ज भूमि का क्षेत्रफल जिस पर निर्मित भूतल 336 व.फु. पर निम्न दस्तावेज प्रपत्र विक्रय पत्र के आधार पर निगम में दर्ज श्री प्रमोद शुक्ला पिता श्री अयोध्या प्रसाद शुक्ला का नाम हटाये जाने एवं आवेदक के नाम से नाम परिवर्तन किये जाने पर जिस किसी को भी उक्त नाम परिवर्तन पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर कार्यालय संभाग क्रमांक 11 राजा गोकुलदास धर्मशाला नगर निगम जबलपुर में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत करें।

संभागीय अधिकारी
संभाग क्रमांक-11
नगर निगम, जबलपुर

कार्यालय संभागीय अधिकारी संभाग क्र. 11 नगर निगम जबलपुर
पत्र क्र./ सं.क्र.11/26-27
दिनांक 25/6/2026

भवन नामांतरण सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि श्री आकाश कुमार रंजन पिता श्री राजीव रंजन ने वार्ड क्रमांक 67 वार्ड का नाम रानी अवंती बाई के भवन क्रमांक प्लाट नं. 181 चैतन्य सिटी संपत्ति के पिन क्रमांक 2000018016 पर दर्ज भूमि का क्षेत्रफल 1727 वर्गफुट जिस पर निम्न दस्तावेज प्रपत्र विक्रय पत्र, के आधार पर निगर में दर्ज श्री संजय कुमार शर्मा पिता श्री विजय प्रकाश शर्मा का नाम हटाये जाने एवं आवेदक के नाम से नाम परिवर्तन किये जाने पर जिस किसी को भी उक्त नाम परिवर्तन पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर कार्यालय संभाग क्रमांक 11 राजा गोकुलदास धर्मशाला नगर निगम जबलपुर में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत करें।

संभागीय अधिकारी
संभाग क्रमांक-11
नगर निगम, जबलपुर

हितग्राही योजनाओं पर हुई समीक्षा बैठक

संभागायुक्त ने की कलेक्टर्स के साथ बैठक

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। संभागायुक्त धनंजय सिंह ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से संभाग के सभी कलेक्टर्स के साथ समीक्षा बैठक की। बैठक में उन्होंने जन कल्याणकारी शिविरों के माध्यम से प्राप्त आवेदनों के निराकरण की प्रगति को परखा और निर्देश दिए कि सभी पात्र हितग्राहियों को योजनाओं का लाभ समय पर मिलना सुनिश्चित किया जाए। उन्हों ने विशेष रूप से प्रधानमंत्री श्रमयोगी मानधन, संबल योजना अंतर्गत लंबित आवेदनों को तत्परता से निपटाने के निर्देश दिए।

त्रैमासिक निरीक्षण के अंतर्गत व्हीव्हीपेट वेयरहाउस का निरीक्षण

ईवीएम और व्हीव्हीपेट देखने पहुंचे कलेक्टर

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी मध्य प्रदेश, भोपाल के निर्देशों के परिपालन में कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी राघवेन्द्र सिंह ने गुरूवार को नयागांव रामपुर स्थित ईवीएम और व्हीव्हीपेट वेयरहाउस का त्रैमासिक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने संबंधित अधिकारियों को ईवीएम और व्हीव्हीपेट की सुरक्षा संबंधी आवश्यक निर्देश दिये। इस दौरान उप जिला निर्वाचन अधिकारी सहित अन्य कर्मचारी उपस्थित रहे ।

अवमानना प्रकरण: मप्र हाईकोर्ट ने मुख्य सचिव की व्यक्तिगत पेशी पर लगाई रोक

तृतीय व चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों को उच्च वेतनमान का लाभ दिए जाने से जुड़ा मामला

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

मप्र हाईकोर्ट के कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश विवेक रूसिया की अध्यक्षता वाली युगलपीठ से तृतीय व चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों को उच्च वेतनमान का लाभ दिए जाने से जुड़े बहुचर्चित अवमानना प्रकरण में राज्य सरकार को अंतरिम राहत मिली है। हाईकोर्ट ने राज्य शासन की अपील पर सुनवाई करते हुए मुख्य सचिव को व्यक्तिगत रूप से न्यायालय में उपस्थित होने के आदेश से फिलहाल छूट प्रदान कर दी। दरअसल यह मामला हाई कोर्ट विवाद से जुड़ा है, जिसकी शुरुआत वर्ष 2016 में दायर याचिका से हुई थी।

नहीं मिल रहा वैधानिक लाभ- याचिकाकर्ताओं का कहना था कि वेतनमान संबंधी प्रस्ताव राज्य सरकार के समक्ष वर्षों से लंबित है, जिसके कारण कर्मचारियों को वैधानिक लाभ नहीं मिल पा रहा है। इस पर हाई कोर्ट ने 28 अप्रैल, 2017 को राज्य शासन को चार सप्ताह के भीतर निर्णय लेने के निर्देश दिए थे। निर्देशों के पालन न होने पर वर्ष 2018 में अवमानना याचिका दायर की गई। प्रकरण में अपेक्षित प्रगति न होने पर एकलपीठ ने 26 मार्च 2026 को मुख्य सचिव की व्यक्तिगत उपस्थिति के आदेश दिए थे। इसी आदेश को चुनौती देते हुए राज्य शासन ने अपील प्रस्तुत की। कर्मचारियों की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता नमन नागरथ व अधिवक्ता हिमांशु मिश्रा उपस्थित हुए, जबकि राज्य का पक्ष महाधिवक्ता प्रशांत सिंह व अतिरिक्त महाधिवक्ता ब्रह्मदत्त सिंह ने रखा है।

शैक्षणिक भ्रमण कर विद्यार्थियों ने किया विधिक समझ और पेशेवर दक्षता का विकास

हितकारिणी लॉ कॉलेज के विद्यार्थियों ने किया जिला न्यायालय का शैक्षणिक भ्रमण

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

विधि शिक्षा को व्यवहारिक ज्ञान से जोड़ने तथा विद्यार्थियों को न्यायिक प्रक्रिया की प्रत्यक्ष जानकारी प्रदान करने के उद्देश्य से हितकारिणी लॉ कॉलेज के एलएलबी षष्ठम सेमेस्टर के विद्यार्थियों का शैक्षणिक भ्रमण जिला न्यायालय में आयोजित किया गया। भ्रमण के दौरान विद्यार्थियों ने विभिन्न न्यायालयों की कार्यवाही का अवलोकन किया तथा न्यायिक प्रक्रियाए वादों की सुनवाई, अधिवक्ताओं एवं न्यायाधीशों की भूमिका तथा न्यायालयीन कार्यप्रणाली को निकट से समझा। विद्यार्थियों को न्यायालय की विभिन्न शाखाओं, अभिलेख व्यवस्था एवं न्यायिक प्रशासन संबंधी महत्वपूर्ण जानकारियां भी प्राप्त हुईं। इस अवसर पर विद्यार्थियों ने अधिवक्ताओं एवं न्यायिक अधिकारियों से संवाद कर अपने विधिक ज्ञान को और समृद्ध किया।

ज्ञानवर्धक साबित हुआ भ्रमण- यह शैक्षणिक भ्रमण महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. विकाश सिंह के मार्गदर्शन एवं संरक्षण में आयोजित किया गया। डॉ सिंह ने कहा कि विधि शिक्षा में सैद्धांतिक ज्ञान के साथ-साथ न्यायालयीन कार्यप्रणाली का व्यावहारिक अनुभव भी अत्यंत आवश्यक है, जिससे विद्यार्थियों में विधिक समझ और पेशेवर दक्षता का विकास होता है। कार्यक्रम का संचालन एवं मार्गदर्शन सहायक प्राध्यापक राजेश सेन द्वारा किया गया, जबकि इसके सफल आयोजन में अभिषेक नेमा एवं देवेन्द्र पांडे का विशेष सहयोग रहा। महाविद्यालय प्रशासन ने इस प्रकार के शैक्षणिक भ्रमणों को विद्यार्थियों के समग्र व्यक्तित्व विकास एवं व्यावसायिक प्रशिक्षण के लिए अत्यंत उपयोगी बताया। विद्यार्थियों ने इस भ्रमण को अत्यंत ज्ञानवर्धक, प्रेरणादायक एवं उपयोगी बताते हुए महाविद्यालय प्रशासन तथा मार्गदर्शक शिक्षकों के प्रति आभार व्यक्त किया।

व्यभिचार विवाद में डीएनए जांच को हाई कोर्ट की मंजूरी

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। देश भर के न्यायालय वैवाहिक विवादों में अक्सर बच्चे की वैधता और उसकी गरिमा को सर्वोच्च मानती हैं, लेकिन मप्र हाईकोर्ट ने अपने एक महत्वपूर्ण फैसले में स्पष्ट किया। कहा कि जब विवाद का मूल प्रश्न पत्नी पर लगाए गए व्यभिचार के आरोपों की सत्यता हो, तब न्यायालय सत्य की खोज से आंखें नहीं मूंद सकता। इसी सिद्धांत के आधार पर हाई कोर्ट के न्यायमूर्ति विवेक जैन की एकलपीठ ने पति और बच्ची के डीएनए परीक्षण संबंधी फैमिली कोर्ट के आदेश को बरकरार रखा है। दरअसल हाईकोर्ट भारतीय सेना में पदस्थ राजधानी भोपाल निवासी पति ने दावा किया कि वह लंबे समय तक ड्यूटी पर रहता था और गर्भधारण की अवधि के दौरान पति-पत्नी के बीच शारीरिक संबंध नहीं थे। दूसरी ओर पत्नी ने बच्ची की निजता और सामाजिक प्रतिष्ठा का हवाला देकर डीएनए जांच का विरोध किया। हाईकोर्ट ने माना कि यहां उद्देश्य बच्चे को अवैध ठहराना नहीं, बल्कि तलाक याचिका में लगाए गए आरोपों की सत्यता की जांच करना है। पत्नी की अपील निरस्त करते हुए हाईकोर्ट ने यह भी साफ किया कि यदि डीएनए नमूना देने से इंकार किया जाता है तो फैमिली कोर्ट उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर प्रतिकूल अनुमान लगाने के लिए स्वतंत्र होगी।

सोने की झुमकी छीनकर भागे लुटेरे

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। अधारताल थाने में 28 वर्षीय आरती रजक उम्र 28 वर्ष निवासी संजय नगर गणेश चौक अधारताल ने रिपोर्ट दर्ज कराते हुए बताया की वह पति शैलेन्द्र के साथ बाइक से गौरा, हरदुआ गयी थी और वापस आते समय शाम को महाराजपुर कमानिया गेट के पास दो बाइक सवार अज्ञात लड़के उसकी बाइक के बाजू में आकर बलपूर्वक उसके कान से सोने की झुमकी छीनकर भाग गये, झुमकी छीनने से उसका दाहिना कान फट गया है। जिसके बाद पुलिस ने मामला दर्ज करते हुए मामले की जाँच शुरू करदी है।

शराब के लिए रूपये ना देने पर चाक़ू मारा

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। रांझी थाने में 23 वर्षीय अमन पटेल निवासी इंद्रानगर ने रिपोर्ट दर्ज कराते हुए बताया की बीती रात वह अपने दोस्त साहिल सैनी , बंटी विश्वकर्मा के साथ घर के बाहर बैठकर बात कर रहा था। उसी समय सागर चौधरी, प्रेम रैकवार एवं उनका एक अन्य साथी बाइक से आया और उससे शराब पीने के लिये एक हजार रूपये मांगने लगे, उसने रूपये देने से मना किया तो तीनों गाली गलौज करने लगे और सागर ने चाकू से हमलाकर उसे चोट पहुँचा दी तथा तीनों जान से मारने की धमकी देते हुये भाग गये। जिसके बाद पुलिस ने मामला दर्ज करते हुए मामले की जाँच शुरू करदी है।

पोल खोल हल्ला बोल: जनसमस्याओं पर कांग्रेसियों ने किया जमकर प्रदर्शन

आंदोलन के अंतर्गत उप तहसील कार्यालय का किया घेराव

जबलपुर। जिला कांग्रेस कमेटी (ग्रामीण) अध्यक्ष संजय यादव के नेतृत्व में पोल खोल-हल्ला बोल आंदोलन के अंतर्गत उप तहसील कार्यालय का घेराव कर क्षेत्र की विभिन्न जनसमस्याओं को लेकर जोरदार प्रदर्शन किया गया। आंदोलन के दौरान कांग्रेस पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने गांव-गांव में बिक रही अवैध शराब पर तत्काल रोक लगाने, तहसील कार्यालयों में व्याप्त भ्रष्टाचार को समाप्त करने तथा क्षेत्र की मूलभूत समस्याओं के शीघ्र निराकरण की मांग की। प्रदर्शनकारियों ने आरोप लगाया कि अवैध शराब के कारोबार से सामाजिक वातावरण दूषित हो रहा है तथा प्रशासन इस पर प्रभावी कार्यवाही करने में विफल साबित हो रहा है। वहीं तहसील कार्यालयों में आम जनता को अपने कार्यों के लिए अनावश्यक परेशानियों और भ्रष्टाचार का सामना करना पड़ रहा है। कांग्रेस नेताओं ने कहा कि जनता की समस्याओं के समाधान हेतु प्रशासन को तत्काल प्रभावी कदम उठाने चाहिए। यदि मांगों पर शीघ्र कार्रवाई नहीं की गई तो कांग्रेस पार्टी जनहित के मुद्दों को लेकर आगे भी चरणबद्ध आंदोलन जारी रखेगी। इस अवसर पर जिला कांग्रेस कमेटी (ग्रामीण) के अध्यक्ष संजय यादव, संतोष डहेरिया, मन्नी बाई, हरि चक्रवर्ती, समलू सिंह मरावी आदि उपस्थित रहे।

तमाशबीन बने राहगीर, तड़पकर तड़पकर हुई 2 युवकों की मौत

तेज रफ्तार कार ने बाइक सवार युवकों को मारी टक्कर

भेड़ाघाट थाना क्षेत्र का मामला

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। भेड़ाघाट थाना क्षेत्र में बुधवार एवं गुरुवार दरमियानी रात सड़क हादसे में बाइक सवार 2 युवकों की मौत हो गई। यहा हादसा कूड़न गांव के पास हुआ, जहां तेज रफ्तार हेरियर कार ने बाइक को टक्कर मार दी। हादसे में एक युवक की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दूसरे ने मेडिकल कॉलेज में इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। जानकारी के मुताबिक खैरी गांव निवासी 40 वर्षीय वीरेंद्र भूमिया और 42 वर्षीय नरेश भूमिया देर रात किसी काम से जबलपुर से अपने गांव लौट रहे थे। जैसे ही वे कूड़न गांव के पास पहुंचे, सामने से आ रही तेज रफ्तार हेरियर कार ने उनकी बाइक को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि दोनों सड़क पर जा गिरे। वीरेंद्र भूमिया की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि नरेश गंभीर रूप से घायल हो गया।

मदद मांगते रहे पुलिसकर्मी- हादसे के बाद मौके पर लोगों की भीड़ जुट गई, लेकिन कोई भी घायल को अस्पताल पहुंचाने के लिए आगे नहीं आया। भेड़ाघाट थाना पुलिस के पहुंचने तक घायल सड़क किनारे पड़ा रहा। बताया जा रहा है कि पुलिसकर्मियों ने स्थानीय लोगों से मदद मांगी, लेकिन काफी देर तक कोई तैयार नहीं हुआ। बाद में पुलिस ने खुद घायल को मेडिकल कॉलेज पहुंचाया, जहां इलाज के दौरान उसकी भी मौत हो गई। मृतक वीरेंद्र के पिता ने बताया कि हादसे से कुछ पहले ही बेटे से फोन पर बात हुई थी। उसने कहा था कि वह सीधे घर पहुंच रहा है, लेकिन कुछ ही देर बाद दुर्घटना की सूचना मिल गई।

चालक की तलाश जारी- परिजनों के अनुसार दोनों युवक निजी वाहन चलाने का काम करते थे और अक्सर जबलपुर आते-जाते रहते थे। दोनों युवकों की शादी हो चुकी थी और उनके दो-दो बच्चे हैं। हादसे के बाद परिवारों में मातम पसरा हुआ है।

घटना के संबंध में भेड़ाघाट थाने में पदस्थ एएसआई तेजराम ने बताया कि दोनों के परिजनों को रात में ही सूचना दे दी गई थी। पुलिस ने पंचनामा कार्रवाई के बाद शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। हादसे में शामिल हेरियर कार को जब्त कर लिया गया है और चालक की तलाश के साथ मामले की जांच की रही है।

चार विभागों की बैठक लेकर निगमायुक्त ने दिए कड़े निर्देश

फायर सेफ्टी, वैध-अवैध निर्माणों और बाजारों की सघन जांच के निर्देश

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

निगमायुक्त राम प्रकाश अहिरवार ने जन सुरक्षा से जुड़े चार महत्वपूर्ण विभागों की बैठक कर अग्निशमन, भवन, अतिक्रमण और बाजार विभाग के कार्यों की विस्तृत समीक्षा की। बैठक के दौरान निगमायुक्त ने बेहद कड़ा और स्पष्ट रुख अपनाते हुए अधिकारियों को दो टूक निर्देश दिए कि जन सुरक्षा के मामले में किसी भी स्तर पर कोई समझौता नहीं किया जाएगा। निगमायुक्त श्री अहिरवार ने गर्मी के दिनों में आगजनी की घटनाओं की आशंका को देखते हुए अग्निशमन विभाग को विशेष रूप से अलर्ट रहने और व्यावसायिक प्रतिष्ठानों में फायर सेफ्टी ऑडिट तेज करने के निर्देश दिए। इसके साथ ही, भवन और अतिक्रमण विभाग को संयुक्त रूप से शहर के नक्शों, वैध और अवैध निर्माणों की बारीकी से जांच करने को कहा गया है, ताकि किसी भी अप्रिय स्थिति से बचा जा सके। निगमायुक्त ने बताया कि बैठक में बाजार विभाग को निर्देश दिए गए हैं कि वे बाजारों का सघन निरीक्षण करें। सड़कों और वेंडिंग जोन में अतिक्रमण को हटाकर व्यवस्था को दुरुस्त किया जाए, ताकि आपातकालीन स्थिति में फायर ब्रिगेड या एम्बुलेंस जैसी गाड़ियों को निकलने में कोई बाधा न आए। उन्होंने सभी चारों विभागों के अधिकारियों को आपसी समन्वय के साथ काम करने और नियमित रूप से फील्ड में उतरकर औचक निरीक्षण करने के आदेश दिए हैं।

युवतियों ने किया किशोरी का अपहरण कपड़े उतरवाकर वीडियो किया वायरल

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

सोशल मीडिया पर एक कुछ युवतियों द्वारा एक नाबालिग का अपहरण कर उसे पीटते हुए कपड़े उतराने का एक वीडियो सामने आया है। बताया जा रहा है कि यह वारदात ग्वारीघाट क्षेत्र की है। इस मामले में नाबालिग किशोरी ने एसपी कार्यालय पहुंचकर लिखित शिकायत देते हुए बताया कि पड़ोस में रहने वाली 4 लड़कियों ने घर में घुसकर मेरा अपहरण किया और फिर सुनसान इलाके में ले जाकर मारपीट की और कपड़े उतारे। पीड़िता के साथ एसपी कार्यालय पहुंचे स्थानीय निवासी ने बताया कि तीन दिन पहले दो लड़कियों के साथ यह घटना हुई थी। पड़ोस में रहने वाली कुछ युवतियां और उनके साथी घर में घुसे, दोनों को जबरन एक खंडहरनुमा स्थान पर ले गए और वहां गाली-गलौज करते हुए मारपीट की। पीड़िताओं के कपड़े भी उतरवाए गए। घटना का वीडियो बनाकर अब सोशल मीडिया पर वायरल किया जा रहा है। पीड़िताएं शिकायत लेकर ग्वारीघाट थाने पहुंचीं, लेकिन आरोप है कि पुलिस ने मामूली धाराओं में मामला दर्ज किया और किसी आरोपी की गिरफ्तारी नहीं की। इसके बाद स्थानीय लोगों ने एसपी से मुलाकात कर कड़ी कार्यवाही की मांग की। इधर एसपी कार्यालय की ओर से आश्वासन दिया गया है कि मामला गंभीर है और जल्द ही आरोपियों की गिरफ्तारी की जाएगी।

हितकारिणी प्रकाशन प्रायवेट लिमिटेड के लिए **प्रकाशक एवं मुद्रक- राम असरानी** द्वारा प्रेस काम्पलेक्स सिविक सेंटर जबलपुर से प्रकाशित एवं हितकारिणी प्रिंटिंग प्रेस, सिविक सेंटर जबलपुर से मुद्रित. **प्रबंध सम्पादक- सुबोध दुबे, सम्पादक- राजेन्द्र मिश्रा,** *पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयनार्थ उत्तरदायी।
ई-मेल-**smatjbp1@ gmail.com,** फोन- 0761-2411414, 4032436 समस्त विवाद जबलपुर न्यायालयाधीन. पोस्टल रजि. नं. एसएसपी जबलपुर/13/2026-28, **RNI No. 64561/96.**